शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 118 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 24 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हताश कांग्रेस के पास एकमात्र दुष्प्रचार का सहारा : भाजपा पेज 3
पीएम मोदी के नेतृत्व में राज्य की जनता भाजपा को देगी प्रचंड बहुमत : अमित शाह पेज 4
जनता की गाढ़ी कमाई बर्बाद कर रही उप्र सरकार : कांग्रेस पेज 5
पीएम मोदी के नेतृत्व में राज्य की जनता भाजपा को देगी प्रचंड बहुमत : अमित शाह पेज 8

पूर्वांचल केশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जिंदगी खुद को ढूंढने में नहीं, बल्कि जिंदगी तो खुद को बनाने में है।

– जॉर्ज बार्नार्ड शॉ

जिस दिन भारत विश्व कप हारा, उस दिन इंदिरा गांधी की जयंती थी : हिमंत

हैदराबाद। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को क्रिकेट विश्व कप फाइनल में भारत की हार पर चल रहे राजनीतिक विवाद को एक नया मोड़ दे दिया। शर्मा ने कहा कि फाइनल इंदिरा गांधी की जयंती पर खेला गया था। बता दें कि शर्मा ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करने वालों के साथ *मिले हुए* हैं। उन्होंने कहा कि वह बीसीसीआई से कहना चाहेंगे कि उसे भविष्य में यह सुनिश्चित करना चाहिए कि फाइनल मैच उस दिन आयोजित न किया जाए जिस दिन नेहरू-गांधी परिवार के किसी सदस्य का जन्मदिन हो। उन्होंने कहा कि उस दिन भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप मैच था। हम हर गेम जीत रहे थे। फाइनल हार गए। फिर मैंने आकर देखा। वह दिन क्या था? हम क्यों हारे? हम हिंदू हैं और मैं दिन के हिसाब से चलता हूं वगैरह-वगैरह, फिर मैंने देखा कि विश्व कप फाइनल ऐसे दिन खेला गया था, जिस दिन इंदिरा गांधी की जयंती भी थी। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी की जयंती पर विश्व कप फाइनल हुआ और देश हार गया। इसलिए मैं बीसीसीआई से कहना चाहता हूं कि अगर आपके सामने वर्ल्ड कप का फाइनल मैच है तो हिसाब-किताब कर लें। उस दिन को गांधी परिवार से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। नहीं तो देश हार जाएगा। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से इंटरनेट पर उस दिन के बारे में खोजने को कहा जिस दिन फाइनल मैच खेला गया था और वह दिन इंदिरा गांधी की जयंती थी। उन्होंने कहा कि इसलिए वह सभी और बीसीसीआई से यह सुनिश्चित करने के लिए कहते हैं कि फाइनल गांधी परिवार के किसी भी जन्मदिन पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नहीं तो परेशानी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाया। हालांकि, शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की *पीएम का मतलब पनौती मोदी* वाली टिप्पणी का कोई संदर्भ नहीं दिया। मंगलवार को उस समय राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पीएम का मतलब पनौती मोदी है, उन्होंने संकेत दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुर्भाग्य लाते हैं, भाजपा ने उनकी टिप्पणी को *शर्मनाक और अपमानजनक* बताया और माफी की मांग की। प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद में विश्व कप फाइनल में भाग लिया। एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी द्वारा कथित तौर पर एक पुलिस अधिकारी को धमकी देने पर विवाद का जिक्र करते हुए, शर्मा ने सभा से पूछा कि अगर तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनती है तो क्या किसी को *पुलिस का दुरुपयोग* करने का साहस होगा। शर्मा, जो यहां चारमीनार में रैली को संबोधित कर रहे थे, ने कहा कि अगर भाजपा की सरकार एक बार बनी तो तेलंगाना में *तुष्टिकरण की राजनीति* समाप्त हो जाएगी। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

डीप फेक के खिलाफ एक्शन मोड में सरकार

नई दिल्ली। डीपफेक को लेकर केंद्र सरकार अब सख्त रवैया अपनाने जा रही है। केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि सरकार जल्द ही इसके खिलाफ बड़े कदम उठाने वाली है। मंत्री ने कहा कि जल्द ही सरकार ऐसे डीपफेक वीडियो को बनाने और इसे होस्ट करने वाले प्लेटफार्मों के लिए कानून और दंड का प्रावधान करने वाली है। अश्विनी वैष्णव ने आज डीप फेक के मुद्दे पर सोशल मीडिया प्लेटफार्मों और हितधारकों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। डीप फेक पर बोलते हुए अश्विनी -शेष पृष्ठ दो पर

कन्हैया कांड असम में होता तो पांच मिनट में हिसाब होता : हिमंत विश्व

जयपुर (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कन्हैयालाल का सर धड़ से अलग करने का मामला अगर असम में होता तो उसका हिसाब भी पांच मिनट में चुकता कर दिया जाता। फिलिस्तीन मामले पर उन्होंने कहा कि गांधी के रास्ते से अगर फिलिस्तीन मिलेगा तो भारत जैसा मिलेगा और अगर जिन्ना के रास्ते से मिलेगा तो पाकिस्तान जैसा मिलेगा। शर्मा गुरुवार को विद्याधर नगर की -शेष पृष्ठ दो पर

पनौती, जेबकतरे पर राहुल को चुनाव आयोग की नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (ईसी) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने वाली उनकी हालिया टिप्पणी के लिए गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी करके निर्णायक कार्रवाई की है। नोटिस विशेष रूप से गांधी द्वारा अपने भाषणों के दौरान *पनौती* (अपशकुन), *जेबकतरे* जैसे शब्दों के इस्तेमाल और ऋण माफी से संबंधित टिप्पणियों के लिए भेजा गया है। चुनाव आयोग ने गांधी को शनिवार शाम तक जवाब देने का निर्देश दिया है। यह -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

आठ दिसंबर तक सेवानिवृत्त जजों की पेंशन भुगतान का सुप्रीम निर्देश

नई दिल्ली (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को निर्देश दिया है कि वे सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों को दूसरे नेशनल ज्यूडिशियल पे कमीशन की अनुशंसाओं के मुताबिक पेंशन 8 दिसंबर तक जारी करें। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से कहा कि अगर वे इस आदेश का पालन नहीं करेंगे तो अवमानना की कार्यवाही का सामना करने के लिए तैयार रहें। इससे पहले 19 मई को कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित -शेष पृष्ठ दो पर

अब संसदीय वेबसाइट का लॉग-इन पासवर्ड शेयर नहीं कर सकेंगे सांसद

नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय ने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़े विवाद के बाद संसद की वेबसाइट तक पहुंचने के नियमों में बदलाव किया है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, निजी कर्मचारी या कोई तीसरा पक्ष डिजिटल संसद वेबसाइट तक नहीं पहुंच सकता है और किसी सांसद की ओर से नोटिस नहीं दे सकता है या -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस को धमकाने वाले ओवैसी पर हिमंत बोले-

असम में हुआ होता तो पांच मिनट में सेटल हो जाता

हैदराबाद। हैदराबाद में पुलिस इंसपेक्टर को धमकी देने के मामले को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असदुद्दीन ओवैसी के भाई अकबरुद्दीन ओवैसी पर बड़ा हमला बोला है। सीएम शर्मा ने कहा है कि अगर यही चीज असम में हुआ होता तो पांच मिनट में मामला सेटल हो जाता। बता दें कि अकबरुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को चुनावी जनसभा के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान में चुनाव प्रचार समाप्त, कल मतदान

जयपुर। राजस्थान में 200 सदस्यों को चुनने के लिए विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान, गुरुवार शाम 6 बजे समाप्त हो गया। 25 नवंबर को होने वाले चुनाव में 1875 उम्मीदवार मैदान में हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा दोनों नेताओं का उच्च-स्तरीय अभियान चुनाव आयोग द्वारा जारी आदेश के साथ समाप्त हो गया। इन 1875 में से 183 महिलाएं और 1692 पुरुष हैं। विधानसभा की सीटों में से 34 अनुसूचित जाति के लिए और 25 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। नामांकन वापस लेने के लिए निर्धारित समय के दौरान, भाजपा के बागियों में एक प्रमुख चेहरे, पूर्व मंत्री राजपाल सिंह ने जयपुर के झोटवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन वापस ले लिया, जहां जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। दोनों प्रमुख दलों के कुछ और बागियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। झोटवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के लिए राज्य में सबसे ज्यादा 18 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि दौसा की लालसोट सीट पर केवल तीन उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। राज्य में 25 नवंबर को मतदान होगा और नतीजे 3 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। एक बयान में, मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार गुरुवार शाम 6 बजे समाप्त हो जाएगा और उसके बाद कोई सार्वजनिक बैठक या जुलूस आयोजित नहीं किया जा सकेगा। राज्य भर में कुल 51,756 मतदान केंद्र स्थापित किए गए, जो राज्य के 1,41,890 सेवा मतदाताओं के अलावा, 5,25,38,655 मतदाताओं -शेष पृष्ठ दो पर

हलाल पर योगी सरकार के साथ मुस्लिम कारोबारी

गाजियाबाद। हलाल प्रमाणन उत्पादों पर प्रतिबंध को लेकर मुस्लिम समाज ने गहन मंथन शुरू कर दिया है। ज्यादातर मुस्लिम संगठनों ने प्रतिबंध को उचित बताया है। गाजियाबाद में मुस्लिम महासभा ने तो 49 साल से मुस्लिमों को हलाल प्रमाणन उत्पादों के नाम पर ठगने का आरोप लगाया है। मुस्लिम कारोबारियों ने कहा है कि हलाल प्रमाणन के नाम पर समाज को बांटा जा रहा था। कंपनियों को हलाल या हराम से कोई मतलब नहीं है। वह सिर्फ मुस्लिमों की आस्था को भुना रही हैं। वह उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिबंध के निर्णय का समर्थन करते हैं। बता दें, उत्तर प्रदेश सरकार ने हलाल प्रमाणन उत्पादों पर रोक लगा दी है। प्रदेशभर में छापेमारी की जा रही है। ज्यादातर -शेष पृष्ठ दो पर

मानव तस्करी : जोरहाट से सात लड़कियों का रेस्क्यू

जोरहाट। असम में सात नाबालिग लड़कियों को दलाल के चंगूल से बचाया गया। सभी लड़कियों को जोरहाट के राष्ट्रीय राजमार्ग से ले जाते वक्त पुलिस ने बचाया। बताया जा रहा है कि इन लड़कियों को एक निजी बस के जरिये बुधवार की रात को गुवाहाटी ले जाया जा रहा था। रेस्क्यू कराई गईं लड़कियां अरुणाचल प्रदेश के नामसाई से हैं। जोरहाट के पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक टीम ने कार्रवाई करते हुए बस की तलाशी ली तो उसमें लड़कियों के बारे में उन्हें पता चला और अपने कब्जे में ले लिया। जानकारी के मुताबिक, असम पुलिस को मानव तस्करी की खबर मिली थी, जिसके आधार पर पुलिस की एक टीम ने जोरहाट के राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाकाबंदी कर तलाशी ली। इस दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

जबतक सूरज चांद तब तक सनातन : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि जब तक सूरज और चांद रहेगा तब तक देश में सनातन कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा पर सनातन धर्म की राजनीति करने लगाने वाली कांग्रेस मुसलमानों को 12 फीसदी आरक्षण देने की बात कह रही है। यदि भाजपा नहीं होती तो देश में बाबर और औरंगजेब आज राज चला रहे होते। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीतिक कर रही है। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत उन पर सनातन धर्म की राजनीति करने का आरोप लगाते हैं। यदि भारत में -शेष पृष्ठ दो पर

चीन में मस्जिदों को बंद करने का अभियान तेज

हांगकांग (हि.स.)। चीन की सरकार ने देश में मस्जिदों को बंद करने का अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में शिनजियांग प्रांत के बाहर भी मस्जिदों के विरुद्ध अभियान जारी है। ह्यूमन राइट वॉच की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन शिनजियांग में वर्षों से अल्पसंख्यक मुस्लिमों के विरुद्ध कार्रवाई कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, चीनी प्राधिकारियों ने उत्तरी निंग्जिया क्षेत्र के साथ-साथ गांसु प्रांत में मस्जिदों को बंद करना शुरू कर दिया है। यहां हुइ मुसलमानों की बड़ी आबादी रहती है। यह सार्वजनिक दस्तावेजों, उपग्रह चित्रों पर आधारित है। स्थानीय प्राधिकारी पहले से ही इन मस्जिदों से उनकी वास्तुशिल्प विशेषताएं हटा रहे हैं, जिससे वे अधिक चीनी दिखें। कम्युनिस्ट -शेष पृष्ठ दो पर

काठमांडू में प्रदर्शन के दौरान कई स्थानों पर झड़प, पुलिस का लाठीचार्ज

काठमांडू (हि.स.)। राजधानी काठमांडू में एक तरफ राजसंस्था समर्थकों और दूसरी तरफ राजसंस्था विरोधी लोगों के प्रदर्शन के कारण कई स्थानों पर तीखी झड़पें हुई हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज के अलावा आंसू गैस और हवाई फायरिंग करनी पड़ी है। फिलहाल 12 से अधिक प्रदर्शनकारियों के घायल होने की जानकारी प्राप्त हुई है। राजसंस्था पुनर्बहाली की मांग को लेकर राजधानी काठमांडू में जारी शक्ति प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा पुलिस घेराबन्दी को तोड़ कर बाहर निकलने का प्रयास कर रहे लोगों की पुलिस के साथ झड़प हुई है। काठमांडू के बल्खु में ही प्रदर्शनकारियों को सीमित रखने के प्रशासन के फैसले के खिलाफ जब प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने पहले वॉटर कैनन का प्रयोग कर भीड़ को रोकने का प्रयास किया। इस पर प्रदर्शनकारी उत्तेजित हो गए और उन्होंने पुलिस पर पथराव किया, जिससे स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता डीआईजी कुबेर कडायत ने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

मुकरोह गोलीबारी की सीबीआई से जांच हो : प्रेस्टोन टी.

शिलांग। मेघालय के उप मुख्यमंत्री प्रेस्टोन टी. ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार और असम प्रशासन ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को पत्र लिखकर पिछले साल दोनों राज्यों की विवादित सीमा से लगे मुकरोह में हुई गोलीबारी की घटना की जांच अपने हाथ में लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि असम और मेघालय की सरकारों ने 30 सितंबर को मुकरोह गोलीबारी की जांच सीबीआई से कराने के लिए अनुरोध करने का फैसला लिया था। यह पूछे जाने पर कि क्या मुकरोह गोलीबारी घटना की जांच सीबीआई को सौंपी दी गई है, प्रेस्टोन टी. ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

वह दिन दूर नहीं जब मथुरा में भगवान कृष्ण के भव्य व दिव्य दर्शन होंगे : प्रधानमंत्री

मथुरा (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत ने हमेशा महिलाओं को सम्मान दिया है। मथुरा में भी पहले राधा जी फिर कान्हा जी का नाम लिया जाता है। भारत के मुश्किल समय में संत मीराबाई ने हमें दिशा दिखाई। उन्होंने संत रविदास को अपना गुरु माना। वह समाज सुधारक और पथप्रदर्शक भी थीं। मीराबाई हमें रुढ़ियों से दूर रहकर अपने मूल्यों से जुड़े रहने की सीख देती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब मथुरा में भी भगवान कृष्ण के भव्य और दिव्य दर्शन होंगे। ब्रज क्षेत्र में बदलाव हो रहा है। यह केवल व्यवस्था का बदलाव नहीं है, बल्कि यह भारत के पुनर्जागरण का विकास है। प्रधानमंत्री मोदी संत मीराबाई की 525वीं जयंती के अवसर पर रेलवे ग्राउंड में आयोजित *ब्रज रज उत्सव* को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान के चुनावी रण से यहां भक्तिमय वातावरण में आ गया हूं। यह मेरे लिए परम सौभाग्य का है। यहां के कण-कण में भगवान का दर्शन होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी को नमन करते हुए संत मीराबाई को प्रमाण करता हूं। भगवान श्रीकृष्ण से लेकर मीराबाई तक का गुजरात का रिश्ता है। राजस्थान से मीरा ब्रज आईं। फिर वह भी द्वारिका गईं। मुझे तो मां गंगा ने बुलाया और फिर द्वारिकाधीश की कृपा से आप सबके बीच में ही आकर बस गया। मीराबाई की याद में आयोजित यह कार्यक्रम हमें भक्ति, श्रद्धा और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत उदाहरण है। यह अप्रतिम है। हम भगवान कृष्ण में सुदर्शनधारी को देखते हैं और वंशी वाले कान्हा भी दिखते हैं। भारत ने हमेशा महिलाओं को सम्मान दिया है। यहां भी पहले राधा जी फिर कान्हा जी का नाम लिया जाता है। भारत के मुश्किल समय में संत मीराबाई ने हमें दिशा दिखाई। उन्होंने संत रविदास को अपना गुरु माना। वह समाज सुधारक और पथप्रदर्शक थीं। प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार शाम को मथुरा पहुंचे। वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर गए। प्रधानमंत्री ने मंदिर के गर्भगृह में विधिवत दर्शन-पूजन किया। यह पहली बार है जब देश का कोई प्रधानमंत्री श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए पहुंचा है। हालांकि मोदी का प्रधानमंत्री के तौर पर मथुरा का यह चौथा दौरा है। प्रधानमंत्री का श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर आना बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी, स्थानीय सांसद हेमा मालिनी, स्थानीय विधायक श्रीकांत शर्मा समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

भू-धंसाव : 41 श्रमिकों का आज रेस्क्यू होने की पूरी उम्मीद

उत्तरकाशी (हि.स.)। बीते 12 नवंबर से सिलक्यारा निर्माणाधीन सुरंग में भू-धंसाव होने से फंसे 41 श्रमिकों का नया सवेरा देखने का इंतजार बढ़ गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि हर हाल में शुक्रवार को सभी श्रमिक सुरंग से बाहर आ जाएंगे। मुख्यमंत्री सिल्क्यारा टनल में फंसे लोगों के रेस्क्यू ऑपरेशन की मॉनिटरिंग खुद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी दो दिनों से उत्तरकाशी में डेरा डाले हुए हैं। ऐसे में आज वो रात्रि विश्राम भी वहीं करेंगे। यहीं पर उन्होंने अपना अस्थायी कैम्प ऑफिस बनाया हुआ है, जिससे रोजमर्रा के कामों में कोई बाधा न पड़े। साथ ही आज के दिन उत्तराखण्ड में धूमधाम से मनाए जाने वाले ईगास पर्व को भी न मनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं केंद्र राज्य मंत्री बीके सिंह ने उत्तरकाशी रेस्क्यू ऑपरेशन को धार देने के लिए पिछले 24 घंटे से ढेरा डाल रखा है। सीएम धामी गुरुवार को देर शाम सिलक्यारा से लगभग 50 किलोमीटर दूर उत्तरकाशी स्थित मातली आइटीबीपी गेस्ट हाउस में गए हैं। वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह उत्तरकाशी नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में आए रात्रि विश्राम के लिए वापस गए हैं। आज ईगास के मौके पर मुख्यमंत्री आवास पर लगभग एक हजार लोगों के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इस पर्व में शामिल होना था, लेकिन उन्होंने इसे रद्द कर दिया। मुख्यमंत्री आवास पहुंचे लोगों ने बेहद सादगी से गौ पूजन करके पर्व मनाया। इस मौके पर लोगों ने टनल में फंसे श्रमिकों की जल्द से जल्द सकुशल बाहर निकलने की प्रार्थना भी ईश्वर से की। गुरुवार को अस्थाई मीडिया सेंटर, सिलक्यारा में प्रेस रेस्क्यू ऑपरेशन के उत्तराखंड शासन की ओर से अपर सचिव डॉ नीरज खैरवाल ने मीडिया को बताया कि ऑगर मशीन से ड्रिलिंग शुरू करते हुए कुल 45 मीटर तक ड्रिलिंग पूरी कर ली गई थी। 45 मीटर से आगे की ड्रिलिंग के बाद धातु के टुकड़े (सरिया) के मशीन में फंसने से ड्रिलिंग में बाधा सामने आ खड़ी हुई थी। देर रात श्रमिक प्रदीप यादव एवं बलविंदर द्वारा पाइप के मुहाने पर फंसे धातु के टुकड़ों को पाइप के अंदर रेंगकर काट दिया गया है।

अमित शाह के रोड शो में उमड़ा जनसमूह

राजसमंद (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को श्रीनाथजी की नगरी नाथद्वारा में रोड-शो किया। नाथद्वारा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी विश्वराज सिंह मेवाड़ के समर्थन में हुए इस रोड-शो में जबर्दस्त जनसमूह उमड़ा। चुनावी प्रचार के आखिरी दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोपहर में नाथद्वारा पहुंचे। नाथद्वारा के आइकॉनिक गेट से लेकर गोविंद चौक तक निकाले गए रोड-शो के दौरान पूरे शहर में माहौल भाजपामय हो गया। शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते समय दोनों ओर के घरों से नागरिकों ने पुष्पवर्षा भी की। गृहमंत्री शाह के रोड शो में हिस्सा लेने के लिए जिले के अन्य विधानसभा क्षेत्रों से भी कार्यकर्ता नाथद्वारा पहुंचे। शहर की हृदय स्थली चौपाटी पर शाह के पहुंचते ही माहौल में जोश भर गया। कार्यकर्ताओं के गगनभेदी नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। हर तरफ भाजपा के झंडे और नारे लगाती भीड़ से नाथद्वारा शहर पूरी तरह से भाजपा के रंग में रंगा नजर आया। भारी भीड़ के बीच मंथर गति के साथ शाह का रथ आगे बढ़ा। इस दौरान पूरा रास्ता जाम हो गया।

मुस्लिम लाभार्थियों का डाटा बैंक बनाने में जुटी भाजपा

नई दिल्ली। लाभार्थी वोट बैंक को मजबूत कर विपक्ष की राह मुश्किल करती रही भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव के लिए इस उम्मीद के साथ ही काम कर रही है कि अब तक उससे अलग-थलग माने जाने वाले मुस्लिम वर्ग में भी वोट बैंक तैयार हो जाए। इसके लिए भाजपा मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं की लाभार्थी मुस्लिम महिलाओं को *सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास* की अपनी नीति का संदेशवाहक बनाकर पत्र लिखवा रहा है। इन्हीं पत्रों के आधार पर मुस्लिम लाभार्थियों का डाटा बैंक भी बनाने की तैयारी चल रही है। मुस्लिम मतों में अपनी हिस्सेदारी बनाने के लिए पसमांदा वर्ग से अपने प्रयास शुरू करने वाली भाजपा की नजर अब अल्पसंख्यक वर्ग के उन सभी लोगों पर है, जो सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं और उनके जीवन में कुछ मुश्किलें कम हुई हैं। विकास आधारित राजनीति को अपना सिद्धांत बताने वाली भाजपा ने इसी उद्देश्य के साथ सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का नारा बुलंद करते हुए प्रयास तेज किए हैं। इसके लिए पहले भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने देशभर में मुस्लिम वर्ग से *मोदी मित्र* बनाना शुरू किया। फिर सूफी संवाद शुरू किया और अब इन दिनों देश के 22 राज्यों में *शुक्रिया मोदी जी* अभियान चलाया जा रहा है। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने बताया कि इस अभियान के तहत प्रत्येक जिले में अल्पसंख्यक मोर्चा की पांच-पांच महिलाओं की टीम बनाई गई है। यह नेतृत्व करते हुए हर मंडल में उन मुस्लिम महिलाओं को तलाश रही हैं, जो मोदी सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, सौभाग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना, इज्जत घर या अन्य योजना की लाभार्थी हैं। इन योजनाओं सहित तीन तलाक खत्म करने और राजनीति में महिलाओं को आरक्षण देने के निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रिया देते हुए पत्र लिखकर उन लाभार्थियों का नाम, हस्ताक्षर और फोन नंबर लिखवाया जा रहा है। उन पत्रों का पूरा लेखा-जोखा तैयार कर डाटा बैंक भी तैयार किया जा रहा है। जमाल सिद्दीकी ने बताया कि यह अभियान दिसंबर तक चलेगा। इसके बाद बड़े स्तर पर संवाद कार्यक्रम किए जाएंगे, जिनमें शुक्रिया मोदी जी अभियान में शामिल महिलाओं, देशभर में बनाए जा रहे मोदी मित्रों और सूफी संवाद से जुड़े सूफियों से संवाद कर पूछा जाएगा कि भाजपा सरकार के प्रति उनका विश्वास कितना मजबूत हुआ है और अब उनकी क्या अपेक्षाएं सरकार से हैं। उसके निष्कर्षों के आधार पर पार्टी आगे काम करेगी।

राजौरी मुठभेड़ : लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर सहित दो आतंकवादी ढेर

राजौरी (हि.स.)। राजौरी जिले के कालाकोट के बाजीमल इलाके में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में अफगानिस्तान में प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर सहित दो आतंकवादी मारे गए। जबकि इस दौरान सेना का एक और जवान बलिदान हो गया। बुधवार को दो अधिकारियों सहित चार जवान बलिदान हुए थे, जिसके बाद अबतक इस मुठभेड़ के दौरान पांच जवान देश पर बलिदान हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार रात में गोलीबारी रोक दी गई और इलाके की घेराबंदी और सख्त कर दी गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी घने जंगली इलाके से भाग न जाए। उन्होंने कहा कि गुरुवार सुबह गोलीबारी फिर से शुरू हुई और एक के बाद एक दो आतंकवादी मारे गए। क्षेत्र में सुरक्षाबलों का अभियान फिलहाल जारी है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान क्वारी, एक पाकिस्तानी नागरिक और कट्टर आतंकवादी के रूप में की गई है। पीआरओ डिफेंस ने पुष्टि की है कि मुठभेड़ के दौरान मारा गया एक आतंकवादी क्वारी पाकिस्तानी है। उसे पाक और अफगान मोर्चे पर प्रशिक्षित किया गया है। क्वारी लश्कर-ए-तैयबा का उच्च रैंक आतंकवादी कमांडर था।

DD Hydropower & Developers Private Limited (DDHDPL)
Registered Office: Pvt Res, Near Directorate of Eco & Stats, PO RKM, Itanagar, Arunachal Pradesh, India.
Email: keyihydro@virtuaal.in

Request for Bids (RFB)
(National Open Competitive Bidding)

Contract Title: Design, Fabrication, Assembly, Delivery at Site and Completion of Fit for Purpose Prefabricated Buildings at the proposed location at the Site for the 23MW Keyi HEP in the state of Arunachal Pradesh"
IFB No: KEYI-W004-Pre-Fab Buildings **Date of issue:** 17 November 2023
DDHDPL invites sealed bids for the above mentioned Pre-Fab Buildings. The Documents for the Package are available from **17th November 2023 till 2nd December 2023** unless extended further, at **www.viplhydro.com**, along with detailed RFB. For amendment/ changes, if any, in the RFB Document or the bidding program, please visit **www.viplhydro.com** regularly.
Note: DD Hydro reserves the right to cancel or modify the RFB without assigning any reason and without any liability.

पृष्ठ एक का शेष

जिस दिन भारत...

कहा कि जब एयरपोर्ट पर किसी ने मुझे यह वीडियो दिखाया तो मैं हैरान रह गया। उस वीडियो को देखकर मुझे लगा कि क्या देश में लोकतंत्र चल रहा है या देश में अभी भी मुगल या रजाकार शासन चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और सत्तारूढ़ बीआरएस समाज के एक वर्ग को खुश करने के लिए काम कर रहे हैं जैसे कि राज्य में अन्य लोगों का कोई अस्तित्व ही नहीं है। उन्होंने तेलंगाना में सरकार बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य में पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बननी चाहिए। उन्होंने इजरायल और हमास के बीच संघर्ष का जिक्र करते हुए पूछा कि क्या कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा हमास के खिलाफ बोलते हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका डर यह है कि अगर वे हमास के खिलाफ बोलेंगे तो देश के अंदर हमास उनसे नाखुश हो जाएगा। असम में बहुविवाह को समाप्त करने के लिए प्रस्तावित कानून पर उन्होंने कहा कि वे इसे अगले साल फरवरी तक लाने की योजना बना रहे हैं। शर्मा ने यह भी कहा कि अगर तेलंगाना में भाजपा सरकार बनती है तो हैदराबाद का नाम *आधे घंटे में* भाग्यनगर बदला जा सकता है, हालांकि यह अब एक कठिन काम प्रतीत होता है।

डीप फेक के ...

वैष्णव ने कहा कि डीप फेक समाज में एक नया खतरा बनकर उभरा है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि डीपफेक के खिलाफ सोशल मीडिया कंपनियां नैसकॉम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर काम कर रहे प्रोफेसर के साथ भी आज बैठक हुई। डीपफेक डॉक्टर्ड मीडिया को दर्शाता है, जिसे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग करके किसी को गलत तरीके से दिखाने की कोशिश की जाती है। इसमें डिजिटल रूप से चेहरे में हेरफेर या कई प्रकार की और एडिटिंग करके गलत चीज दिखाने की कोशिश की जाती है। हाल ही में, प्रमुख अभिनेत्रियों के साथ कई और बड़े लोगों को निशाना बनाने वाले कई *डीपफेक* वीडियो वायरल हुए थे, जिसमें रशमिका मंधाना की वीडियो पर सबसे ज्यादा बवाल हुआ था। इसके बाद पीएम मोदी ने भी इसपर चिंता जताई थी।

कन्हैया कांड असम ...

भाजपा प्रत्याशी दीया कुमारी के समर्थन में झोटवाड़ा के बोरिंग चौराहे पर रैली को संबोधित कर रहे थे। दीया कुमारी ने इस अवसर पर पच्चीस नवम्बर को भाजपा को समर्थन देने की अपील की। इसके बाद दीया कुमारी ने रोड शो किया जो पूरे विद्याधर नगर इलाके के विभिन्न मार्गों से गुजरा। बोरिंग चौराहे से शुरू हुआ रोड शो शालीमार चौराहा होता हुआ, लोहा मंडी, देवधारा होता हुआ खेतान चौराहे तक पहुंचा और इसके आगे नेशनल हैंडलूम होते हुए विद्याधर नगर के परशुराम सर्किल तक पहुंचा। शाम साढ़े चार बजे दीया कुमारी अपने प्रधान कार्यालय पहुंची और उपस्थित जनसमूह और कार्यकर्ताओं को आखिरी दो दिनों में जी-जान झोंक देने का आह्वान किया। इस मौके पर लोक जनशक्ति पार्टी के पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुढा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

पनौती, जेबकतरे पर...

घटनाक्रम सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चुनाव आयोग में दर्ज कराई गई एक शिकायत के जवाब में आया है, जिसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर चिंता व्यक्त की गई थी। भाजपा ने तर्क दिया कि ऐसी भाषा एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता के लिए *अशोभनीय* थी। इस बीच, पीएम मोदी पर निशाना साधने वाली अपनी टिप्पणी पर राहुल गांधी को चुनाव आयोग के नोटिस के जवाब में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किसी भी औपचारिक संचार को संबोधित करने के लिए पार्टी की तत्परता की पुष्टि की है। खड़गे ने कहा कि हमारे पास आने वाले किसी भी नोटिस का हम सामना करेंगे, यह पूर्व पार्टी अध्यक्ष द्वारा की गई टिप्पणियों पर चुनाव आयोग की जांच में सहयोग करने की कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नोटिस में चुनाव आयोग ने गांधी को आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों की याद दिलाते हुए इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक नेताओं को अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ असत्यापित आरोप लगाने से प्रतिबंधित किया गया है। चुनाव आयोग का हस्तक्षेप राजनीतिक चर्चा में मर्यादा बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने की उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि नेता नैतिक मानकों का खासकर चुनाव प्रचार के दौरान पालन करें। चुनावी राज्य राजस्थान में हाल की रैलियों के दौरान राहुल गांधी द्वारा पनौती और जेबकतरे जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिससे राज्य के राजनीतिक माहौल में विवाद बढ़ गया है। कारण बताओ नोटिस गांधी को चुनाव आयोग के समक्ष अपने बयानों के इरादे और संदर्भ को स्पष्ट करने का अवसर प्रदान करता है। शनिवार शाम तक आने वाली प्रतिक्रिया से इस बात पर प्रकाश पड़ने की उम्मीद है कि क्या गांधी की टिप्पणियां किसी विशिष्ट उद्देश्य से की गई थीं या वे एक बड़ी राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा थीं।

असम में हुआ होता...

एक पुलिस इंसपेक्टर को खुलेआम धमकी दी थी। इस मामले को लेकर अकबरुद्दीन ओवैसी के खिलाफ बुधवार को मामला दर्ज किया गया। वहीं, जब इस पूरे मामले को लेकर असम के मुख्यमंत्री से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अगर ये मामला असम में हुआ होता तो पांच मिनट के अंदर सेटल हो जाता। इसके साथ ही असम के सीएम शर्मा ने चुनाव आयोग से अकबरुद्दीन ओवैसी की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की। इससे पहले साउथ ईस्ट जोन के डीसीपी रोहित राजू ने बताया कि अकबरुद्दीन ओवैसी के खिलाफ आईपीसी की धारा 353 सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामला दर्ज होने के बाद अकबरुद्दीन ओवैसी ने डीसीपी और पुलिस पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा कि डीसीपी और पुलिस झूठ बोल रहे हैं। ओवैसी ने कहा कि सबसे पहले, मेरे पास पुलिस इंसपेक्टर के मंच पर आने का वीडियो फुटेज है। अगर मैं रात 10 बजे के बाद भाषण दे रहा था तो पुलिस मेरे खिलाफ मामला दर्ज कर सकती है। मगर पब्लिक मीटिंग में बाधा डालना और यह कहना कि समय समाप्त हो गया है, यह गलत है। पुलिस को ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसस, पूरा मामला ये है कि एआईएमआईएम उम्मीदवार अकबरुद्दीन ओवैसी मंगलवार की रात हैदराबाद में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान एक पुलिस इंसपेक्टर ने आचार सहिंता को ध्यान में रखते हुए उन्हें भाषण खत्म करने के लिए इशारा किया, जिस पर वो भड़क गए और इंसपेक्टर को धमकी दे डाली। उन्होंने कहा कि अभी पांच मिनट और हैं, आप चलिए यहां सेउतरिए। मुझे बोलने से कोई रोक नहीं सकता है। आप चले जाएं नहीं तो मेरे एक इशारे पर आपको यहां से दौड़ा दिया जाएगा।

राजस्थान में चुनाव ...

के लिए मतदान केंद्र हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, दूरदराज के गांवों में मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोग अपने गांव से वोट डाल सकें। यह अभियान राजस्थान राज्य में महत्व रखता है, जहां थार रेगिस्तान और अरावली रेंज से प्रभावित कठोर जलवायु परिस्थितियों के कारण कई क्षेत्र हैं। उदाहरण के लिए, सिरोही जिले में 4,921 फीट की ऊंचाई पर स्थित शेरगांव गांव में मतदान के लिए उतरज गांव जाना पड़ता था, जबकि इस बार एक समर्पित मतदान केंद्र स्थापित किया गया है। इस सेटअप में सहायता करने वाले वन रक्षक मतदान अधिकारियों के साथ स्थान तक पहुंचने के लिए घने जंगलों के माध्यम से लगभग 18 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। आजादी के बाद पहली बार अपने गांव में मतदान करने के लिए यह गांव अबू-पिंडवाड़ा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

मानव तस्करी : जोरहाट ...

दीप ट्रैवल्स नामक नाइट कोच बस वहां पहुंची, जिसकी तलाशी लेने पर उसमें सात लड़कियों के बारे में पता चला। उनसे पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि रूपरेखा शर्मा नाम की महिला ने उनके बस का टिकट कराया है और पिंकी कर्माकर के साथ वो गुवाहाटी जा रही हैं। पुलिस ने लड़कियों को अपने कब्जे में लेने के साथ पिंकी कर्माकर को हिरासत में ले ली। प्राथमिक जांच से पुलिस को संदेह है कि लड़कियों को ले जाने के पीछे मानव तस्करी गिरोह का हाथ है। परिवारों को बहला-फूसला कर उनकी लड़कियों को राज्य से बाहर ले जाने की कोशिश की जा रही थी। बहरहाल, पिंकी से पुलिस पूछताछ कर रही है। इस मामले में पुलिस ने आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

जबतक सूरज चांद ...

सनातन की राजनीति नहीं करेंगे तो पाकिस्तान में करेंगे क्या, मुख्यमंत्री ने उल्टा सवाल पूछा। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पार्टी और इसके नेताओं पर कई आरोप लगाए। एक अन्य सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राजस्थान में आज कहा कि असम में स्कूल और कॉलेज राजस्थान के लोगों की जमीन पर बनी हुई है। असम के साथ राजस्थान का पुराना नाता रहा है। मुख्यमंत्री ने आज राजस्थान में कई चुनावी कार्यक्रमों में भाग लिया।

चीन में मस्जिदों ...

पार्टी इस क्षेत्र में धर्म पर नियंत्रण कर शासन के लिए संभावित चुनौतियों को समाप्त करना चाहती है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2016 में धर्म के सिनिसाइजेशन यानी आस्थाओं को चीनी स्वरूप देने का आह्वान किया। इससे एक कार्रवाई शुरू हुई जो बड़े पैमाने पर शिनजियांग के पश्चिमी क्षेत्र पर केंद्रित है। यहां 1.1 करोड़ से अधिक उइगर और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यक निवास करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की पिछले वर्ष आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि चीन शिनजियांग में मानवता के खिलाफ अपराध करने में लगा है। वह मुस्लिम अल्पसंख्यकों को प्रशिक्षण देने व जागरूक करने के नाम पर शिविरों में यातना दे रहा है। आकलन है कि इन शिविरों में 10 लाख से अधिक उइगर, हुइ, कजाख और किर्गिज समुदाय के लोग रह रहे हैं। इस रिपोर्ट पर चीन के विदेश मंत्रालय ने कोई टिप्पणी नहीं की है। ह्यूमन राइट वॉच की चीन की कार्यवाहक निदेशक मया वांग ने कहा कि चीन सरकार दावा करती है वह उन्हीं मस्जिदों को बंद कर रही है जो धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन कर रही है।

काठमांडू में प्रदर्शन ...

स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए पुलिस को कुछ राउंड हवाई फायर और आंसू गैस के गोले का प्रयोग करना पड़ा। पुलिस प्रवक्ता ने यह भी बताया कि कुछ पुलिस वाले भी पथराव में घायल हुए हैं। राजसंस्था पुनर्बहाली के अभियान का नेतृत्व कर रहे दुर्गा प्रसाई ने कहा कि उनके 12 से अधिक समर्थकों को पुलिस लाठी चार्ज में गंभीर चोटें आई है। इससे पहले राजसंस्था पुनर्बहाली का समर्थन कर रहे लोगों ने उनके विरोध में प्रदर्शन कर रहे कम्युनिस्ट पार्टी के युवा संगठन के एक समूह पर उस समय पथराव शुरू कर दिया, जब वो अपने प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे थे। युवा संघ के नेता महेश बस्नेत ने आरोप लगाया कि पहले हमारे कार्यकर्ताओं पर अचानक पथराव किया गया। उसके बाद उत्तेजित कार्यकर्ताओं ने भी जवाबी पथराव किया। दोनों तरफ से झड़प होने पर स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पडा। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि लाठीचार्ज से स्थिति नहीं संभल रही थी। नतीजतन, भीड़ को तितर बितर करने के लिए एक दर्जन राउंड आंसू गैस के गोले दागने पड़े और करीब 18 राउंड हवाई फायर भी करना पड़ा। समाचार लिखे जाने तक काठमांडू के बल्खु, कालीमाटी, तिनकुने और कोटेश्वर सहित कई अन्य स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच रुक रुक कर झड़प होने की सूचनाएं मिल रही हैं।

मुकरोह गोलीबारी...

कि हम पहले ही एक पत्र लिख चुके हैं। असम (राज्य सरकार) ने भी ऐसा किया है। उन्होंने कहा कि गेंद अब सीबीआई के पाले में है। गोलीबारी की यह घटना पिछले साल 22 नवंबर को उस वक्त हुई जब असम वनकर्मियों ने कथित तौर पर अवैध रूप से काटी गई लकड़ियों से लदे एक ट्रक को रोकने के बाद मेघालय के मुकरोह के ग्रामीणों पर गोलीबारी की थी। हिंसा में मारे गए छह लोगों में से पांच मेघालय के निवासी थे और एक असम का वन रक्षक था। मेघालय को 1972 में असम से अलग कर एक अलग राज्य बनाया गया था और मेघालय ने असम पुनर्गठन अधिनियम, 1971 को चुनौती दी थी, जिसके कारण दोनों राज्यों के बीच 884.9 किमी लंबी सीमा के 12 क्षेत्रों में विवाद पैदा हो गया। दोनों राज्यों ने छह क्षेत्रों में सीमा विवाद सुलझाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे और शेष को हल करने के लिए बातचीत जारी है।

आठ दिसंबर तक ...

प्रदेशों को 30 जुलाई तक आदेश का पालन करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा कि इससे पहले आदेश के बावजूद कुछ राज्य और संघ शासित प्रदेशों ने उसका पालन नहीं किया है। ऐसे में कोर्ट उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू कर सकती है। कोर्ट ने सख्ती के साथ कहा कि 8 दिसंबर तक सेवानिवृत्त जजों के खाते में आदेश के मुताबिक पेंशन की रकम पहुंच जानी चाहिए।

अब संसदीय वेबसाइट...

प्रश्न प्रस्तुत नहीं कर सकता है। केवल सांसद ही अपने व्यक्तिगत लॉगिन विवरण का उपयोग करके साइट का उपयोग कर सकेंगे। सांसदों के पंजीकृत मोबाइल फोन पर एक ओटीपी (वन-टाइम पासवर्ड) आएगा और कोड दर्ज करने के बाद ही वे साइट तक पहुंच पाएंगे। लोकसभा सचिवालय ने डिजिटल संसद पोर्टल और ऐप्स से सांसदों के सचिवों और निजी सहायकों का एक्सेस डिसेबल कर दिया है। नियमों में बदलाव तब आया जब भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्राई के पत्र का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि महुआ मोइत्रा ने संसद में सवाल पूछने के लिए व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से रिश्वत ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को संसदीय कार्यों पर एक सरकारी बुलेटिन का एक अंश साझा करके तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर ताजा हमला किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि यह है लोकसभा का आदेश, जो साफ़ कहता है कि गोपनीयता का मतलब सूचना केवल और केवल सांसद तक सीमित रहे। क्योंकि सांसद जब प्रश्न पूछते हैं तो संसद शुरू होने के एक घंटा पहले उत्तर सांसद को मिलता है, इससे शेयर मार्केट, कम्पनी की स्थिति में उतार चढ़ाव, देश की सुरक्षा में सेंध, दूसरे देशों के साथ अपने सम्बन्धों पर समय से पहले जानकारी मिल जाने पर आर्थिक, सुरक्षा से खिलवाड़। आरोपी भ्रष्टाचारी सांसद को शायद हीरानंदानी जैसे पीए ने यह पढ़कर नहीं बताया ? चोरी व सीनाजोरी का उदाहरण। टीएमसी सांसद पर व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी को पैसे और उपहारों के बदले समर्पित ऑनलाइन पोर्टल पर सीधे संसद प्रश्न पोस्ट करने की अनुमति देने का आरोप है। यह मुद्दा सबसे पहले दुबे ने उठाया था और उन्होंने शिकायत दर्ज कर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से इसकी जांच शुरू करने की मांग की थी। इसके बाद लोकसभा आचार समिति ने जांच शुरू कर दी, जिसने हाल ही में सांसद के रूप में मोइत्रा को निष्कासित करने की सिफारिश की है। जांच के बीच, हीरानंदानी ने मोइत्रा के लॉगिन विवरण का उपयोग करने पर सहमति व्यक्त की और इसे निर्णय की एक पागल गलती और बेहद अफसोसजनक बताया। इस बीच, कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र के सांसद ने दावा किया कि लॉगिन क्रेडेंशियल साझा करने के संबंध में कोई विनियमन नहीं है।

हलाल पर योगी ...

मुस्लिमों का कहना है कि उत्पाद हलाल है या नहीं, इसे सिद्ध नहीं किया जा सकता। यदि किसी उत्पाद पर हलाल लिखा तो मुस्लिम उसकी जांच कराकर यह पता नहीं लगा सकते हैं कि वह हलाल है या हराम। भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण इसका प्रमाणन जारी नहीं करता। मुस्लिमों का कहना है कि हलाल प्रमाणन केवल कथित विश्वास पर टिका हुआ, मुस्लिमों को ठगने का कारोबार भर है। इससे मुस्लिमों को गुमराह किया जा रहा है। यह कार्रवाई पहले से की जानी चाहिए थी। मुस्लिम कारोबारी भी प्रतिबंध के समर्थन में आ गए हैं। कारोबारी हाजी जमालुद्दीन ने बताया कि कई कंपनियों ने प्रतिदिन प्रयोग होने वाले उत्पादों पर भी हलाल प्रमाणन लिख दिया है। दाल और चावल के पैकेट पर भी हलाल लिख दिया गया है। यह बिल्कुल गलत है। इस पर उत्तर प्रदेश के साथ ही पूरे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए, ताकि मुस्लिमों को ठगी से बचाया जा सके। महाराजपुर जामा मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल वाहिद ने बताया कि किसी भी उत्पाद पर हलाल लिख देना गलत है। हमें तो पता ही नहीं था कि कंपनियां चावल व आटे तक पर हलाल प्रमाणन लिख रही हैं। यह तो हैरान करने वाली बात है। इस तरह की प्रमाणन तो संभव ही नहीं है। इस पर रोक उचित है। मुस्लिम महासभा के प्रदेश प्रभारी हाजी नाजिम खान का कहना है कि हलाल प्रमाणन उत्पादों पर प्रतिबंध पूरे देश में लगना चाहिए। हलाल अरबी शब्द है। इसका अर्थ है वैध। हलाल के दायरे में मुख्य रूप से खाद्य पदार्थ आते हैं। हराम भी अरबी शब्द है और इसका अर्थ है अवैध। शराब, बिना आयत पढ़े मृत पशु, रक्त और इसके उत्पाद, सूअर का मांस और झटके का मांस हराम है।

हताश कांग्रेस के पास एकमात्र दुष्प्रचार का सहारा : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि चुनाव में लगातार हो रही पराजय को लेकर हताश हो चुकी कांग्रेस के पास अब एकमात्र सहारा दुष्प्रचार का रह गया है। दुष्प्रचार के जरिए कांग्रेस नेता जनता को भ्रमित करने में लगे हुए हैं। यही वजह है की असम पुलिस के सेवा सेतु के तहत सेवाएं देने के लिए लगाए गए फीस को टैक्स बताकर कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा कांग्रेस के विधायक दल के नेता देवव्रत सैकिया समेत अनेक नेता झूठ का प्रचार करने में लगे हुए हैं। पार्टी प्रवक्ता मनोज बरुवा आज प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। संवाददाता सम्मेलन के दौरान पार्टी के प्रदेश मीडिया संयोजक देवान ध्रुव ज्योति मोरल तथा कमलपुर के भाजपा विधायक

दिगंत कलिता भी मौजूद थे। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि छह दशक तक राज्य में शासन करने वाली कांग्रेस को सरकार में रहते हुए असम की कला संस्कृति नहीं दिखी थी। विपक्ष में बैठने के साथ ही असम की कला संस्कृति को लेकर कांग्रेस के नेता चिंतित हो गए। उन्होंने कहा कि भाजपा की जब से राज्य में सरकार बनी है असम की कला संस्कृति को आसमान में पहुंचाने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य की बिहू आयोजन समितियों को डेढ़ लाख रुपए, रास महोत्सव आयोजित करने वाली समितियां को 25 हजार, दुर्गा पूजा का आयोजन करने वाली समितियों को 10 हजार रुपए आदि वार्षिक सहायता सरकार द्वारा देने की व्यवस्था की गई है। भाजपा नेता बरुवा ने कहा कि राज्य के नामघरों, मंदिरों मठों आदि की स्थिति भाजपा सरकार के कार्यकाल में अच्छी हुई है। असम की पहचान बिहू नृत्य को विश्व स्तर पर पहुंचाने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया गया। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस के इस आरोप को हास्यास्पद बताया जिसमें कहा गया है कि राज्य की वित्तीय अवस्था को सुधारने के लिए असम पुलिस के सेवा सेतु पोर्टल के जरिए सेवा देने पर कर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस नेताओं को याद करना चाहिए कि कांग्रेस के शासनकाल में किस तरह जहां-तहां गली-कूचों में बांस आदि का गेट लगाकर लोगों से रुपए वसूल किये जाते थे। उन्होंने कहा कि असम की जनता ने कांग्रेस के इन कृतियों के लिए उसे अच्छी तरह सबक सिखा दिया था। आने वाले समय में कांग्रेस की हालत और खराब होने जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति को सुधारने की बात कांग्रेस के मुंह से सुनकर ठीक नहीं लगता है। भाजपा नेता ने आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा और कांग्रेस के प्रतिपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया द्वारा आज दिए गए बयान को अत्यंत हास्यापद बताया।

कांग्रेस शासित प्रदेशों में सेवा फीस असम से ज्यादा : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के सूचना जन-संपर्क, जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि राजस्थान आदि कांग्रेस शासित प्रदेशों में सेवा संबंधी फीस की दर असम से कहीं ज्यादा है। उन्होंने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में इस मामले पर तुलनात्मक तथ्य प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि जिन सेवाओं के बदले फीस निर्धारित की गई है, उनमें से कई फीस पहले से ही लगी हुई है। सरकार ने किसी भी प्रकार से कोई नया टैक्स नहीं लगाया है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा को खुली चुनौती है कि वे सीधे-सीधे डिबेट में उनके साथ बैठें। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि कांग्रेस की कभी सरकार ही नहीं आएगी तो लोगों को फीस के पैसे कहां से लौटाएगी। मंत्री ने कहा कि यदि सरकार को टैक्स वसूल करना होता तो बहुत सारे टैक्स

वसूलने के रास्ते हैं, जिनसे वसूला जा सकता था। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार जनता की सरकार है, यदि लोगों को कहीं कोई फीस चुकाने में दिक्कत आएगी तो उसके लिए भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्तिगत कार्यक्रम या राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें पुलिस की सेवाएं आवश्यक होती है- ऐसे में निश्चित रूप से पुलिस को उन सेवाओं के एवज में कुछ पैसे चुकाने चाहिए। इसमें कहीं कोई बुराई नहीं है। संवाददाता सम्मेलन के दौरान मंत्री हजारिका ने कांग्रेस पार्टी और इसके नेताओं पर कई अन्य आरोप भी लगाए।

आरपीएफ की टीम ने मानव तस्कर को किया गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। रंगापाड़ा आरपीएफ ने ट्रेन संख्या 15818 डोनी पोलो इंटरसिटी एक्सप्रेस से एक मानव तस्कर को गिरफ्तार किया। रंगापाड़ा आरपीएफ के इंस्पेक्टर एसए खान के नेतृत्व में हारमोती और बिश्वनाथ चाराली स्टेशन के बीच रेलवे पुलिस की स्कार्ट पार्टी ने अरुणाचल प्रदेश के कुरुगंकुमे जिला निवासी घर से लापता हुई तेरह वर्षीय एक युवती को असम के होजाई जिला निवासी दिलवार हुसैन (23) नामक युवक को अपनी हिरासत में लेकर रंगापाड़ा रेलवे आरपीएफ को सौंप दिया।

आलोपति में अबू बहार तहफीजुल कुरान मदरसे की वार्षिक धर्म सभा की तैयारी

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के तहत आलोपति में अबू बहार तहफीजुल कुरान मदरसे की 19 वीं वार्षिक धर्म सभा अन्य वर्षों की तरह 21 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां चल रही हैं। इस मौके पर मदरसे के शासी निकाय के अध्यक्ष जलिम उद्दीन अहमद की अध्यक्षता में पहले से ही अपने कार्यालय परिसर में आयोजित एक आम बैठक में धर्म सभा को सुचारू रूप से संचालित करना के लिए अबू बक्का अध्यक्ष, सिराजुल हक और जैनुद्दीन अहमद महासचिव और अल्हाज अब्दुल कादिर मुख्य सलाहकार के रूप में, 100 सदस्यों वाली स्वागत समिति धर्म सभा के लिए अपनी तैयारी जारी रखे हुए है। बैठक में गोवालपाड़ा के मौलाना शाहजहां अली के साथ आलोपती क्षेत्रीय ईदगाह के इमाम मुफ्ती फारूक हसन अल कासिमी, लुइतपारिया कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. अताउर रहमान, नवागत शिमलीटोला क्षेत्रीय जामे मस्जिद के इमाम मौलाना नूर हुसैन अतिथि होंगे।

सेंट विवेकानंद इंग्लिश अकादमी में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय एमयूएन सम्मेलन संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के मालीगांव स्थित सेंट विवेकानंद इंग्लिश अकादमी में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय एमयूएन सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का समापन गुरुवार की रात को हुआ। नॉर्थ ईस्ट में यह पहला एमयूएन सम्मेलन का आयोजन हुआ था। एमयूएन एक वास्तविक संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का अनुकरण है जहां छात्रों को एक उपयुक्त संकल्प पारित करने के लिए अनुसंधान, प्रारूपण और बहस के माध्यम से एक आवश्यक मुद्दे को हल करने का काम सौंपा जाता है। इस सम्मेलन में बांग्लादेश तथा विभिन्न विद्यालय के 182 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत विद्यालय की प्राचार्य मित्रा सोम साहा द्वारा स्वागत भाषण से किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय निरीक्षक कामरूप (मेट्रो) दीपिका चौधरी ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए एक मॉडल यूनाइटेड नेशंस एमयूएन सम्मेलन वैश्विक क्षेत्र में एक आदर्श कदम के रूप में कार्य करता है। इस कार्यक्रम में लोक सभा, असम विधान सभा इंटरनेशनल प्रेस कॉर्प्स आदि विभिन्न विषय को लेकर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों ने अपनी शोध और विश्लेषणात्मक कौशल, अपने सार्वजनिक बोलने की कौशल, अपने पारस्परिक कौशल, अपने नेतृत्व कौशल, अपनी सांस्कृतिक जागरूकता और संवेदनशीलता और वैश्विक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।

रंगिया : विद्यालय की पक्की दीवाल और तोरण द्वार का उद्घाटन

रंगिया (विभास)। रंगिया 29 नंबर मुरारा बालिका प्राथमिक विद्यालय में नवनिर्मित पक्की दीवाल और तोरण द्वार का बृहस्पतिवार को आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया गया। विद्यालय परिसर के सामने की ओर बनाई गई कंक्रीट की पक्की दीवाल और तोरण द्वार का उद्घाटन कामरूप जिले के शिक्षा अधिकारी अपूर्व ठाकुरिया और सेवानिवृत्त अध्यापक तथा दानदाता पविन कलिता द्वारा मांगलिक कार्यक्रम के बीच सुबह 11 बजे किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधान शिक्षक अजान बैश्य के मंच संचालन में विद्यालय प्रांगण में एक खुली सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर दीवाल और तोरण द्वार के दाता रंगिया मुरारा निवासी व समाजिक कार्यकर्ता तथा सेवानिवृत्त अध्यापक पविन कलिता को विशेष रूप से फुलाम गामोछा, जापी, मानपत्र, दुपट्टा भेंट कर विद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में कामरूप जिले के विद्यालय निरीक्षक अपूर्व ठाकुरिया के अलावा रंगिया पौरसभा के उपाध्यक्ष विद्युत डेका, विशिष्ठ नागरिक पविन कलिता, भवेन कलिता और शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, कर्मचारी, अभिभावक तथा बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्याम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में नगर में श्याम निशान यात्रा निकाली गई

गुवाहाटी (विभास)। खाटू नरेश श्याम बाबा के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आज गुवाहाटी नगर के विभिन्न क्षेत्र में श्याम निशान यात्रा निकाली गई। जो छत्रीबाड़ी स्थित श्याम मंदिर में समापन की गई। इस अवसर पर गांधी बस्ती स्थित शुभम एलिट आस्था परिवार के 31 सदस्यीय श्रद्धालुओं के समूह ने शुभम एलिट से श्याम बाबा की निशान यात्रा जयकारा के साथ निकली। जो गुवाहाटी क्लब, पान बाजार फ्लाईओवर, एटी रोड होते हुए छत्रीबाड़ी स्थित श्याम मंदिर में समापन हुई। श्याम मंदिर में भजन कीर्तन के पश्चात कलाकंद का केक काट कर भक्तों के बीच वितरित

किया गया। दूसरी ओर श्याम युवा मित्र मंडल द्वारा श्याम जन्मोत्सव के उपलक्ष में गुवाहाटी गौशाला से श्याम मंदिर तक निशान यात्रा निकाली गई। जिसमें 300 से भी अधिक पुरुष महिलाओं, युवक युवतियों ने भाग लिया।निशान यात्रा में श्याम बाबा के शीश को एक पालकी पर सुसज्जित कर विराजमान कराया गया। तत्पश्चात भक्तों ने पूजा अर्चना कर पालकी को निशान यात्रा के साथ नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई श्याम मंदिर पहुंची। रास्ते में छत्रीबाड़ी ट्रांस वीला में श्याम बाबा के शीश का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया एवं आरती उतारी गई। श्याम मंदिर के पुजारी पंडित गोपाल शर्मा ने बताया कि कार्तिक एकादशी के उपलक्ष्य में आज श्याम बाबा का जन्मोत्सव कई कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। जिसमें प्रात: ज्योत प्रज्वलित कर कीर्तन किया गया एवं श्याम निशान यात्रा की अगवानी की गई। दूसरे दिन द्वादशी के उपलक्ष्य में प्रात: 10 बजे ज्योति प्रज्वलित कर शाम को भजन संध्या आयोजित की गई। जिसमें श्याम मित्र मंडल के सदस्यों ने भजन प्रस्तुत किया।

कराईखैती गांव के मुखिया इदरीस अली का निधन

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले में चेंगा राजस्व सर्कल अधिकारी के कार्यालय के तहत स्वर्गीय कराईखैती गांव के बुजुर्ग बिनत अली के बेटे और अब गांव के ग्राम प्रधान इदरीस अली का आज सुबह निधन हो गया। यह पता चला है कि ग्राम प्रमुख इद्रीस अली (45)का कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के नगरबेरा में एक अस्थायी आवास में2 आज सुबह लगभग छह बजे निधन हो गया, जबकि लंबे समय से एक लाइलाज कैंसर का इलाज चल रहा था।

ड्रोन प्रदर्शन कर पूर्वोत्तर में कृषि पुनर्जागरण करने में जुटा बीवीएफसीएल

गुवाहाटी (विभास)। नवाचार और सदियों पुरानी कृषि परंपराओं के बीच एक सामंजस्यपूर्ण यात्रा पर निकलते हुए, ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) के अधिकारी असम, मेघालय, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश सहित उत्तर पूर्वी राज्यों में ड्रोन प्रदर्शन कर कृषि पुनर्जागरण करने में जुटे है। यह गहन जुड़ाव गांवों में ड्रोन प्रदर्शन के मनोरम दृश्य के पहले और बाद में भी सामने आया, जो कि विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) का एक अभिन्न पहलू है। बीवीएफसीएल के प्रतिनिधियों ने न केवल स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की, बल्कि जैव उर्वरकों की परिवर्तनकारी क्षमता का भी अनावरण किया, साथ ही नैनो यूरिया का छिड़काव करने वाला एक अभूतपूर्व ड्रोन प्रदर्शन भी किया – जो कृषि परिदृश्य को आकार देने वाले अत्याधुनिक नवाचारों का एक प्रतीक है। इस महत्वपूर्ण पहल ने ग्रामीणों के दिल में जड़ें जमा लीं, जो पूरे क्षेत्र में टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए बीवीएफसीएल की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। गहन विशेषज्ञता से लैस, बीवीएफसीएल प्रतिनिधि उत्साहपूर्वक समुदाय के साथ जुड़े हुए हैं, मिट्टी के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में जैव उर्वरकों की सर्वोपरि

भूमिका पर प्रकाश डाल रहे हैं। इन ज्ञानवर्धक सत्रों के दौरान, बीवीएफसीएल के प्रतिनिधियों ने जैवउर्वरकों के पारिस्थितिक गुणों पर चर्चा की और पर्यावरणीय रूप से खतरनाक रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इन गतिविधियों का उद्देश्य न केवल किसानों को शिक्षित करना है, बल्कि एक सामंजस्यपूर्ण और टिकाऊ विकल्प के रूप में जैवउर्वरकों को अपनाने के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है। इन प्रयासों के साथ, अधिकारियों ने सम्मानित प्रधानमंत्री की प्रणाम योजना (धरती माता की पुनर्स्थापना, जागरूकता, पोषण और सुधार के लिए कार्यक्रम) पर ध्यान दिया। इस दूरदर्शी योजना के तहत, सरकार राज्यों को रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने के व्यापक लक्ष्य के साथ वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करती है। ये बातचीत एक प्रवेश द्वार बन गई, जो स्थानीय समुदायों को राष्ट्रव्यापी पहल से जोड़ती है, और सरकार द्वारा समर्थित टिकाऊ कृषि प्रथाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। इन गतिविधियों का सार मनमोहक ड्रोन प्रदर्शनों के दौरान सामने आया, जहां नैनो यूरिया के रूप में जैव उर्वरकों को अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक के माध्यम से कलात्मक रूप से फैलाया गया। बीवीएफसीएल के अधिकारियों ने इस नवोन्मेषी दृष्टिकोण के कई फायदों के बारे में विस्तार से बताया – पोषक तत्व वितरण में सटीकता, कम से कम बर्बादी और बढ़ी हुई फसल की पैदावार। प्रदर्शनों के दृश्य ने पारंपरिक कृषि ज्ञान और आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी के अग्रणी के बीच एक सामंजस्यपूर्ण जोड़ को दर्शाया, जो कि प्रणाम योजना के मूल उद्देश्यों के अनुरूप है। स्थानीय लोगों, जिनमें किसान और ग्रामीण भी शामिल थे, ने इन चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया, उनकी जिज्ञासा और उत्साह स्पष्ट था। नैनो यूरिया छिड़कने के शानदार प्रदर्शन के साथ ड्रोन प्रदर्शन, न केवल एक तकनीकी चमत्कार था बल्कि समुदाय के लिए उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने का एक अवसर था। यह सामूहिक दृष्टिकोण खेती के तरीकों को फिर से परिभाषित करने, बढ़ी हुई पैदावार और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने की क्षमता रखता है। बीवीएफसीएल की आउटरीच पहल, पीएम-प्रणाम योजना को गति देते हुए, सूचना प्रसार से आगे निकल गई, इसने निगम और कृषक समुदायों के बीच एक सहयोगी बंधन बनाया। इस पहल ने टिकाऊ कृषि, पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और पूरे क्षेत्र में कृषि उन्नति को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय पहलों के साथ सामंजस्यपूर्ण संरेखण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। जैसे-जैसे ड्रोन प्रदर्शनों के परिवर्तनकारी प्रभाव की प्रत्याशा बढ़ती है।

कोकराझाड़ जिला आयुक्त कार्यालय में जलसेवा अवार्ड वितरण कार्यक्रम

कोकराझाड़ (विभास)। जिले के जिला आयुक्त के कार्यालय के सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) के सौजन्य से आज नवंबर माह के लिए जलसेवा अवार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से शुरू इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला आयुक्त पीके द्विवेदी, गोसाईगांव के महकमा ए सैकिया, जिला डिवीजन पीएचई) समीन्दर सरगयारी, गोसाईगांव डिवीजन के पीएचई अधिकारी सुपेश्वर ब्रह्म, सोशल वेलफेयर अधिकारी जिंटू फुकन सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यकर्म में जिला आयुक्त ने बेस्ट जल मित्र चिन्मय कोच, बेस्ट वॉटर यूजर कमीटी फकीराग्राम पुरानबाजार यूजर कमिटी, बेस्ट विसीडीसी जयंत सोरेन, बेस्ट कॉन्टेक्टर राहुल शर्मा, बेस्ट एडब्लूसी उमा रानी ब्रह्म सहित 10 लोगों को बेस्ट अवार्ड से सम्मानित किए। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत में जिला आयुक्त ने कहा कि जल जीवन बोर्ड ने विभिन्न केटेगोरी में जो अच्छा काम किया है, जिसके चलते आज उन्हें सम्मानित किए जा रहे हैं।

कामरूप ग्रामीण क्षेत्रों के लिए दो गोदरेज एंबुलेंस सेवाएं

रंगिया (विभास)। गोदरेज प्रतिष्ठान की ओर से आज कामरूप जिले को दो एंबुलेंस प्रदान की गई। संस्थान की सामाजिक जिम्मेदारी योजना के तहत 40 लाख रुपए की लागत से दोनों एंबुलेंस आधिकारिक तौर पर आज कामरूप जिला प्रशासन को सौंपी गई। इस मौके पर अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला उपायुक्त में आयोजित कार्यक्रम में गोदरेज कंज्यूमर प्रातिष्ठान के उत्तर पूर्व क्षेत्र के महाप्रबंधक संदेश बरवणकार ने आधिकारिक तौर पर जिला आयुक्त को दो एंबुलेंस सौंपी। उन्होंने कहा कि उनके प्रातिष्ठान ने पहले भी ऑक्सीजन कनसेंट्रेटर की व्यवस्था करने के साथ ही अन्य विभिन्न उपायों से सरकार तथा जनता के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि चूंकि उनके पास कामरूप जिले में एक उत्पादन समूह है, इसलिए वे भविष्य में भी मदद के लिए हाथ बढ़ाने के आग्रही है। समारोह में उपस्थित जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने संस्थान की इस उदारता के लिए उनकी सराहना की। इस अवसर पर गोदरेज कंज्यूमर इंस्टीट्यूट उत्तर पूर्व क्षेत्र मानव संसाधन विभाग की उप महाप्रबंधक बरनाली पाटगिरी हजारिका, संयुक्त स्वास्थ्य संचालक डॉ. महितोष बनर्जी और जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा भी उपस्थित थे। बताया गया कि जिले के ग्रामीण इलाकों के लोगों की सुविधा के लिए दोनों एंबुलेंस को नगरबेड़ा और बिहदिया खंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रखा जाएगा।

नगांव में श्री श्याम बाबा की निशान यात्रा संपन्न

नगांव (निसं)। कलयुग के अवतार श्री श्याम प्रभु के जन्मोत्सव के उत्सव पर श्री श्याम परिवार, नगांव के तत्वाधान में पुरानी गोदाम दुर्गा मंदिर से श्री श्याम धाम, नगांव तक एक विशाल निशान यात्रा निकाली गई। इस 15 कि. मि. की पैदल निशान यात्रा में सैकड़ों की संख्या में भक्तगण अपने हाथो में ध्वजा लेकर श्री श्याम बाबा की भक्ति में मगन होकर नाचते झूमते हुए चले जा रहे थे। कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन सुबह 7 बजे सभी भक्तगण पुरानी गोदाम दुर्गा मंदिर पहुंच गए। वहां से सभी भक्तों ने श्री श्याम बाबा के जयकारों के साथ ज्योत प्रज्वलित कर, निशान की पुजा अर्चना कर यात्रा प्रारम्भ की। यात्रा में श्याम बाबा फूलों से स्वजित रथ पर सवार होकर भक्तों के साथ साथ चल रहे थे। प्राचीन लोक मान्यताओं अनुसार श्री श्याम प्रभु को निशान चढ़ाने से बाबा हर मनोकामनाएं पुर्ण करते हैं। यात्रा के दोरान बीच रास्ते में विश्राम के

लिए कुल चार पड़ाव निर्धारित किये गये थे, उड़ियागांव पेट्रोल पंप, महामृत्युंजय मंदिर गेट, जिसमें मुख्य पड़ाव बजरंग कार वर्ल्ड, डिमलुगुड़ी (कपिली होस्पिटल के सामने) जहां विश्राम के साथ भोजन एंव व्रत धारियों के लिए फलाहार की व्यवस्था की गई थी। साथ ही यहां समाज के लोगों के लिए भी प्रसाद की व्यवस्था की गई। पड़ाव पर भोजन के साथ बाबा श्याम के भजनों व धमालो का भी समागम सुर-तालों के साथ किया था। यात्रा के दौरान मुरादाबाद (उ. प्र) फेम ओफ इंडिया गोट टेलेंट के राहुल कुमार एंव टीम के कलाकारों द्वारा सजिव झांकीयों का विशेष प्रदर्शन किया गया। जिसे देखने के लिए सड़कों पर लोगो का हुजूम लगा रहा। रंग-बिरंगी आसमान को छुती हुई आतिशबाजी एंव ढोल नगाड़ो के साथ यात्रा श्री श्याम धाम, नगांव पहुंची और इस वक्त मंदिर परिसर श्री श्याम बाबा के जयकारो से गुंजायमान हो गया। अज श्री श्याम बाबा के जन्मोत्सव के उपलक्ष में श्री श्याम धाम मंदिर परिसर को आकर्षक रूप में सजाया गया और ज्योत प्रज्वलित की गई जिससे मंदिर आने वाले भक्तो ने ज्योत में आहुति प्रदान कर श्रद्धा की हाजरी लगाई। इस निशान यात्रा को सफल बनाने में राहुल भजनका, अशोक वर्मा, विनोद भजनका, प्रवीण मोर, अनुराग खेडिया, संजय पोद्दार, पल्लवी भजनका, वन्दना माहेश्वरी, सुनीता भजनका, आशा बजाज के साथ सभी श्री श्याम परिवार के सदस्यों का सहयोग रहा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में राज्य की जनता भाजपा को देगी प्रचंड बहुमत : अमित शाह

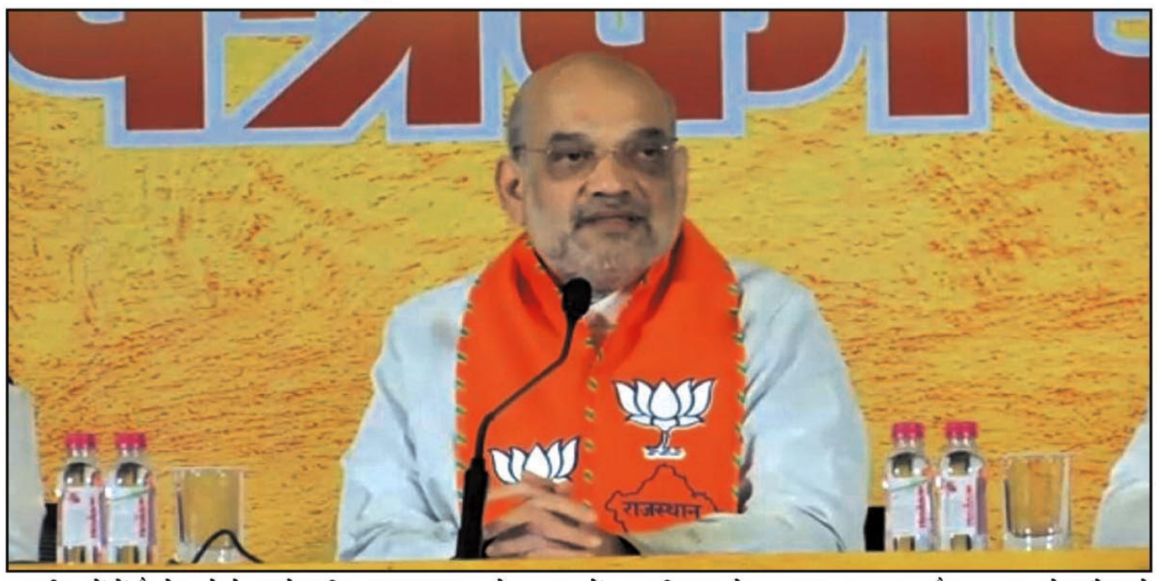

जयपुर, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान की जनता उन्हें प्रचंड बहुमत देने के लिए खड़ी है। यहां सभी रिकॉर्ड तोड़कर भाजपा की सरकार बनेगी। देशभर में प्रचलित ओल्ड पेंशन स्कीम पर वे बोले कि ओपीएस को लेकर भी कमेटी बनायी है। यहां पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि राजस्थान में पिछले पांच साल में प्रतिदिन 19 मामले सामने आए हैं। यहां 35 हजार से ज्यादा दुष्कर्म की घटनाएं दर्ज हुई हैं। देशभर में रेप के केसों में यहां 22 प्रतिशत मामले हैं, फिर भी अशोक गहलोत सरकार के कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। महिलाएं एकजुट होकर अशोक गहलोत के खिलाफ और नरेंद्र मोदी के साथ नजर आ रही हैं। साथ ही राजस्थान में 19 हजार से ज्यादा किसानों की भूमि को नीलाम किया। किसानों से कर्ज माफी का वादा करके आई गहलोत सरकार पांच साल में 5 प्रतिशत किसानों का भी कर्ज माफ नहीं कर पाई। किसान गहलोत सरकार के खिलाफ भाजपा के साथ लामबंद होकर खड़े हैं। यहां दर्जनों किसान आत्महत्या कर चुके हैं। इसके अलावा राज्य में भर्तियों में पेपरलीक के मामले में एक प्रकार से सारे रिकॉर्ड तोड़ गए। पूरे देशभर में 3 साल में 15 से ज्यादा पेपरलीक के मामले कहीं नहीं देखे गए। करीब 40 लाख से ज्यादा युवा अभ्यर्थी इन परीक्षाओं में बैठने वाले थे। उनके भविष्य को गहलोत सरकार ने बर्बाद किया है। यहां तक कि इन मामलों की सही जांच नहीं करवाई गई है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने यह भी कहा कि पीएम मोदी ने देश को सुरक्षित किया है, समृद्ध किया है, अर्थव्यवस्था को 5वें नंबर पर लेकर आएं, तिरंगा चंद्रमा पर लहराया। गृहमंत्री अमित शाह ने सचिन पायलट को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि गहलोत साहब का चश्मा ही जाति का है।

मगर गहलोत साहब सचिन के लिए दो अच्छे वाक्य बोले दें बस। गुजराती राजस्थान में आकर मारवाड़ी को हराना चाहते हैं के सवाल पर कहा, यहां की सभी सीटों पर केवल राजस्थान के बेटे-बेटियां ही चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जब-जब मोदी जी का अपमान हुआ है, तब जनता ने कांग्रेस को जवाब दिया है। अशोक गहलोत की खुद की कोई गारंटी नहीं हैं वो क्या गारंटी देंगे। शाह ने कहा कि हमारे लिए तो बहुत अच्छा है कि अशोक गहलोत के चेहरे पर चुनाव हो, हमें ये सूट करता है। गहलोत साहब का एकमात्र एजेंडा वैभव गहलोत को मुख्यमंत्री के तौर पर लांच करने का है।

पीएम ने कहा राजस्थानवासी कह रहे...गहलोत जी, कोनी मिलै वोट जी

प्रचार अभियान के अंतिम दिन भाजपा की झौंकी ताकत

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव के प्रचार का गुरुवार को आखिरी दिन है। गुरुवार शाम को प्रचार अभियान थमेगा। इस कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के राजसमंद जिले के देवगढ़ में जनसभा करने पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बहुत से लोग हैं, जो भाजपा की ताकत को जानते ही नहीं हैं, उन्हें लगता है कि मोदी को गाली देने से उनकी गाड़ी चल जाएगी। लेकिन उन्हें पता नहीं है कि ये ऐसी पार्टी है, इस कार्यकताओं ने अपने खून-पसीने से बनाया है। ये पार्टी ऐसी है, जिसमें चार-चार पीढ़ियां खप गई हैं और एक ही सपना लेकर केब्बभारत माता की जय। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, राजस्थान ने आज तक इससे बड़ी महिला विरोधी सरकार नहीं देखी है। पीएम मोदी ने कहा कि समृद्ध, सुरक्षित और विकसित राजस्थान के लिए मेरे परिवारजन 25 नवंबर को भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि आज चुनाव अभियान की आखिरी सभा देवगढ़ में हो रही है। गुरुवार को देवोत्थान एकादशी भी है, आज तुलसी विवाह का पर्व है, आज श्री खाटू श्याम जी की जन्मोत्सव का पावन पर्व है। मैं देश के लोगों को, 140 करोड़ देश-ावासियों की तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। पीएम मोदी ने कहा, आज राजस्थान में बहुत सारी शादियां हैं और इन शादियों के कारण इलेक्शन कमीशन ने चुनाव की तिथि बदल दी, ताकि शादियों में रुकावट न आए। इसके बाद राजस्थान की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि पूरी जिम्मेदारी के साथ मतदान करे। पिछले चुनाव के मतदान से ज्यादा वोटिंग होनी चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, ह्यराजस्थान के इस चुनाव में हमारी माताओं, बहनों और बेटियों ने जिस प्रकार से भाजपा का झंडा उठा लिया है, वहां काबिले-तारीफ है। आज राजस्थान में हर तरफ से एक ही बात सुनाई देती है, गहलोत जी, कोनी मिलै वोट जी।

वित्त मंत्री ने साइबर धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए लोगों को जागरूक करने पर दिया जोर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि साइबर धोखाधड़ी के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने और घोटालेबाजों को सिस्टम से खिलवाड़ करने से रोकने के लिए तकनीक की बागडोर अपने हाथों में लेने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने यहां डिजिटल एक्सेलेरेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन एक्सपो (डीएटीई) कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि लोगों को फोन या एसएमएस (संदेश) के जरिए निशाना बनाए जाने वाले साइबर धोखाधड़ी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार समय-समय पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की समीक्षा करती है। उन्होंने कहा कि बैंक नियामक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) अपनी स्वयं की प्रणाली की समीक्षा करता है। बीमा कंपनियां भी अपनी प्रणाली की समीक्षा करती हैं। उन्होंने कहा कि हम लगातार वही कर रहे हैं, जिसकी जरूरत है। जब तक जागरूकता नहीं आएगी, जब तक हम लोगों के मन में यह सतर्कता पैदा नहीं करेंगे कि उन्हें फोन पर कही गई किसी भी बात पर नहीं चलना चाहिए, तब तक खतरा रहेगा। सीतारमण ने कहा कि भारत बदलाव के दौर से गुजर रहा है। हम एक ऐसे मुकाम पर हैं, जहां हम पहले की तुलना में अब पूरी तरह डिजिटल हो रहे हैं।

चीनी कंपनी वीवो से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 4 आरोपितों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ी

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने चीनी स्मार्टफोन कंपनी वीवो से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के चार आरोपितों की न्यायिक हिरासत 14 दिन के लिए बढ़ा दी है। चारों की आज न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने जिन आरोपितों की न्यायिक हिरासत बढ़ाई है, उनमें वीवो के मैनेजिंग डायरेक्टर हरिओम राय, चीनी नागरिक गुआंगवेन ऊर्फ एंड्रयू कुआंग, सीए नितिन गर्ग और राजन मलिक शामिल हैं। मैनेजिंग डायरेक्टर हरिओम राय ने पटियाला हाउस कोर्ट में जमानत याचिका दायर कर रखी है। हरिओम राय की जमानत याचिका पर कोर्ट ने 18 नवंबर को ईडी को नोटिस जारी किया था।

ईडी ने चारों आरोपितों को 10 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। ईडी ने इस मामले में 2022 में देशभर में फैले वीवो कंपनी के 48 जगहों पर छापा मारा था। ईडी ने वीवो कंपनी से जुड़ी 23 कंपनियों पर भी छापा मारा था।

रामलीला मैदान में सभा को लेकर हाईकोर्ट ने केंद्र दिल्ली पुलिस और नगर निगम से मांगा जवाब

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने चार दिसंबर को रामलीला मैदान में एक बड़ी सभा आयोजित करने के लिए एक संगठन को अनुमति देने की मांग वाली याचिका पर बुधवार को केंद्र, दिल्ली पुलिस और दिल्ली नगर निगम से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ के समक्ष दिल्ली पुलिस की तरफ से पेश अधिवक्ता ने अरुण पंवार ने पीठ को बताया कि चार दिसंबर को कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एनओसी के संबंध में आवेदन पर विचार किया गया है, लेकिन अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सका। उन्होंने बताया कि मध्य जिले को तीन दिसंबर से पांच दिसंबर तक रामलीला मैदान में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए महात्यागी सेवा संस्थान की ओर से आठ नवंबर को आवेदन प्राप्त हुआ है। अधिवक्ता ने कहा कि महात्यागी सेवा संस्थान को चार दिसंबर के लिए पहले ही एनओसी दी जा चुकी है, इसलिए उसी तारीख के लिए किसी अन्य आवेदन पर विचार करना संभव नहीं है। अदालत ने पुलिस से दूसरे संगठन के आवेदन की प्रति और यह कब प्राप्त हुआ सहित संबंधित रिकॉर्ड पेश करने को कहा। पीठ ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए 24 नवंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया। याचिकाकर्ता चार दिसंबर को रामलीला मैदान में अखिल भारतीय मुस्लिम महापंचायत कार्यक्रम के आयोजन के लिए एनओसी की मांग करने वाले अपने आवेदन पर मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त द्वारा निर्णय लंबित करने से व्यथित है। याचिक-ाकर्ता संगठन ने पहले 29 अक्टूबर को एक सामूहिक बैठक बुलाई थी जिसकी उन्हें शुरूआत में अनुमति भी दी गई थी लेकिन बाद में अनुमति आदेश को पुलिस ने रद्द कर दिया था। याचिकाकर्ता ने इसके बाद अपने कार्यक्रम को चार दिसंबर के लिए पुनर्निर्धारित किया और 10 नवंबर को रामलीला मैदान बुक करने की अनुमति के लिए आवेदन किया।

समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता न देने के फैसले पर होगा पुनर्विचार, सुप्रीम कोर्ट में 28 को सुनवाई

- खुली अदालत में मामले की सुनवाई की मांग पर सीजेआई याचिकाओं को देखकर लेंगे फैसला

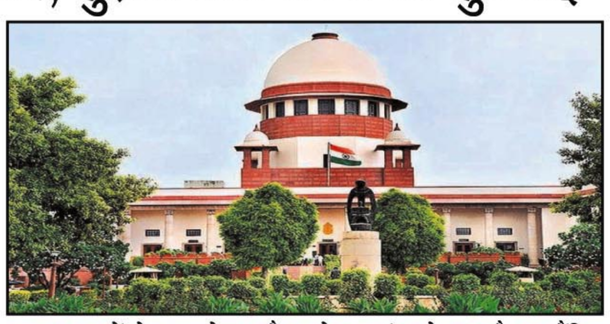

नई दिल्ली, (हि.स.)। समलैंगिक शादियों को कानूनी मान्यता देने से इनकार करने के सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिकाओं के याचिकाकताओं की ओर से आज इन याचिकाओं की सुनवाई बंद चैंबर की बजाय खुली अदालत में करने की मांग की गई। याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन किया। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि हम याचिकाओं को देखकर इस पर फैसला लेंगे। ये याचिकाएं सुनवाई के लिए 28 नवंबर को लगी हैं। रोहतगी ने कहा कि ये याचिकाएं 28 नवंबर को सुनवाई के लिए लगी हैं। कोर्ट ये सुनिश्चित करे कि उस दिन ये मामला सुनवाई की लिस्ट से डिलीट न हो। संविधान बेंच के सभी जज इस पर एकमत थे कि समलैंगिक कपल के साथ समाज में भेदभाव हो रहा है। ऐसे में जब कोर्ट उनके साथ भेदभाव की बात को मान रहा है तो उनके लिए राहत का रास्ता भी खोजना होगा। ये बड़ी तादाद में लोगों की ज़िंदगी से जुड़ा मसला है। इसलिए हम चाहते है कि पुनर्विचार याचिकाओं पर बंद चैंबर की बजाय ओपन कोर्ट में सुनवाई हो इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि हम याचिकाएं देखकर फैसला लेंगे। उल्लेखनीय है कि 17 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच ने समलैंगिक विवाह को मान्यता देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव करने का अधिकार केवल संसद के पास है। समलैंगिक साथ रह सकते हैं लेकिन विवाह को मान्यता नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि एलजीबीटीक्यू समुदाय के साथ भेदभाव रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर दस दिनों तक सुनवाई की थी। इस मामले पर सुनवाई करने वाली संविधान बेंच में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस एस र-वींद्र भट, जस्टिस हीमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा शामिल थे। 13 मार्च को कोर्ट ने इस मामले को संविधान बेंच को रेफर किया था।

विश्व प्रदूषण में दिल्ली शीर्षस्थ

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिवाली से पहले हुई बारिश से प्रदूषण में मिली राहत के बाद नई दिल्ली और दिल्ली एनसीआर निवासी बदतर होती वायु प्रदूषण से पीडित है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने बताया की गुरुवार सुबह पांच बजे दिल्ली और दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता का स्तर 400 से ऊपर पाया गया। इसके साथ ही आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक 387, आरके पुरम में 416, पंजाबी बाग में 423 और आईटीओ में 344 पाया गया। मौसम विभाग ने आगामी कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर में मौसम बदलाव की संभावना व्यक्त की है। बीते दिन बुधवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 220 रहा, जो खराब श्रेणी में गिना जाता है। वहीं मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 279 पर रिकॉर्ड हुआ था। दिनांक 3 से 9 नवंबर के बीच छह दिन एक्यूआइ का लेवल 400 से अधिक रहा। दुनिया भर के लेवल पर देखें तो प्रदूषण के मामले में दिल्ली शहर शीर्ष स्थान पर है। विश्व के सबसे प्रदूषित 110 राष्ट्रों की लिस्ट में भारत देश के तीन शहर दिल्ली,कोलकाता और मुंबई है। स्विस फर्म आईक्यू एयर की लाइव रैंकिंग में राजधानी दिल्ली सबसे पहले नंबर पर है।

खुद को फकीर कहने वाले पीएम मोदी के राज में सबसे अमीर पार्टी बनी भाजपा : प्रियंका गांधी

जयपुर (ईएमएस)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी हिंसा प्रभावित मणिपुर नहीं गए लेकिन अहमदाबाद में क्रिकेट विश्वकप का फाइनल मैच देखने पहुंच गए, ताकि यदि हमारी टीम जीत जाती तब कुछ श्रेय ले सकें। प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी वहां नहीं जाते जहां संकट होता है। उन्होंने कहा कि खुद को फकीर कहने वाले प्रधानमंत्री मोदी के राज में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कैसे सबसे अमीर पार्टी बन गई। उन्होंने कहा, मणिपुर भी हमारे देश का ही राज्य है। मणिपुर में सैंकड़ों गांव जला डाले गए, कितने बुरे बुरे हादसे हुए... कैसी-कैसी चीजें हुईं। मोदी जी ने मणिपुर जाने का कष्ट किया? नहीं किया। उन्होंने कहा, हम विश्वकप फाइनल में पहुंचे। हमारी टीम अपनी मेहनत से फाइनल में पहुंची ... मोदी जी भी पहुंच गए। फट से पहुंचे। प्रियंका गांधी ने कहा, मोदी जी वहां पहुंचे कि यदि हम जीत जाएं तब उस जीत का श्रेय थोड़ा उन्हें भी मिल जाए। यदि हम जीतते तब सारी मीडिया बाजी करते, इवेंट करते।

मोदी जी इस तरह की चीजों में पहुंच सकते हैं जहां हमारा मान सम्मान बढ़ रहा हो, जहां हमारी टीम मेहनत कर रही है लेकिन जहां संकट होता है वहां नहीं पहुंचते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार ने बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर दिया लेकिन गरीबों की उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीयत ठीक नहीं, मोदी जी की नीयत ठीक नहीं। उन्होंने कहा, आज पूरे देश में जो भाजपा की सारी सरकारें चल रहे हैं वे सब सिर्फ बड़े-बड़े उद्योगपतियों के लिए चल रही हैं। आज मध्यम वर्ग, गरीब, किसानों की उनकी सरकारों में कोई सुनवाई नहीं है।

डीपफेक के खिलाफ एक्शन में सरकार, इससे निपटने के लिए नए नियम लाए जाएंगे : अश्वनी वैष्णव

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'डीपफेक' को लोकतंत्र के लिए नया खतरा करार देते हुए गुरुवार को कहा कि सरकार इससे निपटने के लिए जल्द ही नए नियम लाएगी। मंत्री ने 'डीपफेक' के मुद्दे पर आज सोशल मीडिया मंचों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने इस मामले में सोशल मीडिया मंचों से सावधानी बरतने और वाजिब समाधान निकालने का आह्वान किया। उसके बाद अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की है। इस दौरान डीपफेक मुद्दे का समाधान निकालने को लेकर चर्चा हुई है और इसका समाधान निकालने को कहा है। वैष्णव ने कहा कि बैठक में डीपफेक की जांच कैसे हो, इसे वायरल होने से कैसे बचाया जाए, कोई यूजर इसे कैसे रिपोर्ट करे और इस पर तुरंत कार्रवाई कैसे हो सहित डीपफेक के प्रति जागरूकता बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि डीपफेक एक गंभीर मुद्दा है। इस पर जागरूकता बहुत जरूरी है। डीपफेक पर एक नए विनियमन की जरूरत है। इस पर त्वरित भाव से कार्रवाई शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा था कि जो सोशल मीडिया मंच डीपफेक के संबंध में पर्याप्त कदम नहीं उठाएंगे, उन्हें आईटी अधिनियम के 'सेफ हार्बर' प्रतिरक्षा खंड के तहत संरक्षण नहीं मिलेगा। सरकार ने हाल ही में डीपफेक मुद्दे पर कंपनियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। अब सोशल मीडिया मंचों को डीपफेक के मुद्दों को गंभीरता से लेना होगा। बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी डीपफेक के मुद्दे को गंभीर बताते हुए आगाह किया था। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि उनका एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ। उसमें वह गरबा कर रहे थे लेकिन वह वीडियो उनका नहीं था। वह स्कूल के बाद कभी भी गरबा नहीं खेले हैं।

राज विस चुनाव : राजस्थान में भाजपा की भड़काने वाले स्पीच का जनता देगी करारा जवाब : गहलोत

मुख्यमंत्री गहलोत ने पत्रकारों से कहा- लाल डायरी और महादेव एप प्रकरण की जांच रिटायर्ड जज हो

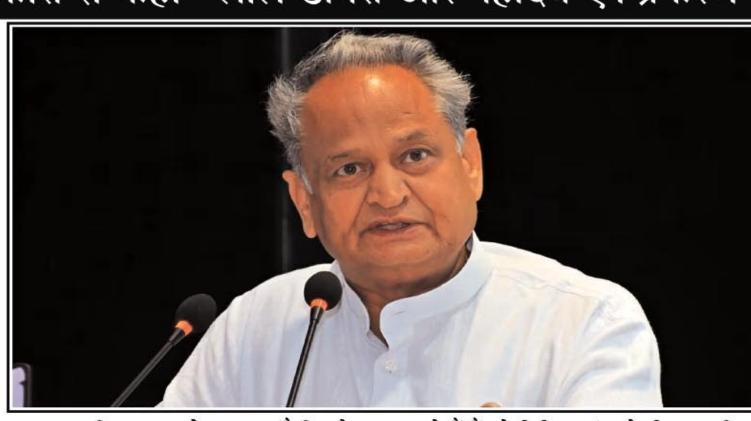

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर प्रहार किए। उन्होंने कहा कि भाजपा राजस्थान में सरकार गिराने में फेल हो गई, उसका झटका इतना भारी है कि उसकी टीस बाहर आ रही है। भाजपा वाले 25 नवंबर तक के मेहमान हैं। इसके बाद ये पांच साल तक मुंह नहीं दिखाएंगे। मुख्यमंत्री गहलोत गुरुवार को यहां पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में जब मैं गुजरात में कांग्रेस इंचार्ज था, तब मोदीजी कहते थे कि ये राजस्थानी अशोक गहलोत मुझे हराने आया है, आप मारवाडी की मत सुनो, आप बताइए मैं आपका बेटा हूं, आप मुझे वोट नहीं देंगे तो मैं कहां जाऊंगा। गहलोत ने पलटवार करते हुए कहा कि मैं राजस्थान की जनता से कहना चाहता हूं कि मैं राजस्थान का हूं। अब अगर मैं कहूं कि अब वो गुजराती आ रहा हैं, हम तो नहीं कह रहे कि गुजराती यहां आ रहा है, प्रचार कर रहा है, घूम रहा है। आप गुजराती की बात मानोगे तो मैं कहां जाऊंगा। मैं तो आपके पास ही आऊंगा। मैं थांसू दूर कोनी। गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि नरेन्द्र मोदी, अमित शाह से लेकर सब मंत्रियों और बड़े नेताओं ने राजस्थान पर धावा बोल दिया है। राजस्थान की जनता भाजपा को करारा जवाब देगी। राजस्थान में भड़काने वाली स्पीच हो रही है। जितने लोग आ रहे हैं, शाम तक एक ही भाषा बोल रहे हैं। कन्हैया की हत्या का मामला उठा रहे हैं, जबकि कन्हैया को मारने वाला पांच साल से भाजपा कार्यकर्ता था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मोदी अभिनेता हैं। वे कहते हैं मैं ओबीसी का हूं, मुझे नीच कह दिया। किसी ने उन्हें नीच नहीं कहा। गहलोत की वापसी नहीं करने वाली मोदी की भविष्यवाणी को लेकर मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से पूछा कि मोदी भविष्यवक्ता हैं क्या। कह रहे हैं गहलोत चौथी बार सीएम नहीं बनेंगे। खुद प्रधानमंत्री फिर बनने की बात कर रहे हैं। चुनाव आयोग को दिखता नहीं कि क्या घोषणाएं हो रही हैं। गहलोत ने लाल डायरी और महादेव एप प्रकरण की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज कराने की मांग करते हुए कहा कि लाल डायरी का षड्यंत्र दिल्ली में रचा गया। महादेव एप के जरिये छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के खिलाफ किस तरह षड्यंत्र किया गया। उस ऐप मामले में बयान देने वाला अब बदल गया है। महादेव ऐप के मामले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को चार दिन पहले अरेस्ट करने की साजिश थी, उसमें ये फेल हो गए। चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं ने स्वर्गीय राजेश पायलट का नाम उछालने की निंदा करते हुए गहलोत ने कहा कि अब ये गुर्जर समाज को भड़काने के लिए राजेश पायलट को लेकर आ गए। भाजपा राज में आरक्षण आंदोलन के दौरान 72 गुर्जर फायरिंग में मारे गए थे। मेरे राज में गुर्जरों पर गोली तो छोड़िए लाठीचार्ज तक नहीं होने दिया और आरक्षण दे दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा नेताओं के दिलों में आग लगी है कि राजस्थान में सरकार नहीं गिरा पाए। ये चुनी हुई सरकारों को गिरा रहे हैं। गहलोत ने राजस्थान में कांग्रेस की जीत का दावा करते हुए कहा कि वे अपने सामने हार को देखकर बौखला गए हैं और इसी बौखलाहट में भाजपा नेता अनर्गल आरोप लगाकर जनता में भ्रम फैला रहे हैं, जैसा की वे करते आए हैं।

प्रशासनिक अफसरों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

गोरखपुर, (हि.स.)। गोरखपुर स्थित बाबा गंभीरनाथ में प्रस्तावित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम के निमित्त प्रशासनिक अधिकारियों ने गुरुवार को निरीक्षण किया। स्थल की सुरक्षा व्यवस्था को देखा और जरूरी दिशा निर्देश दिये। ज्ञातव्य हो कि 24 नवम्बर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना के फ्लैट्स व भू-खण्डों का ई-लॉटरी से आवंटन करेंगे। इस बावत मुख्यमंत्री योगी का कार्यक्रम प्रस्तावित है। गुरुवार को जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर, जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्धन, जीडीए सचिव उदय प्रताप सिंह आदि अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया। संबंधित को दिशा निर्देश दिए। गोरखपुर विकास प्राधिकरण की खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना के लाभार्थियों को 24 नवम्बर दिन शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपराह्न 04 से 05 बजे के बीच खोराबार आवासीय योजना में पात्र लाभार्थियों के मध्य फ्लैट व भू-खण्डों का वितरण ई-लॉटरी से करेंगे। इस ई-लॉटरी प्रक्रिया का आनलाइन सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। इसका लिंक प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट www.gdagkp.in पर उपलब्ध रहेगा।

पांच लाभार्थियों को मौके पर आवंटन – मुख्यमंत्री द्वारा लॉटरी में चयनित किन्ही पाँच आवंटियों को मौके पर ही आवंटन पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही रामगढ़ताल के समक्ष ताल में फाउण्टेन व हर्बल पार्क एवं प्राधिकरण की कई अन्य लगभग 175 करोड़ की लागत से बने योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी, प्राधिकरण की आगामी प्रस्तावित योजनाओं का अवलोकन भी करेंगे।

जनता की गाढ़ी कमाई बर्बाद कर रही उप्र सरकार : कांग्रेस

लखनऊ, (हि.स.)। राजधानी स्थित विक्रमादित्य मार्ग के वे बंगले जो लंबे समय तक सत्ता और राजनीति का केंद्र रहे अब उनमें जंगल उग गया है। बंगले खंडहर में तब्दील हो रहे हैं। इसमें पहला बंगला 5 विक्रमादित्य मार्ग जिसमे स्व मुलायम सिंह यादव का जीवन बीता। दूसरा बंगला जिसमे अखिलेश यादव मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद रह रहे थे। इन दोनों बंगलों में प्रदेश की जनता की गाढ़ी कमाई का करोड़ों रुपया लगा हुआ है। आखिर सरकार इन बंगलों का क्या करना चाहती है। इसको सार्वजनिक करना चाहिए। ये बातें कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता डा. सी. पी. राय ने कही। डा. सी. पी. राय ने कहा कि न्यायालय के आदेश पर पूर्व मुख्यमंत्रियों के बंगले खाली हो गए और इस बात को भी कई साल हो गए हैं। इसके बावजूद सरकार उसका उपयोग नहीं कर रही है। इसी से अंदाजा लगता है कि यह सरकार सिर्फ जनता की गाढ़ी कमाई को बर्बाद करने और झूठी शान में कसीदे गढना जानती है। तभी से ये बगले और इसके अलावा लोकबंधु राज नारायण ट्रस्ट को एलाट बंगला खाली पड़ा है। शायद राजनाथ सिंह द्वारा खाली किया गया बंगला भी खाली है। शायद इसलिए की ये सरकार आने के बाद वो सड़क जो पहले सबके लिए खुली रहती थी बंद कर दी गई है इसलिए मैं उधर जाकर देख नही पाया। उन्होंने कहा कि इसी तरह विभिन्न राज्य संपत्ति विभाग की कालोनियों में भी पचासों छोटे बड़े घर खाली पड़े हैं और बर्बाद हो रहे हैं। ये किसी नेता या पार्टी की व्यक्तिगत संपत्ति नही है की वो जैसे चाहे बर्बाद करे बल्कि ये उत्तर प्रदेश की जनता की संपत्ति है। डॉ0 राय ने कहा कि स्व मुलायम सिंह यादव का बंगला यदि किसी काम नही आ रहा है तो उनकी यादगार बनाया जा सकता है। अथवा ये दोनों बड़े बंगले या तो विधान सभा अध्यक्ष तथा विधान परिषद के चेयरमैन को दे दिए जाते अथवा दोनो उप मुख्यमंत्रियों को दिया जाता या वरिष्ठ हाई कोर्ट न्यायाधीश लोगो को दे दिया जा सकता था और ऐसा ही मॉल एवेन्यू तथा इस क्षेत्र के अन्य बंगलो के साथ हो सकता था। मायावती वाले बंगले में कोई सरकारी कार्यालय, या हार्ट क्लीनिक अथवा इमरजेंसी खोली जा सकती थी।

इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से लैस होगा गाजियाबाद, सीसीटीवी कैमरे होंगे इंटीग्रेट

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अब नोएडा के तर्ज पर गाजियाबाद में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) लागू करने जा रही है। दरअसल, प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में इस प्रक्रिया को पूर्णतः लागू करने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी और अब इसी को क्रियान्वित करते हुए गाजियाबाद के ट्रैफिक निगरानी व संचालन प्रक्रिया को स्मार्ट बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम ने कार्यवाही शुरू करते हुए शहर के वर्तमान सीसीटीवी कैमरों के उच्चीकरण व नए सीसीटीवी कैमरों के इंस्टॉलेशन के जरिए इंटिग्रेटेड सीसीटीवी कैमरों का जाल विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि इंस्टॉलेशन व अपग्रेडेशन की प्रक्रिया पूर्ण होने से शहर के वीडियो मैनेजमेंट सिस्टम (वीएमएस) तंत्र को मजबूती मिलेगी, इससे यातायात नियंत्रण के साथ ही अपराध समेत आपात स्थितियों के नियंत्रण में भी सर्विलांस के जरिए मदद मिलेगी। इन सभी कार्यों के संचालन व समन्वय के लिए मास्टर सिस्टम इंटिग्रेटर की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। प्रवक्ता ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम ने आरपीएफ माध्यम से मास्टर सिस्टम इंटिग्रेटर की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे हैं। ई-निविदा के जरिए कायावंटन प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा तथा जिस एजेंसी को मास्टर सिस्टम इंटिग्रेटर का दायित्व सौंपा जाएगा, उसे शहर में 500 से ज्यादा इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज एसेसमेंट व स्टोरेज कैपेसिटी वाला वीएमएस विकसित करना होगा। कंट्रोल रूम संचालन, फीड स्टोरेज प्रक्रिया समेत सीसीटीवी के उच्चीकरण जैसी प्रक्रियाओं को मास्टर सिस्टम इंटिग्रेटर द्वारा पूर्ण किया जाएगा। इसके अलावा, रिमोट एसेसमेंट, कंट्रोल रूम एक्सेस, क्लाउड व स्टोरेज कैपेसिटी मैनेजमेंट समेत तमाम प्रक्रियाओं को पूर्ण करना होगा। इंटिग्रेटर का निर्धारण भी कई मानकों के आधार पर होगा तथा उन्हें इवैल्युएशन प्रक्रिया से गुजरते हुए वर्किंग प्रोटोटाइप समेत कई लक्ष्यों को पूर्ण करने के बाद ही कार्य आवंटित होगा।

कई विशेषताओं से लैस है आ-ईटीएमएस - इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के तहत शहरों में सीसीटीवी समेत हाई डेफिनिशन कैमरा के जरिए रेड लाइट पर वाहनों के दबाव के हिसाब से रेड/ग्रीन लाइट की टाइमिंग ऑटोमैटिक तरीके से खुद ही सेट हो जाती है।

-रेड लाइट वॉयलेशन डिटेक्शन कैमरा के जरिए कमांड कंट्रोल रूम में बैठकर ट्रैफिक पुलिस उन वाहन चालकों पर भी निगाह रख सकती है, जो रेड लाइट जंप करते हैं। ये कैमरा ऐसे लोगों की इमेज कैप्चर करने के साथ ही वाहन के नंबर के आधार पर खुद ही चालान काट देता है।

-बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट वाले चालकों के खिलाफ भी चालान की कार्रवाई इसके माध्यम से आसानी से की जा सकती है।

-आईटीएमएस के जरिए ट्रैफिक मैनेजमेंट में तो मदद मिलती ही है, साथ ही साथ कानून व्यवस्था को सुचारू रखने में भी सहायता मिलती है। इसकी मदद से बदमाशों की धरपकड़ में पुलिस को कामयाबी मिलती है।

-सड़क पर लगे सर्विलांस कैमरों की मदद से कमांड सेंटर के जरिए पुलिस बेहद नजदीक से संदिग्धों के चेहरे को देख सकती है तथा अपराधियों की लोकेशन को ट्रेस करते हुए पुलिस उन्हें आसानी से पहचानकर दबोच सकती है।

-इसके अतिरिक्त, किसी आपात स्थिति में संबंधित इलाके का सर्विलांस किया जा सकता है, जिससे प्राप्त लाइव फुटेज के जरिए स्थिति का आंकलन कर उसके नियंत्रण की प्रक्रिया पूर्ण की जा सकती है।

कांग्रेस की काल बनेगी राजस्थान की लाल डायरी : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि राजस्थान की लाल डायरी, कांग्रेस की काल डायरी बनेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार आ रही है। राजस्थान के रग रग में भाजपा है, रग-रग में मोदी हैं, रग-रग में राष्ट्रभक्ति है, मैं उसे प्रणाम करता हूं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर टिप्पणी करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा है कि बच्चा तीन साल में बोलना सीख जाता है लेकिन क्या बोला जाए, इसे जानने में सालों लग जाते हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जैसों के मामले में तो एक जीवन भी कम पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने बुधवार को राजस्थान में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर स्तरहीन टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी की आलोचना शुरू कर दी।

झंडा दिवस पर झलक उठे गर्व के भाव, पुलिसकर्मियों में नई ऊर्जा का संचार

– पुलिस ध्वज को दी सलामी, मनाया पुलिस झंडा दिवस

मीरजापुर, (हि.स.)। पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्द पर पुलिस ध्वज फहराया और सलामी दी। इसके पहले अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ओमप्रकाश सिंह ने पुलिस ध्वज का प्रतीक स्टीकर बांयी जेब के ऊपर चस्पा कर पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ध्वज हमारे चरित्र को दशार्ता है और हमारे गौरवशाली इतिहास का प्रतीक भी है। देश व लोक सेवा में अपने कौशल, शौर्य व कर्तव्य परायणता से अप्रतीम योगदान दिया है। यह ध्वज हमारे लिए प्रेरणादायी है। इस ध्वज के फहराने मात्र से हम सभी में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। हम सबके लिए गर्व की बात है कि उत्तर प्रदेश पुलिस पूरे भारतवर्ष का प्रथम राज्य पुलिस बल है, जिसे पुलिस ध्वज प्रदान किया गया है। 23 नवम्बर 1952 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने उत्तर प्रदेश पुलिस को पुलिस कलर व ध्वज प्रदान किया था। ध्वज का आकार चार फीट लम्बा व तीन फीट चौड़ा है। ध्वज में दो रंग है, जिसमें ऊपर लाल रंग एवं नीचे नीला रंग है। इसी दिन पीएसी बल को भी ध्वज प्रदान किया गया था।

उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास में 23 नवम्बर का दिन विशेष महत्व रखता है, इसलिए प्रत्येक वर्ष 23 नवम्बर को पुलिस झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

डीजीपी का शुभकामना संदेश पढ़कर सुनाया – पुलिस अधीक्षक ने पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश की ओर से पुलिस विभाग के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए भेजे गए शुभकामना संदेश को पढ़कर सुनाया।

साथ ही पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस ध्वज का प्रतीक स्टीकर प्रदान किया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर मनोज कुमार गुप्ता, क्षेत्राधिकारी सदर शैलेंद्र प्रकाश त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी मुनेंद्रपाल सिंह, क्षेत्राधिकारी एलआईयू अंजय सिंह, प्रतिसार निरीक्षक मनमोहन आदि थे।

ईडी अधिकारियों को परेशान करने के मामले में ईडी ने हाई कोर्ट में सौंपी सीलबंद रिपोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल में ईडी की छापेमारी एवं मनी लांड्रिंग के आरोपितों द्वारा ईडी के अधिकारियों को परेशान करने की साजिश रचने संबंधी मामले में गुरुवार को ईडी की ओर से कोर्ट में सीलबंद रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस रिपोर्ट का अवलोकन किया। इसके बाद कोर्ट ने ईडी के अधिवक्ता से पूछा कि क्या वह इस रिपोर्ट को राज्य सरकार के साथ शेयर कर सकती है। इस पर निर्देश लेकर अगली सुनवाई में प्रति शपथ पत्र दाखिल करें। मामले में महाधिवक्ता राजीव रंजन एवं अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने सरकार की ओर से पक्ष रखा। कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 15 दिसंबर निर्धारित की है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने इस मामले में ईडी से सीलबंद रिपोर्ट मांगी थी। पिछली सुनवाई में शिव शंकर शर्मा की जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट के समक्ष मनी लांड्रिंग के आरोपितों द्वारा ईडी के अधिकारियों को परेशान करने की बात उठी थी। साथ ही कोर्ट को बताया गया था कि शिकायत मिलने पर ईडी के अधिकारियों ने बिरसा मुंडा जेल में छापेमारी की थी।

उपायुक्त के नेतृत्व में विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची बोआरीजोर

गोड्डा, (हि.स.)। जिले के जनजातीय क्षेत्र बोआरीजोर प्रखंड के लिए संचालित सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थी तक पहुंचाने के उद्देश्य से उपायुक्त जीसान कमर के नेतृत्व में विकसित भारत संकल्प यात्रा राजाभिठा एवं कुशबिल्ला पहुंची, जहां रथ का स्थानीय लोगों ने पारंपरिक रूप से स्वागत एवं अभिनंदन किया। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि इस यात्रा का व्यापक लक्ष्य सभी पात्र लाभार्थियों को आवश्यक सेवाएं सुलभ कराना है, जिनमें स्वच्छता सुविधाओं, वित्तीय सेवाओं, बिजली कनेक्शन, वंचितों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छ पेयजल से लेकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक शामिल हैं। इसके तहत इन समस्त योजनाओं के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने और अंतिम छोर पर मौजूद व्यक्तियों तक संबंधित लाभों को पहचाना है। विकसित भारत संकल्प यात्रा सरकार के लक्ष्यों को प्राप्त करने का सशक्त माध्यम बनी है।

हाई कोर्ट ने द्वितीय जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी मामले में अनुसंधानकर्ता को उपस्थित होने का दिया निर्देश

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआई जांच कराने वाली बुद्धदेव उरांव की जनहित याचिका एवं राज्य सरकार की अपील की सुनवाई गुरुवार को हुई। मामले में चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सीबीआई की अधिवक्ता से जानना चाहा कि मामले में 13 साल बीत जाने के बाद भी अब तक अनुसंधान क्यों नहीं पूरा हुआ। अनुसंधान पूरा करने में देरी क्यों हो रही है और यह कब तक पूरा होगा। यदि सीबीआई को कुछ गड़बड़ियां मिली है तो आरोप पत्र दाखिल कर जांच पूरा किया जाना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। कोर्ट ने अगली सुनवाई में सीबीआई के अनुसंधानकर्ता (आईओ) को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट के समक्ष उपस्थित रहने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 15 दिसंबर निर्धारित की है। मामले में सीबीआई की ओर से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल किया जा चुका है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राजीव कुमार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वर्ष 2011 में मामले को लेकर एंटी करप्शन ब्यूरो ने एफआईआर दर्ज की थी। बाद में हाई कोर्ट के आदेश के आलोक में यह मामला सीबीआई को गया था लेकिन 13 साल बीतने के बाद भी सीबीआई ने अब तक जांच पूरी नहीं की है और मामले में आरोपपत्र भी दाखिल नहीं किया गया है। पिछली सुनवाई में सीबीआई ने कोर्ट को बताया था की प्रथम और द्वितीय जीपीएससी सिविल सेवा परीक्षा गड़बड़ी मामले में अनुसंधान अभी जारी है। बुद्धदेव उरांव ने जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय की परीक्षा में अंकों की हेराफेरी एवं एवं रिजल्ट प्रकाशन में गड़बड़ी की जांच सीबीआई से कराने का आग्रह किया है। राज्य सरकार की ओर से जेपीएससी द्वितीय के नियुक्त अधिकारियों के खिलाफ एलपीए दायर किया गया है। प्रथम एवं द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में गड़बड़ी की जांच निगरानी ब्यूरो कर रही थी, जिसे बाद में हाई कोर्ट के आदेश पर इसकी जांच सीबीआई को दे दिया गया था।

तेजस्वी यादव और विजय चौधरी ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग दोहराई

पटना, (हि.स.)। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और वित्त मंत्री विजय चौधरी ने गुरुवार को संयुक्त पत्रकार वार्ता में कहा कि बिहार जाति गणना सर्वे से स्पष्ट हुआ है कि राज्य में 34.1 प्रतिशत गरीब है। ऐसे में अभियान चलाकर ऐसे परिवारों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने की जरूरत है। इसलिए बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे हैं। मंत्री द्वय ने कहा कि हमारी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग है। पिछले 13 वर्षों से मुख्यमंत्री की यह मांग रही है। बिहार ने हमेशा देश को दिशा दिखाने का काम किया है। हमारी हमेशा से यही मांग थी कि देश में जातीय जनगणना होनी चाहिए। सभी दलों के नेताओं ने पीएम मोदी से मुलाकात की लेकिन वहां कोई बात नहीं बन पाई। इसलिए हमने तय किया कि राज्य सरकार इसे अपने दम पर करेगी। पिछले विधानसभा सत्र के दौरान हमने पूरी रिपोर्ट सबके सामने रखी थी। यह सभी स्थितियों को निर्दिष्ट करता है, चाहे वे सामाजिक हों या आर्थिक। केवल बिहार ही ऐसा राज्य है, जिसके पास अपनी जनसंख्या के बारे में सारी जानकारी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हालात बदले हैं। बिहार में जाति आधारित गणना के बाद 75 प्रतिशत आरक्षण कोटा बढ़ाकर किए जाने के बाद इसकी जरूरत फिलहाल बहुत ज्यादा महसूस हो रही है कि राज्य को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण से अलग अलग जातियों में गरीबों की संख्या सामने आए हैं। इसमें बिहार में 34.1 फीसदी गरीबों की संख्या सामने आई है। नीति आयोग के आकलन में 33.8 प्रतिशत बिहार में गरीबी रेखा के नीचे थे। दोनों आंकड़े बेहद करीब रहे हैं। इसलिए बिहार में अभियान चलाकर ऐसे परिवारों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने की जरूरत है। इस दिशा में सीएम नीतीश ने पहले ही कहा है कि गरीब परिवारों को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता और भूमिहीन और आवास विहीन लोगों को घर के लिए वित्त सहयोग दिया जाएगा। इस पर 2.5 लाख करोड़ के खर्च का आकलन है। इसे बिहार सरकार पांच साल में पूरा करना चाहती है।

राजगीर में आयोजित जरासंध महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को मगध सम्राट जरासंध की 5226वीं जयंती पर आयोजित जरासंध महोत्सव-2023 में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने महाराज जरासंध की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही राजगीर स्थित महाराज जरासंध की अति प्राचीन मंदिर में सम्राट जरासंध की कीर्ति ध्वज तथा स्तंभ का पूजन कर मुख्यमंत्री ने राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। जरासंध महोत्सव में अखिल भारतीय जरासंध अखाड़ा परिषद की ओर से मुख्यमंत्री को अभिनंदन पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया गया। जरासंध महोत्सव में शामिल होने के पश्चात मुख्यमंत्री ने राजगीर में सम्राट जरासंध की स्थापित की जा रही 20 फीट ऊंची प्रतिमा के निर्माण कार्य स्थल का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य में तेजी लाकर महाराज जरासंध जी की प्रतिमा स्थापित करने का कार्य अगले छह माह के अंदर पूर्ण कराएं। सीएम ने कहा कि सम्राट जरासंध की स्थापित होनेवाली प्रतिमा स्थल के चारों तरफ अच्छे ढंग से अधिक-से-अधिक पौधरोपण का कार्य भी सुनिश्चित कराएं। इससे यहां का दृश्य काफी हरा-भरा, सुंदर एवं मनमोहक होगा। यहां लोगों के बैठने की सुविधा भी सुनिश्चित होनी चाहिए ताकि अपने परिजनों, सगे-संबंधियों एवं मित्रों के साथ आनेवाले लोग कुछ देर बैठ सकें। सम्राट जरासंध की प्रतिमा स्थल चारों तरफ से पानी से घिरी रहेगी, जिसको ध्यान में रखते हुए प्रतिमा स्थल तक लोगों के सुगमतापूर्वक आवागमन के लिए पथ का निर्माण कराएं।

इस्लामिक जिहाद है हलाल कारोबार, बिहार में प्रतिबंधित करें नीतीश कुमार: गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा हलाल उत्पाद पर प्रतिबंध लगाने के बाद अब बिहार में भी ऐसे उत्पाद को प्रतिबंधित करने की मांग उठने लगी है। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर हलाल उत्पाद की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि बिहार में अनेक खाद्य पदार्थों एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों खाद्य तेल, नमकीन, ड्राई फ्रूट, मिठाइयां, कॉस्मेटिक, दवा एवं मेडिकल उपकरणों का हलाल कारोबार हो रहा है। जबकि इस प्रकार की सामग्रियों के मानक से संबंधित प्रमाणन के लिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) जैसे मानक ही वैध हैं। उन्होंने कहा है कि हलाल कारोबार के तहत जिन चीजों का इस्लाम से कोई संबंध नहीं, उनका कारोबारी इस्लामीकरण हो रहा है। कुछ संस्थाएं हलाल सर्टिफिकेट देने की स्वयंभू हो गई हैं और कंपनियों को मोटी रकम देकर हलाल सर्टिफिकेट दे रही हैं। इस बात की आशंका निराधार नहीं है कि हलाल सर्टिफिकेशन और कारोबार के पीछे एक बड़ा षडयंत्र है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में हलाल कारोबार ना सिर्फ संविधान के खिलाफ है, बल्कि यह देशद्रोह भी है। एक आंकड़े के अनुसार पूरे विश्व में हलाल प्रमाणन संबंधी व्यावसायिक गतिविधियों का आकार करीब दो ट्रिलियन डॉलर तक है तथा अर्थव्यवस्था के इस स्वरूप के आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े होने की भी बात प्रकाश में आ रही है। जिसकी गहन जांच किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा है कि इस दिशा में योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक सशक्त कदम उठाते हुए हलाल प्रमाणनयुक्त खाद्य उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण एवं विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाते हुए समूचे उत्तर प्रदेश में कार्रवाई कर इस तरह की षड्यंत्रकारी और विभाजनकारी शक्तियों पर अंकुश लगाया है। बिहार में भी इस पर रोक लगनी चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इसी प्रकार का सख्त कदम उठाएं तथा सामाजिक रूप से विभेदकारी एवं आतंकवादी गतिविधियों में इसकी संलिप्तता की गहन जांच करते हुए सख्त कार्रवाई करें।

संपादकीय

कोरोना टीके से मौत नहीं

देश भर में अचानक युवा मौतों का कारण कोरोना वायरस का टीकाकरण नहीं है। टीके से अचानक और अकारण मौत का जोखिम भी नहीं बढ़ता। बल्कि टीके की दो खुराक ऐसी मौतों के जोखिम को कम ही करती हैं। यह निष्कर्ष भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सर्वेक्षण एवं अध्ययन का है। परिषद ने अक्तूबर, 2021 से मार्च, 2023 के बीच 18-45 आयु वर्ग के लोगों पर यह अध्ययन किया है। देश भर के 47 प्रमुख अस्पतालों के डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा-कर्मियों ने, कई बिंदुओं को आधार बनाकर, यह अध्ययन किया है। अब आईसीएमआर की रपट सार्वजनिक है, जो कोरोना टीके से जुड़ी भ्रांतियों और धारणाओं को तोड़ सकती है। आईसीएमआर के अध्ययन-समूहों के सामने अचानक, अकारण और गंभीर बीमारी न होने के बावजूद करीब 29,000 मौतें थीं। यह बहुत बड़ा और भयानक आंकड़ा है। कोई व्यक्ति सुबह की सैर कर रहा था या पार्क में जॉगिंग कर रहा था अथवा बैडमिंटन खेल रहा था या गरबा नृत्य कर रहा था अथवा जिम, पार्क में व्यायाम कर रहा था अथवा अपने दफ्तर में सामान्य कामकाज में व्यस्त था, लेकिन ऐसे लोग अचानक जमीन पर गिर पड़े। देखते ही देखते उनकी मृत्यु हो गई। अंततः डॉक्टर की रपट आई कि हार्ट अटैक से मौत हुई है। अधिकतर लोग स्वस्थ ही थे। जिन मामलों का चिकित्सीय विश्लेषण डॉक्टरों ने किया है, उनमें करीब 81 फीसदी लोगों ने कोरोना टीके की पहली खुराक ही ली थी। उनके आसपास रहने वाले 2916 लोगों में से 87 फीसदी ने कमोबेश एक खुराक ली थी, 401 लोगों ने दो खुराक ली थी, जबकि 133 ने कोई भी खुराक नहीं ली थी। कोरोना महामारी के बाद ऐसी मौतें सामने आईं, तो कोरोना टीकों पर सवाल उठाए गए। उन्हें 'घातक' और 'जानलेवा' तक करार दिया गया। ऐसे आरोप और आशंकाएं जताई गईं कि टीका लेने से ही मौतें हो रही हैं। टीके के दुष्प्रभाव अब सामने आ रहे हैं। डॉक्टरों के अभिमत भी असमंजस में थे, लिहाजा आईसीएमआर का अध्ययन करने का विचार सुखद और सकारात्मक है। अध्ययन में यह महत्वपूर्ण सच भी स्पष्ट हुआ है कि 10 फीसदी मौतें ऐसी हुई हैं, जिनके संदर्भ में 'अचानक मौत' का पारिवारिक इतिहास रहा है। मृतकों में 18 फीसदी ऐसे थे, जिन्होंने अत्यधिक और असामान्य शारीरिक श्रम किया था अथवा वे जरूरत से ज्यादा और थकाऊ व्यायाम करते थे। धूम्रपान और शराब का नियमित सेवन करने वाले 27-27 फीसदी लोग भी थे। इनमें से करीब 7 फीसदी लोगों ने मौत के 48 घंटे पहले शराब पी थी। करीब 18 फीसदी लोगों ने बीते एक साल में अत्यधिक तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधियां की थीं। अध्ययन में यह निष्कर्ष भी सामने आया है कि शराब जितनी अधिक या बार-बार पी जाएगी, अचानक मौत की संभावनाएं भी उतना अधिक बढ़ेंगी। अचानक मौतें नशीले पदार्थों के सेवन के कारण भी हुई हैं। कोरोना के कारण अस्पताल में भर्ती होने वालों में भी ऐसी मौत की संभावनाएं चार गुना ज्यादा देखी गई हैं। बहरहाल कोरोना टीके के कारण अचानक मौतें नहीं हो रही हैं, यह एक बेहद महत्वपूर्ण शोधात्मक निष्कर्ष है, जिसे अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जरनल में प्रकाशित किया जाना चाहिए। बेशक भारत से कोरोना वायरस लगभग समाप्त हो चुका है, लेकिन जिन्हें संक्रमण झेलना पड़ा या कम संक्रमण हुआ अथवा संक्रमण के लक्षण ही दिखाई नहीं दिए, लेकिन वे भी संक्रमण के शिकार हुए थे, ऐसे तमाम लोगों को सतर्क रहना चाहिए। कोरोना खत्म होने के बावजूद मेडिकल टेस्ट करवाना चाहिए।

> टीके से अचानक और अकारण मौत का जोखिम भी नहीं बढ़ता। बल्कि टीके की दो खुराक ऐसी मौतों के जोखिम को कम ही करती हैं। यह निष्कर्ष भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सर्वेक्षण एवं अध्ययन का है। परिषद ने अक्तूबर, 2021 से मार्च, 2023 के बीच 18-45 आयु वर्ग के लोगों पर यह अध्ययन किया है। देश भर के 47 प्रमुख अस्पतालों के डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा-कर्मियों ने, कई बिंदुओं को आधार बनाकर, यह अध्ययन किया है। अब आईसीएमआर की रपट सार्वजनिक है, जो कोरोना टीके से जुड़ी भ्रांतियों और धारणाओं को तोड़ सकती है। आईसीएमआर के अध्ययन-समूहों के सामने अचानक, अकारण और गंभीर बीमारी न होने के बावजूद करीब 29,000 मौतें थीं। यह बहुत बड़ा और भयानक आंकड़ा है। कोई व्यक्ति सुबह की सैर कर रहा था या पार्क में जॉगिंग कर रहा था अथवा बैडमिंटन खेल रहा था या गरबा नृत्य कर रहा था अथवा जिम, पार्क में व्यायाम कर रहा था अथवा अपने दफ्तर में सामान्य कामकाज में व्यस्त था, लेकिन ऐसे लोग अचानक जमीन पर गिर पड़े। देखते ही देखते उनकी मृत्यु हो गई। अंतत: डॉक्टर की रपट आई कि हार्ट अटैक से मौत हुई है। अधिकतर लोग स्वस्थ ही थे। जिन मामलों का चिकित्सीय विश्लेषण डॉक्टरों ने किया है, उनमें करीब 81 फीसदी लोगों ने कोरोना टीके की पहली खुराक ही ली थी। उनके आसपास रहने वाले 2916 लोगों में से 87 फीसदी ने कमोबेश एक खुराक ली थी, 401 लोगों ने दो खुराक ली थी, जबकि 133 ने कोई भी खुराक नहीं ली थी।

कुछ अलग

गोल्फ नहीं, फिल्म सिटी बनाएं

पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में गोवा से अगर हिमाचल सीख ले, तो इससे आर्थिकी के संबोधन बदल जाएंगे। हालांकि एशिया विकास बैंक के सहयोग से तैयार हो रहा खाका तथा सुक्खू सरकार द्वारा कांगड़ा को पर्यटन राजधानी बनाने का संकल्प खुद को खड़ा करने की इच्छाशक्ति को परिलक्षित करता है, फिर भी गोवा के आंकड़े बहुत कुछ सिखा जाते हैं। पिछले साल का आंकड़ा देखें तो गोवा में करीब 70 लाख सैलानी आए, जबकि उद्योग के लिहाज से राज्य की आर्थिक गलियों में इनका रौब बहुत था। इसके मुकाबले हिमाचल में लगभग दो करोड़ पर्यटकों का आंकड़ा भी आर्थिक भरपाई नहीं कर पा रहा। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि जिस धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अस्सी फीसदी आगमन होता है, उसे हम आर्थिकी की गलियों तक नहीं पहुंचा पाए। हमने क्षेत्रीय राजनीति के कारण किसी एक एयरपोर्ट को इतना सक्षम नहीं बनाया कि कम से कम देश के हवाई नक्शे पर यह राज्य भी आ जाए। यह दीगर है कि वर्तमान सरकार ने न केवल कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार को प्राथमिकता के आधार पर एक बड़ी संभावना के आकाश पर देखा है, बल्कि गोवा की तर्ज पर पहली बार कान्वेंशन टूरिज्म को भी पुख्ता करने की योजना बनाई। गोवा ज्यादा तादाद में पर्यटक नहीं बुलाता, बल्कि पर्यटन आगमन के कारणों को पुख्ता करता है, जबकि समाज ने भी अपने चरित्र को सैलानियों के प्रति आदर और ईमानदारी से जोड़ लिया है। आज लगभग हर क्षमतावान भारतीय पर्यटक के मन में यह अनिवार्यता घर कर गई है कि उसे कम से कम एक बार गोवा जरूर जाना है। गोवा ने पर्यटन को कुछ इस तरह परिभाषित किया है कि हर सैलानी औसतन हफ्ते का ठहराव जोड़ लेता है। हमारे यहां आ रहे दो करोड़ पर्यटक अगर सप्ताह भर ठहरें, तो आज ही हिमाचल की क्षमता चौदह करोड़ सैलानियों के बराबर की आर्थिकी तक पहुंच जाएगी। बहरहाल आजकल गोवा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की धूम में 270 फिल्मों का आंचल इसे मिला है। गोवा में वैश्विक, अंतरराष्ट्रीय, एशियाई, भारतीय तथा भारतीय भाषाओं का सिनेमा शिरकत कर रहा है। वहां केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर अपनी विभागीय क्षमता से गोवा फिल्म समारोह की रौनक में चार चांद लगाते दिखे, लेकिन यही अनमोल वचन हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में खामोश हैं। हिमाचल में निजी प्रयासों से धर्मशाला व शिमला फिल्म समारोह निरंतरता के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। आश्चर्य यह कि ऐसे प्रयासों को व्यापक स्तर पर नहीं देखा जा रहा, जबकि केंद्र में अनुराग ठाकुर की उपस्थिति से हिमाचल में फिल्म समारोहों के माध्यम से सांस्कृतिक महत्त्व की उपस्थिति और जोर-शोर से हो जाती। कहना न होगा हिमाचल में सिने पर्यटन की इबारत तो लिखी जा चुकी है, लेकिन इसका अर्थ और महत्त्व को पहचाना नहीं जा रहा। एडीबी के सहयोग से परागपुर में अगर गोल्फ ग्राउंड की जमीन तलाशी जा सकती है, तो इससे भी पहले धरोहर गांव की खूबियों के साथ गरली-परागपुर को फिल्म सिटी की अधोसंरचना से जोडक़र ऐतिहासिक काम किया जा सकता है।

मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में भ्रष्टाचार को लेकर जनता से सहयोग मांगा था

भ्रष्टाचार के खिलाफ नरेन्द्र मोदी की मुहिम तेज होती जाएंगी

अशोक उपाध्याय

> मोदी भी भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाईं का बिगुल पूंक चुके हैं और इसके लिए जो अग्नि परीक्षा दे रहे हैं उसमें जनता का समर्थन नितांत जरूरी है। भ्रष्टाचार के खिलाफ नरेन्द्र मोदी की मुहिम तेज होती जाएंगी अशोक उपाध्याय पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है। इस वर्ष स्वाधीनता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में भ्रष्टाचार को लेकर जनता से सहयोग मांगा था।

अगले साल लोकसभा चुनाव होने हैं और भ्रष्टाचार की लड़ाईं को वुंद करने के लिए संसद से लेकर सड़क तक कोशिशें तेज होती जा रही हैं। मोदी भी भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाईं का बिगुल पूंक चुके हैं और इसके लिए जो अग्नि परीक्षा दे रहे हैं उसमें जनता का समर्थन नितांत जरूरी है। भ्रष्टाचार के खिलाफ नरेन्द्र मोदी की मुहिम तेज होती जाएंगी अशोक उपाध्याय पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाईं करने का भरोसा दिलाया है। इस वर्ष स्वाधीनता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में भ्रष्टाचार को लेकर जनता से सहयोग मांगा था। मोदी अपने दस साल के कार्यंकाल के आखिरी दौर में हैं और उनकी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू से सतर्व रही है। विपक्ष ने खासकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर लड़ावू विमान रापेल खरीद और उदृोगपति गौतम अडानी से रिश्तों को लेकर बार बार आरोप लगाये हैं लेकिन वह अभी तक कोईं ठोस सबूत पेश नही कर पाईं है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी अब रापेल का जिव्र नहीं करते हैं लेकिन अडानी को लेकर मोदी पर हमलावर है। अडानी का मामला उच्चतम न्यायालय में पहुंच चुका है लेकिन वहां भी मोदी सरकार पर अभी तक कोईं आंच नहीं आईं है। कांग्रेस एक बार फिर भ्रष्टाचार के मुद्दे पर खुद घिरती नजर आ रही है। नेशनल हेराल्ड केस में राहुल गांधी और सोनिया गांधी को प्रवर्तन निदेशालय (ईंडी) से झटका मिला है। जांच एजेंसी ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजीएल) और यंग इंडिया की 751.9 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर ली है। एजीएल की संपत्ति की वुल कीमत 661.69 करोड़ रुपए है। यह कार्रवाईं दिल्ली, लखनऊ और मुम्बईं में की गईं है। दूसरी ओर यंग इंडिया की प्रॉपटा की कीमत 90.21 करोड़ रुपए है। ईंडी ने वर्ष 2014 में दिल्ली के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के आदेश पर एजीएल और यंग इंडिया के खिलाफ पीएमएलए कानून के तहत जांच शुरू की थी जिसमे पाया गया कि इस मामले से जुड़े आरोपियों ने मेसर्स यंग इंडियन के जरिये एजीएल की सैकड़ों करोड़ रुपए की संपत्ति हासिल करने के लिए आपराधिक साजिश रची थी। आरोप है कि मेसर्स एजीएल को समाचार पत्र प्रकाशित करने के लिए सरकार द्वारा भारत के विभिन्न शहरों में रियायती दरों पर जमीन दी गईं थी। एजीएल ने वर्ष 2008 में

अपना प्रकाशन कार्यं बंद कर दिया और संपत्तियों का व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करना शुरू कर दिया। जांच में पाया गया कि एजीएल को 90.21 करोड़ का कर्ज अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को चुकाना था हालांकि कांग्रेस पाटा ने 90.21 करोड़ रुपए के इस कर्ज को माफ कर एजीएल को एक नईं वंपनी मेसर्स यंग इंडियन को महज 50 लाख रुपये में बेच दिया। आरोप है कि इसके बाद यंग इंडिया के शेयर गांधी परिवार और उनके करीबियों को दे दिए गए अर्थात एजीएल की करोड़ों की संपत्ति और यंग इंडिया पर परोक्ष रूप से गांधी परिवार का कब्जा हो गया। इससे पहले एजीएल ने एक विशेष जनरल मीटिग बाडी बुलाईं और प्रस्ताव पारित किया जिसके बाद एजीएल में 1000 से अधिक शेयरधारकों की शेयरधारिता घटकर मात्र एक प्रतिशत रह गईं। एजीएल यंग इंडिया की सहायक वंपनी बन गईं और यंग इंडिया ने एजीएल की संपत्तियों पर भी कब्जा कर लिया। इस मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, ऑस्कर फर्नांडिस, मोती लाल वोहरा और सुमन दुबे आरोपी हैं। ईंडी इस मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से पूछताछ भी कर चुकी है। ईंडी की कार्रवाईं पर कांग्रेस ने कहा कि ईंडी द्वारा एजीएल की संपत्तियों की वुका की खबरें पांच राज्यों में हो रहे चुनाव में हार से ध्यान हटाने की भारतीय जनता पाटा की हताशा को दर्शाती हैं। पीएमएलए कार्रवाईं केवल किसी विशेष या मुख्य अपराध के परिणामस्वरूप हो सकती है। किसी भी अचल संपत्ति का कोईं हस्तांतरण नहीं हुआ है। रुपए का कोईं लेनदेन नहीं हुआ है। दरअसल ऐसा कोईं शिकायतकर्ता नहीं है जो यह दावा करता हो कि उसे धोखा दिया गया है। कांग्रेस की दलील अपनी जगह पर है लेकिन इस तथ्य को उसे अदालत में साबित करना होगा। उसका यह आरोप कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के कारण ईंडी ने कार्रवाईं की है भले ही राजनीति लाभ के लिये दिया गया हो लेकिन हकीकत यह है कि यह मामला अदालत के आदेश पर आगे बढ़ा है और नौ वर्ष से अधिक वक्त बीत चुका है और अभी तक कोईं पैसला नहीं आया है। हाल में उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश धनंजय वाईं चंद्रचूड ने एक मामले की सुनवाईं के दौरान मुकदमें के निपटारे में होने वाले अत्यधिक विलंब पर नाराजगी जाहिर की थी। उच्चतम न्यायालय में कार्यंवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने वकीलों द्वारा बार-बार नए मामलों में स्थगन की मांग करने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने वकीलों को हिदायत दी कि वे तब तक स्थगन नोटिस दाखिल न करें जब तक कि बिल्वुल जरूरी न हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह नहीं चाहते कि अदालत को 'तारीख-पे-तारीख' अदालत के रूप में जाना जाए। यंग इंडिया का मामला भी तारीख पर तारीख का एक बड़ा मामला है और ऐसे में इस मुकदमे की मंथर गति से हो रही सुनवाईं पर सवाल खड़े होते रहे हैं। मोदी ने लाल किले के भाषण में दो टूक कहा था कि यह चिता का विषय है कि आज देश में भ्रष्टाचार के प्रति नफरत तो दिखती है, व्यक्त भी होती है लेकिन कभी-कभी भ्रष्टाचारियों के प्रति उदारता बरती जाती है, किसी भी देश में यह शोभा नहीं देगा। कईं लोग तो इतनी बेशमा तक चले जाते हैं कि कोर्ट में सजा हो चुकी हो, भ्रष्टाचारी सिद्ध हो चुका हो, जेल जाना तय हो चुका हो, जेल में सजा काट रहे हो, उसके बावजूद भी उनका महिमा मंडन करने में लगे रहते हैं। कथनी और करनी के लिहाज से मोदी देश दुनिया में एक दृढ़ निश्चय वाले राजनेता के रूप में जाने जाते हैं। मोदी की भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाईं तेज होती जा रही है। कांग्रेस की अगुआईं में बने विपक्षी दलों के गठबंधन के कईं नेता भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू प्रसाद यादव चारा घोटाले में दोषी करार दिये जा चुके हैं। ये नेता मोदी के खिलाफ लामबंद है। अगले साल लोकसभा चुनाव होने हैं और भ्रष्टाचार की लड़ाईं को वुंद करने के लिए संसद से लेकर सड़क तक कोशिशें तेज होती जा रही हैं। मोदी भी भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाईं का बिगुल पूंक चुके हैं और इसके लिए जो अग्नि परीक्षा दे रहे हैं उसमें जनता का समर्थन नितांत जरूरी है।

खाना पियो, पानी खाओ

> डेढ़ अरब के आसपास वाली आबादी के हमारे देश का 65 प्रतिशत से भी ज्यादा भाग ऐसे लोगों का है जिन्हें कोई न कोई बीमारी है। जवानी के दिन जीवन के आनंद और स्वास्थ्य के दिन होते हैं, लेकिन गलत जीवनचर्या, गलत खानपान और अस्वस्थ आदतों के कारण आज हमारा युवावर्ग भी विभिन्न बीमारियों का शिकार है। कुछ लोग कुपोषण के शिकार हैं और बहुत से दूसरे मोटापे के कारण बीमारियों से घिरे हैं। कई डाक्टरों, वैद्यों, प्राकृतिक चिकित्सकों और योगाचार्यों से लंबी बातचीत और अपने जीवन के कुछ अनुभवों के आधार पर मैं यह कह सकता हूं कि थोड़े से संयम और अनुशासन से हम अपने जीवन का नक्शा बदल सकते हैं। हम बचपन से ही सुनते आए हैं कि आधा पेट भोजन करना, दुगुना पानी पीना, शारीरिक श्रम करना और हंसते रहना अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

हाल ही में मुझे भारतीयों के स्वास्थ्य के बारे में कुछ ऐसी बातें जानने को मिलीं जिन्होंने मेरे मन-मस्तिष्क को झकझोर डाला। डेढ़ अरब के आसपास वाली आबादी के हमारे देश का 65 प्रतिशत से भी ज्यादा भाग ऐसे लोगों का है जिन्हें कोई न कोई बीमारी है। जवानी के दिन जीवन के आनंद और स्वास्थ्य के दिन होते हैं, लेकिन गलत जीवनचर्या, गलत खानपान और अस्वस्थ आदतों के कारण आज हमारा युवावर्ग भी विभिन्न बीमारियों का शिकार है। कुछ लोग कुपोषण के शिकार हैं और बहुत से दूसरे मोटापे के कारण बीमारियों से घिरे हैं। कई डाक्टरों, वैद्यों, प्राकृतिक चिकित्सकों और योगाचार्यों से लंबी बातचीत और अपने जीवन के कुछ अनुभवों के आधार पर मैं यह कह सकता हूं कि थोड़े से संयम और अनुशासन से हम अपने जीवन का नक्शा बदल सकते हैं। हम बचपन से ही सुनते आए हैं कि आधा पेट भोजन करना, दुगुना पानी पीना, शारीरिक श्रम करना और हंसते रहना अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। दूसरा सूत्र हम यह सुनते आए हैं कि खाना चबा-चबा कर खाना चाहिए। इन दोनों सूत्रों को विस्तार से समझने की आवश्यकता है। खाना स्वादिष्ट हो तो हम अक्सर भूख से भी ज्यादा खा लेते हैं। पहला सूत्र हमें बताता है कि भूख से ज्यादा भोजन करना स्वास्थ्यकर नहीं है। यहां हमें संयम की आवश्यकता होती है कि हम भोजन के स्वाद के लालच में न पड़ें और आवश्यकता से अधिक न खाएं। इसी सूत्र के अगले भाग में कहा गया है कि हम भोजन से दुगुना पानी पीयें, पर इसका विस्तार सूत्र में नहीं दिया गया है। पानी के साथ सावधानी यह आवश्यक है कि भोजन के बीच अथवा भोजन के तुरंत बाद पानी न पीयें, बल्कि भोजन से लगभग एक घंटा पहले या भोजन के डेढ़ घंटे बाद पानी पीयें। भोजन के साथ यदि आवश्यकता हो तो दो-तीन घूंट पानी पीयें तथा भोजन के तुरंत बाद भी गला साफ करने के लिए सिर्फ दो-तीन घूंट ही पानी पीयें। भोजन के बीच में तथा तुरंत बाद गटागट पानी पीना पाचन के लिए अच्छा नहीं है। जिन लोगों को भोजन के साथ ज्यादा प्यास लगती है वे बिना नमक वाली छाछ अथवा बिना चीनी या नमक मिलाये मौसम के अनुसार किसी फल का ताजा रस ले सकते हैं। इससे उनकी पानी की प्यास बुझ जाएगी। इसी सूत्र के साथ यह समझना भी आवश्यक है कि भोजन का समय निर्धारित होना चाहिए और दिन के भोजन को तीन या चार बार के बीच ही बांटना चाहिए। पश्चिम की यह धारणा कि थोड़ी-थोड़ी देर में थोड़ा-थोड़ा खाते रहना चाहिए, भारतीयों की शारीरिक रचना और मौसम के अनुकूल नहीं है। पहले सूत्र के ही विस्तार में आगे शारीरिक श्रम की बात कही गई है। कुछ लोग जॉगिंग करते हैं, दौड़ते हैं, टहलते हैं, सैर करते हैं या अलग-अलग व्यायाम करते हैं। स्वास्थ्य विज्ञान का स्पष्ट मत है कि सवेरे के समय योग अथवा बहुत हल्का व्यायाम करना चाहिए, भारी व्यायाम सवेरे के लिए माफिक नहीं है। शाम को सूरज ढलने से पहले ब्रिस्क वॉक (तेज-तेज चलना) सर्वाधिक स्वास्थ्यकर है। दोपहर के भोजन के बाद कम से कम 20 मिनट का विश्राम स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। रात के भोजन से पहले की सैर तो व्यायाम है जबकि भोजन के बाद का टहलना मनोरंजन है। पहले सूत्र का अंतिम भाग खुश रहने यानी तनावरहित रहने, चिंतित न होने, भावनाओं के आवेग में परेशान न होने, हताश न होने की सलाह देता है कि हम जीवन में रचनात्मक और धनात्मक रहें। यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि अकारण हंसने से भी उदासी दूर होती है, अतः हंसना और हंसते रहना अच्छी बात है। इसी सूत्र में एक बात और जोड़ी जानी आवश्यक है। यह हमारे देश के वातावरण और शरीर की प्रकृति के अनुकूल है कि हम लंच और ब्रेकफास्ट को आपस में बदल लें, यानी सवेरे भरपेट भोजन करें और दोपहर को हल्का भोजन लें। इससे दिन भर चुस्ती का आलम बना रहेगा और शरीर भी स्वस्थ रहेगा। हमारे देश में बहुत से बच्चे सवेरे कुछ भी खाये बिना स्कूल, कालेज चले जाते हैं तथा कामकाजी लोग कार्यालय या दुकान आदि पर चले जाते हैं, कुछ लोग सिर्फ दूध आदि लेकर चले जाते हैं। यह ध्यान रखने योग्य है कि सवेरे दूध लेना स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है, उसकी जगह फलों का ताजा रस लेना बेहतर है और सवेरे का नाश्ता न करना गलत आदत है। सवेरे उठने के आधे घंटे के अंदर-अंदर कोई फल खा लेना या ड्राई फ्रूट लेना स्वास्थ्यवर्धक होता है। दूध रात को लेना चाहिए और दूध के साथ कोई खट्टा फल नहीं लेना चाहिए, इसमें एक ही अपवाद है कि दूध के साथ आंवले का मुरब्बा लेना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना गया है। भोजन के बाद आइसक्रीम आदि कोई ठंडी चीज खाना बहुत हानिकारक है। कुछ मीठा खाना ही हो तो हलुवा, गुलाब जामुन आदि कुछ गर्म चीज लेनी चाहिए। दूसरा सूत्र कहता है कि भोजन चबा-चबाकर खाना चाहिए। मनीषियों ने तो इसे इस प्रकार कहा है कि जितने मुख में दांत हैं, उतनी बार भोजन को चबाना चाहिए। कुछ लोग मुंह में ग्रास डालते ही अगला ग्रास तोड़ लेते हैं, इससे ऐसी आदत बन जाती है कि हम भोजन को पूरा नहीं चबाते और शीघ्र ही निगल लेते हैं। इसीलिए कहा गया है कि 'खाना पियो', यानी उसे इतना चबा लो कि वह तरल बन जाए। हम भोजन को जितना चबाएंगे, वह उतना ही स्वादिष्ट लगेगा और स्वास्थ्यकर भी होगा। इसी सूत्र का अगला भाग कहता है कि 'पानी खाओ'। इस पूरे सूत्र को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। पानी खाओ का अर्थ है कि पानी कभी भी गटागट न पियें, बल्कि घूंट-घूंट करके और बहुत धीरे-धीरे पियें। हमारे पेट में अम्ल (एसिड) होता है और हमारे मुंह में बनने वाली लार क्षारीय है। हमारी लार जितना अधिक पेट में जाएगी, वह उतना ही शरीर को न्यूट्रल बनाएगी यानी अम्लीय अवस्था का समाधान करेगी, पेट में अम्ल होने से जलन होती है, खट्टे डकार आते हैं जबकि हमारी लार ही उनका इलाज है। भोजन चबा-चबाकर खाने तथा पानी घूंट-घूंट कर पीने से उनमें ज्यादा से ज्यादा लार मिलती है जो मुफ्त में प्राकृतिक ढंग से हमारी एसिडिटी का इलाज करती है। लार में बहुत से जीवाणु होते हैं जो हमारे शरीर के लिए तो ठीक हैं, परंतु थूक देने पर दूसरों के लिए बीमारी का कारण बनते हैं। इसीलिए कहा गया है कि थूकना नहीं चाहिए।

देश दुनीया से

पुलिस तंत्र में व्यापक सुधार की जरूरत

भारत के सभी राज्यों के अपने-अपने पुलिस बल हैं जो कानून व्यवस्था एवं लोक व्यवस्था को बनाए रखने और अपराध नियंत्रण तथा जनता से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करने के अलावा समाज के समस्त वर्गों में सद्भाव कायम रखने, महत्वपूर्ण व्यक्तियों एवं संस्थानों की सुरक्षा करने के साथ-साथ अपने नागरिकों की जान व माल की सुरक्षा करने की जिम्मदारी संभालते हैं। अमूमन देखा जाता है कि पर्याप्त संख्या में पुलिस बल होने के बावजूद अक्सर समस्याग्रस्त इलाकों में कई बार पुलिस का मौजूद न होना आम जनता की आंखों में खटकता है, वहीं विदेशों में पुलिस को घोड़ों, कारों में सवार होकर आधुनिक हथियारों एवं उपकरणों से सनद्ध देखकर मन में यह सवाल उठना लाजिमी है कि काश! यही तौर तरीके हमारे देश में क्यों नहीं लागू किए जाते हैं? कॉमन काज एवं सेंटर फॉर दि स्टडी डेवल्पिंग सोसाइटीज ने, 'भारत में पुलिस की स्थिति रिपोर्ट 2019 : पुलिस की पर्याप्तता और कार्य करने की स्थिति' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की थी जिसमें तत्काल पुलिस सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया गया था। जाहिर है कि पुलिस तंत्र में व्यापक सुधारों की मांग आज भी समय की आवश्यकता है। आज के दौर में अपराधियों की बदलती कार्यशैली के दृष्टिगत पुलिस की भूमिका भी बदल रही है और उसे भी शातिर अपराधियों और आतंकवादियों की चुनौती से निपटने हेतु नवीनतम हथियारों और कंप्यूटर विज्ञान की तकनीकों से प्रशिक्षित किया जा रहा है, लेकिन फिर भी साइबर ठगी, नशीले एवं मादक पदार्थों का बढ़ता कारोबार और घरों में चोरियों की घटनाओं के अपराधियों तक पुलिस की पहुंच को आसान बनाने के लिए उन्हें बेहतरीन उपकरण, प्रशिक्षित डॉग्स स्क्वाड, वाहन और विशेष कार्यबल की उपलब्धता पर ध्यान देने की जरूरत है। भारत में अभी भी कई पुलिस कानून अंग्रेजों के समय के पुलिस अधिनियम-1861 पर आधारित हैं, जिनमें व्यापक सुधारों एवं बदलाव की जरूरत है। 1977 में जनता पार्टी की सरकार ने श्री धर्मवीर की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पुलिस आयोग का गठन किया था, 4 वर्षों में आयोग ने अपनी आठ जांच रिपोर्टें सौंपी थीं, लेकिन इन सिफारिशों को कभी भी लागू नहीं किया गया। इसके बाद भी कई समितियां बनी, लेकिन पुलिस सुधारों का मसला अभी भी अधर में लटका हुआ है। आज भी जैसे फिल्मों में घटना घटने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचती है, कुछ कुछ वैसे ही हालात वर्तमान परिस्थिति में बने हुए हैं। अपराधी अपना काम कर निकल जाते हैं और पुलिस घंटों बाद घटनास्थल पर पहुंचती है। कहीं कहीं पुलिस वालों के पास वाहन हैं तो पैट्रोल नहीं है, तो वहीं कई मामलों में पुलिस टालमटोल वाला रवैया भी अपनाती है अथवा मामलों को रफा-दफा करने का काम भी करती है। यदि देश में कानून व्यवस्था एवं अमन-शांति को बरकरार रखना है तो केंद्र एवं राज्य सरकारों को न केवल पुलिस सुधारों को अमलीजामा पहनाना होगा, अपितु पुलिस कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी करके उन्हें अत्याधुनिक सुविधाओं द्वारा देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को यकीनी बनाने वाले बल के रूप में तैयार करना होगा। पश्चिमी देशों की तर्ज पर भारत में भी स्मार्ट पुलिसिंग व्यवस्था को लागू किए जाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को व्यापक सुधारों को लागू करने के साथ-साथ पुलिस बलों के लिए बजटीय आबंटन बढ़ाने की जरूरत है।

> 'भारत में पुलिस की स्थिति रिपोर्ट 2019 : पुलिस की पर्याप्तता और कार्य करने की स्थिति' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की थी जिसमें तत्काल पुलिस सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया गया था। जाहिर है कि पुलिस तंत्र में व्यापक सुधारों की मांग आज भी समय की आवश्यकता है। आज के दौर में अपराधियों की बदलती कार्यशैली के दृष्टिगत पुलिस की भूमिका भी बदल रही है और उसे भी शातिर अपराधियों और आतंकवादियों की चुनौती से निपटने हेतु नवीनतम हथियारों और कंप्यूटर विज्ञान की तकनीकों से प्रशिक्षित किया जा रहा है, लेकिन फिर भी साइबर ठगी, नशीले एवं मादक पदार्थों का बढ़ता कारोबार और घरों में चोरियों की घटनाओं के अपराधियों तक पुलिस की पहुंच को आसान बनाने के लिए उन्हें बेहतरीन उपकरण, प्रशिक्षित डॉग्स स्क्वाड, वाहन और विशेष कार्यबल की उपलब्धता पर ध्यान देने की जरूरत है।

दृष्टिकोण

फिर वही दर्द, वही जिगर

मुंह में राम-राम बगल में छुरी' बहुत पुराना मुहावरा है। ऐसे पुराने मुहावरों से अब किसी को चौंकाया नहीं जा सकता है, और न ही इसे एक तीखा व्यंग्य बना सच को झूठ के सात पर्दों से बाहर लाया जा सकता है। जब भी इस देश के आम आदमी के कल्याण और उद्धार के लिए ऊंची मीनारों से कोई घोषणा होती है, तो बरसों से भूख और अजहद गरीबी की कतार में खड़े लोग अप्रभावित रहते हैं। ये घोषणाएं न तो किसी नई उम्मीद का सिलसिला बनती हैं, और न ही किन्हीं नए सपनों के अदना से कुतुबमीनार रच पाती हैं। लोग तो विकास और प्रगति के आंकड़ों से चुंधियाने के बावजूद 'अच्छे दिनों' की कल्पना को किसी भूली बिसरी कहानी की तरह खो देना चाहते हैं, लेकिन क्या करें? एक सौ पैंतालीस करोड़ के इस भीड़ भरे देश में रिकार्ड समय में कोरोना को विदा कर दिया गया, तो इसका दायित्व उस कुशल और जनकल्याण से प्रतिबद्ध सरकार को जाता है, जिसने राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान में नए रिकार्ड स्थापित किए हैं। आज हमारे देशवासी इसीलिए तो पुनः तरक्की की राह पर हैं, अर्थव्यवस्था पुनः दस प्रतिशत के उस आंकड़े को प्राप्त कर लेगी, जहां देश और उसका अर्थतंत्र स्वतः स्फूर्त हो जाता है। अब इन आंकड़ों और इन रपटों की सुनें तो लगता है, देश में अच्छे दिन नहीं आए। यह मिथ्या प्रचार है। यहां जनता खुश है, राहत की सांस ले रही है। जरा महानगरों के संडे बाजारों की ओर देखो, देश के पर्यटन स्थलों में बढ़ती भीड़ को देखो, क्या तुम्हें नहीं लगता कि अच्छे दिन आ चुके हैं, और अपना देश कायाकल्प के नए उजाले से भर गया है। अब किसकी सुनें, और किस पर विश्वास करें? अपनी धरती का सच टटोलते हैं, तो लगता है इन दिनों न जाने कितने लोग अपनी जड़ों से उखड़ गए। नए भारत की कल्पना के साथ महानगरों में धंधा ढूंढ कभी अपनी गृहस्थी जमायी थी। महामारी के एक वज्रपात ने ही उन्हें फिर पलायन कर अपने गांव-घरों में लौटने के लिए मजबूर कर दिया। जी हां, उन्हीं गांव-घरों में जिन्होंने कभी उन्हें उनके पुश्तैनी जीवन का विस्तार देने से मना कर दिया था। इसी कारण तो वह अपनी धरती से अजनबी होकर महानगरों में, देस में, परदेस में वैकल्पिक जीवन की तलाश में निकल गए थे। अब विकट दिनों के वज्रपात ने उन्हें वापस लौटने के लिए विवश कर दिया। वह वापसी जिसके स्वागत के लिए वहां कोई बाहें फैली हुई नजर नहीं आईं। लेकिन आंकड़ों के धरातल पर फैली हुई घोषणाओं की हवा कहती है, बन्धुवर, चलो वापस गांव-घरों की ओर। हम वहां नया आत्मनिर्भर भारत बनाएंगे।' तुम्हारी फसलों के उपयोग के लिए कुटीर और लघु उद्योगों की एक नई दुनिया व हजारों लाखों निवेशक खड़े करेंगे। ये घोषणाएं सुनहरी लगती हैं। इनकी सदा भी बहुत आकर्षक लगती है, लेकिन किंकत्र्तव्यविमूढ़ खड़ी है, गांव-घरों को लौटी भीड़। नए निवेशकों की कोई जमात वहां उनका इंतजार नहीं कर रही। दुनिया वैसी की वैसी है, उनके लिए जर्जर और कराहती हुई। हां, चन्द लोगों के घर और भी आलीशान हो गए। विकट समय ने करोड़पति, अरबपति बना दिए। लेकिन गरीबी क्यों और गरीब हो गई। बढ़ती भूख, बढ़ता कुपोषण नरकंकाल होते लोगों के लिए मृत्यु संदेश ले आया।

रूसी राष्ट्रपति ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में दबाव के लिए प्रमुख देशों को जिम्मेदार ठहराया, कही यह बात

मॉस्को ।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में दबाव के लिए अन्य प्रमुख देशों को जिम्मेदार ठहराया है। भारत द्वारा आयोजित जी-20 बैठक को वीडियो लिंक के माध्यम से संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि रूस और यूक्रेन में न्याय बहाल करने के हमारे प्रयासों से इसका कोई संबंध नहीं है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था द्वारा अनुभव किया गया बड़ा दबाव कुछ देशों की बिना सोच-समझ के अपनाई गई व्यापक आर्थिक नीति का प्रत्यक्ष परिणाम है। गौरतलब है कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई थी। साथ ही खाद्य सुरक्षा का खतरा पैदा हो गया था और ईंधन की कीमतें में भारी वृद्धि देखने को मिली थी। पुतिन ने कहा कि कोविड महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया था। इसके अलावा अर्थव्यवस्था और बैंकिंग प्रणाली में डाले गए खरबों डॉलर और यूरो ने वैश्विक मुद्रास्फीति में वृद्धि के साथ खाद्य और ऊर्जा की कीमतों में तेजी से वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की कार्रवाई के परिणामस्वरूप, हमने प्रमुख ब्याज दरों में वृद्धि देखी। इस कारण सबसे गरीब देश इससे सबसे अधिक प्रभावित हुए। पुतिन ने कहा कि कुछ देशों द्वारा अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने के लिए अपनाए गए गैरकानूनी व्यापार प्रतिबंध और जलवायु एजेंडा का अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव जारी है। बाल्टिक सागर के नीचे नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन में विस्फोट का जिक्र करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धियों को खत्म करने और लाभ हासिल करने के लिए प्रतिस्पर्धा के गलत तरीकों का इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें परिवहन और रसद श्रृंखलाओं और अंतरराष्ट्रीय भुगतान व्यवस्थाओं को नष्ट करना और यहां तक कि ये देश आतंकवाद के कृत्य में भी शामिल हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था और विश्व की मौजूदा स्थिति पर टिप्पणी करते हुए रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि चुनौतियों से निपटने के लिए आम सहमति पर आधारित सामूहिक निर्णय की आवश्यकता है जो वैश्विक समुदाय, विकसित और विकासशील देशों के विशाल बहुमत को प्रतिबिंबित करेगा। पुतिन ने कहा कि दुनिया बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। नए वैश्विक और आर्थिक केंद्र उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार गतिविधि का बड़ा हिस्सा एशियाई, अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों में स्थानांतरित हो रहा है, जहां दुनिया की अधिकांश आबादी रह रही है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका की बाइडन सरकार में जवाबदेही की भारी कमी, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के सहयोगी काश पटेल का दावा

वॉशिंगटन । पूर्व राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के शासन में रहे एक अधिकारी का कहना है कि अमेरिका की सरकार में उन लोगों द्वारा जवाबदेही की भारी कमी है, जिन्होंने कानून की धज्जियां उड़ाई हैं और पद पर बने हुए हैं। ट्रंप के पूर्व राष्टीय सुरक्षा सहायक और भारतीय-अमेरिकी अटॉर्नी काश पटेल की नई किताब में अमेरिकी नौकरशाही की बहुत ज्यादा आलोचना की गई है। उनकी नई किताब गवर्नमेंट गैंगस्टर में कहा गया है कि अमेरिका की सरकार में कानून तोड़ने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। पटेल ने एक अन्य संदर्भ में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के हितों को आगे बढ़ाते हुए वैश्विक पटल पर बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा, हालांकि अभी, जैसा कि मैं देखता हूं, भारत अमेरिकी संबंधों की तुलना में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन 5र दक्षिण अफ्रीका) संगठन में अधिक शामिल है। यह राष्टपति जो बाइडन द्वारा भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता नहीं देने का सीधा परिणाम है। पटेल ने कहा, किताब लिखने के पीछे का मकसद यह था कि मैंने दोनों प्रशासनों (डेमोक्रेट और रिपब्लिकन) में 16 साल तक काम किया। इस दौरान मुझे समझ आ गया कि सरकार में उन लोगों द्वारा जवाबदेही की भारी कमी है, जिन्होंने पद पर रहते हुए कानूनों को तोड़ा है। मैंने सोचा कि जो मैंने देखा और महसूस किया है उसे सबके सामने लाऊं। इसलिए मैंने लिखने का फैसला किया। साथ ही इस समस्या का समाधान प्रदान करने की कोशिश का एक हिस्सा था कि किस प्रकार सरकार में शीर्ष पर बैठे प्रभावशाली लोगों की गुप्त साजिशों को परास्त किया जाए, यह हमारे सबसे महत्वपूर्ण अभियानों में से एक है। एक सवाल के जवाब में पटेल ने आरोप लगाया कि बाइडन प्रशासन और 'ऐसे शीर्ष पदों पर बैठे लोगों' के बीच सांठगांठ है। 43 वर्षीय अटार्नी ने आरोप लगाया, बाइडन प्रशासन इन भ्रष्ट 'गवर्नमेंट गैंगस्टर' से भरा हुआ है, जिन्हें मैं अपनी पुस्तक में नाम और शीर्षक से सूचीबद्ध करता हूं।

पाकिस्तान में आंतकियों का साया गहराया, एक दिन में चार जगह हुए बम विस्फोट; दो सैनिकों समेत नौ की मौत

इस्लामाबाद । आजकल पाकिस्तान में आंतकी घटनाओं की संख्या तेजी से बढ़ गई है। आए दिन देश के किसी न किसी हिस्से में आतंकी हमला होने की खबर आ ही जाती है। अब पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के अशांत कबायली इलाकों में चार अलग-अलग आतंकी घटनाओं की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि इन हमलों में दो सैनिकों समेत नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान, दक्षिणी वजीरिस्तान और बाजौर कबायली जिलों में बुधवार को बम विस्फोट की घटनाएं हुई हैं। 1. उत्तरी वजीरिस्तान जिले के रजमक इलाके में सुरक्षा बलों के एक काफिले पर आतंकवादियों के हमले में दो सैनिक मारे गए। 2. दक्षिण वजीरिस्तान जिले के वाना में एक दुकान में हुए बम विस्फोट में बुजुर्ग असलम नूर, उनके दो बेटों और एक स्थानीय दुकानदार की मौत हो गई। 3. बाजौर कबायली जिले में दो अलग-अलग विस्फोट हुए। पहला बम विस्फोट एक कार में हुआ, इसमें दो सामाजिक कार्यकर्ताओं की जान चली गई।

नूपुर शर्मा का समर्थन करने वाले वाइल्डर्स बन सकते हैं नीदरलैंड के प्रधानमंत्री, जानिए कौन हैं

एम्सटर्डम। धुर दक्षिणपंथी नेता गीर्ट वाइल्डर्स नीदरलैंड के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। दरअसल एग्जिट पोल्स के अनुमान के अनुसार वाइलडर्स की पार्टी फॉर फ्रीडम आम चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर सकती है। एग्जिट पोल्स में दावा किया जा रहा है कि पीवीवी आम चुनाव में करीब 35 सीटों पर जीत दर्ज कर सकती है। गीर्ट वाइल्डर्स ने अपना एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वह जीत का जश्न मनाते दिख रहे हैं। नूपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद पर की गई टिप्पणी पर दुनियाभर में बवाल मचा था। हालांकि गीर्टवाइल्डर्स ने नूपुर शर्मा का समर्थन किया था। गीर्ट वाइल्डर्स ने भारत सरकार से भी अपील की थी वह कट्टरपंथी मुस्लिम देशों के दबाव में ना आएं। गीर्ट वाइल्डर्स कई बार इस्लाम विरोधी टिप्पणी कर चुके हैं और वह यूरोपियन यूनियन को भी बेकार बता चुके हैं। गीर्ट वाइल्डर्स ने कहा था कि यह हैरान करने वाली बात है कि अरब और इस्लामिक देश नूपुर शर्मा के बयान पर भड़के हैं। भारत सरकार से अपील करते हुए गीर्ट वाइल्डर्स ने कहा कि तुष्टीकरण से कभी कोई फायदा नहीं होता, इससे चीजें खराब होती हैं।

इजराइल-हमास समझौते के बाद बाइडन ने की नेतन्याहू से बात; पश्चिम एशिया के नेताओं को भी किया फोन

वॉशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) के कई नेताओं को फोन किया। उन्होंने क्षेत्र के ताजा हालात पर चर्चा करने के लिए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी से बात की। बातचीत ऐसे वक्त हुई, जब बंधकों की रिहाई को लेकर इजराइल और हमास के बीच बड़ा समझौता हुआ है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक बयान में कहा कि मैं कतर के शेख तमिम बिन हमद अल-थानी और मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी के अहम नेतृत्व और इस समझौते पर पहुंचने में उनकी भागीदारी के लिए उनका शुक्रिया अदा करता हूं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी सरकार की प्रतिबद्धता की भी सराहना की जानी चाहिए।

दरअसल, इजराइल और हमास ने बीते दिन 150 फलस्तीनी बंदियों के बदले गाजा में आतंकी समूह की गिरफ्त में रखे गए 50 बंधकों की रिहाई और घिरे क्षेत्र में मानवीय सहायता की मंजूरी के लिए अस्थायी चार दिवसीय युद्धविराम पर हामी भरी थी। यह समझौता लागू होने के बाद 7 अक्तूबर से जारी जंग के बाद से पहली बड़ी कूटनीतिक सफलता हो सकता है।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कही यह बात

इससे पहले प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि हमारे सभी लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध जारी रहेगा। नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक से पहले जोर दिया कि समझौता इजराइल के सैन्य अभियान से हमास पर दबाव बढ़ने का नतीजा है। उन्होंने कहा कि जब तक हर व्यक्ति देश नहीं लौटता, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे। युद्ध के कई चरण हैं और बंधकों की वापसी भी चरणबद्ध होगी।

समझौते को तीन के मुकाबले 35 वोट से मंजूरी

इसके बाद तेल अवीव में लगभग छह घंटे तक एक अहम बैठक हुई। खत्म हुई बैठक के बाद इजराइल कैबिनेट ने कतर, मिस्त्र और अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को तीन के मुकाबले 35 वोट से मंजूरी दी। धुर दक्षिणपंथी ओत्जमा येहुदित पार्टी के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्विर सहित पार्टी के मंत्रियों ने इसके खिलाफ वोट किया। कैबिनेट की बैठक से पहले युद्ध कैबिनेट और सुरक्षा कैबिनेट की बैठक हुई।

गाजा में बंधक चार दिन में रिहा किए जाएंगे

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक, गाजा में बंधक बनाई गईं 50 महिलाओं और बच्चों को चार दिन में रिहा किया जाएगा। इस दौरान युद्ध विराम रहेगा। हर 10 अतिरिक्त बंधकों की रिहाई पर युद्ध विराम अगले दिन के लिए बढ़ा दिया जाएगा। युद्धविराम गुरुवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे प्रभावी होगा।

इजराइल ने 300 फलस्तीनियों की सूची जारी की

इस बीच इजराइल ने 300 फलस्तीनियों की सूची जारी की है। इन्हें समझौते के तहत रिहा किया जा सकता है। सूची में मुख्य रूप से पत्थर फेंकने और अन्य छोटे अपराधों के लिए पिछले साल हिरासत में लिए गए किशोर शामिल हैं। पहले चरण में सिर्फ 150 कैदियों की रिहाई की जा सकती है। इजराइली सेना का कहना है कि युद्ध शुरू होने के बाद से उसने वेस्ट बैंक में 1,850 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों को हिरासत में लिया है, जिनमें से अधिकतर संदिग्ध हमास सदस्य हैं।

समझौते के अहम बिंदू

कतर के विदेश मंत्रालय की ओर से बयान जारी कर समझौते की घोषणा की गई।

इसे मिस्त्र, अमेरिका और कतर की ओर से मानवीय संघर्ष विराम के लिए की गई मध्यस्थता का नतीजा बताया गया।

समझौते से गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति भी बढ़ेगी। इससे राहत सामग्री ले जाने वाले वाहनों के काफिलों को बढ़ने की अनुमति मिल जाएगी।

गाजा के अस्पतालों को हमास ने बनाया ठिकाना, आईडीएफ ने फुटेज जारी कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर बोला हमला

यरुशलम ।

इजराइल पर सात अक्तूबर को हुए हमास के आतंकी हमले के बाद से युद्ध लगातार जारी है। एक महीने से अधिक समय से जारी हिंसक संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र समेत कई देशों ने चिंता जताई है। शांति बहाली और युद्धविराम की अपीलों के बीच इजराइल के रक्षा बलों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक सवाल रखा है। उन्होंने गाजा पट्टी के अस्पतालों को आतंकी ठिकानों के रूप में इस्तेमाल किए जाने का हवाला दिया और पूछा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय हमास की ऐसी हरकतों को रोकने के लिए क्या करेगा

अस्पतालों के नीचे सुरंगें बनाईं

आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगरी ने आगे कहा कि इजराइल का युद्ध हमास के साथ है न कि गाजा के लोगों के साथ। हगरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो जारी कर कहा कि हमास अपना आतंक फैलाने के लिए गाजा के अस्पतालों का उपयोग कर रहा है। आतंकियों ने अस्पतालों के नीचे सुरंगें बनाईं और उनका इस्तेमाल अपने अभियानों की कमान संभालने के लिए किया। हगरी ने आगे कहा, हमास अस्पतालों को अपने बचाव के लिए ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। यह उन वहशी आतंकवादियों की प्रकृति है, जिनसे हम लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सच सबके सामने चुका है कि हमास आतंक फैलाने और हमले के लिए गाजा के अस्पतालों का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, हमारा अंतरराष्ट्रीय समुदाय से एक महत्वपूर्ण सवाल है कि आप भविष्य में गाजा के अस्पतालों को आतंकवादी ठिकानों में बदलने से रोकने के लिए क्या करेंगे क्या आप हमास की निंदा करेंगे या चुप रहेंगे उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह से साफ करना चाहता हूं कि इजराइल का युद्ध हमास के साथ है, गाजा के लोगों के साथ नहीं।

ड्रोन फुटेज से सच्चाई सामने आई

आईडीएफ ने ड्रोन फुटेज भी जारी किया है। इसमें आतंकवादी समूह हमास द्वारा अल शिफा अस्पताल के नीचे कथित तौर पर एक परिसर का इस्तेमाल करते हुए देखा जा सकता है।

शुक्रवार को बंधकों की रिहाई तक नहीं होगा युद्धविराम, हमास से समझौते के बाद इजराइल का एलान

तेल अवीव ।

इजराइल के अधिकारियों का कहना है कि हमास से समझौते के तहत शुक्रवार से पहले किसी बंधक की रिहाई नहीं होगी और शुक्रवार तक युद्धविराम भी नहीं होगा। हमास के साथ हुए समझौते को इजराइल की सरकार ने भी मंजूरी दे दी है, जिसके बाद बंधकों की रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जाची हानेगबी ने बुधवार को अपने एक बयान में कहा कि हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई शुक्रवार से पहले नहीं होगी। बता दें कि इजराइल हमास के बीच हुए समझौते के तहत गाजा में चार दिनों तक युद्धविराम होगा और इसके बदले में हमास इजराइल के कम से कम 50 बंधकों को रिहा करेगा। वहीं बदले में इजराइल को कम से कम 150 फलस्तीनी कैदियों को भी रिहा करना पड़ेगा। साथ ही इजराइल गाजा में मानवीय मदद भेजने की भी अनुमति देगा। समझौते के तहत हमास द्वारा रिहा किए जाने वाले बंधकों में बच्चे और महिलाएं होंगी। वहीं इजराइल द्वारा रिहा किए जाने वाले कैदियों में भी महिलाएं और 18 साल से कम के किशोर शामिल होंगे। इजराइल हमास के बीच हुए समझौते के तहत इजराइल जिन कुल 300 फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, उनमें किशोर कैदी शामिल हैं।

अमेरिका-कनाडा को जोड़ने वाले ब्रिज पर कार विस्फोट में दो की मौत, जांच में जुटी एफबीआई

वॉशिंगटन ।

अमेरिका और कनाडा को जोड़ने वाले एक ब्रिज पर वाहन में विस्फोट होने से दो लोगों की मौत हो गई। साथ ही दोनों देशों के बीच आवागमन स्थगित कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क के नियाग्रा फॉल्स के पास वाहन में विस्फोट के बाद रेनबो ब्रिज को बंद करना पड़ा। फिलहाल एफबीआई आतंकवादी हमले के एंगल से इस मामले की जांच कर रही है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने एक बयान में कहा कि स्थिति बहुत अस्थिर है। बयान में कहा गया कि एफबीआई इस जांच में स्थानीय, राज्य और संघीय एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विस्फोट के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने क्षेत्र में चार अमेरिका-कनाडा बॉर्डर क्रॉसिंग को बंद कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट में मरने वालों की राष्ट्रीयता अभी तक साफ नहीं हो सकी है। अमेरिका के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि कार अमेरिका की ओर से आ रही थी। बॉर्डर क्रॉसिंग पर सीमा शुल्क स्टेशन से टकराने के बाद वाहन में विस्फोट हो गया।

अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को नियाग्रा फॉल्स में अमेरिका-कनाडा को जोड़ने वाले ब्रिज के अमेरिकी हिस्से में एक चेकपॉइंट पर एक वाहन में विस्फोट हो गया, जिससे सीमा पार आवाजाही बंद हो गई। यह विस्फोट रेनबो ब्रिज के अमेरिकी हिस्से पर हुआ, जो नियाग्रा नदी पर बना है और दोनों देशों को जोड़ता है। इस घटना के बाद एहतियात के तौर पर पश्चिमी न्यूयॉर्क और ओंटारियो के बीच तीन अन्य ब्रिज को तुरंत बंद कर दिया गया। सुरक्षा अधिकारियों ने बफेलो-नियाग्रा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सभी कारों की जांच शुरू कर दी और यात्रियों से जांच में सहयोग करने की अपील की गई है।

नियाग्रा फ्रंटियर ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बफेलो हवाई अड्डे पर आने वाली सभी कारों की सुरक्षा जांच की जा रही है। हम यात्रियों को अतिरिक्त जांच की भी उम्मीद करते हैं। फिलहाल वाहन विस्फोट की वजह सामने नहीं आई है। बफेलो में एफबीआई के फील्ड कार्यालय ने एक बयान में कहा कि वह विस्फोट की जांच कर रहा है और अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद हैं।

विस्फोट के 30 फीट ऊंचा आग का गोला बना

स्थानीय लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर विस्फोट की तस्वीरें और वीडियो साझा किए गए हैं। जिसमें फुटपाथ पर घना धुआं और आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। एक चश्मदीद ने कहा कि कार में विस्फोट के बाद 30 या 40 फीट ऊंचा आग का गोला बन गया। उन्होंने कभी ऐसा दृश्य नहीं देखा। एक अन्य चश्मदीद ने कहा कि वह और उसका दोस्त ब्रिज के पास थे और उन्होंने कुछ टूटने की आवाज सुनी। इसके बाद आग और काला धुआं उठता दिखाई दिया।

पड़ोसी मुल्क में लुढ़क रहे हैं भारत के खिलाफ आग उगलने वाले, कौन है पाक में मारा गया असलम वजीर

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में भारत के दुश्मनों के मारे जाने का सिलसिला खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। जिन लोगों का खात्मा हो रहा है, उनमें जैश-ए-मोहम्मद, डी कंपनी, लश्कर-ए-तैयबा, लश्कर-ए-जब्बर और लश्कर-आई-जांगवी सहित कई आतंकी संगठनों से जुड़े दहशतगर्द शामिल हैं। अब इस कड़ी में वे लोग भी शामिल हो रहे हैं, जो प्रत्यक्ष तौर पर आतंकी संगठनों के साथ न जुड़कर, दूसरे तरीके से भारत के खिलाफ साजिश रचने और आग उगलने के लिए जाने जाते हैं। एक रोज पहले ही भारत के मुखर आलोचक रहे मलिक असलम वजीर की एक ब्लास्ट के जरिए हत्या कर दी गई है। यह घटना, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र में साउथ वजीरीस्तान के दाजा घुंडई इलाके में हुई है।

वजीर के साथ बेटा और एक व्यक्ति मारा गया - सूत्रों का कहना है कि मलिक असलम वजीर द्वारा कई बार भारत के खिलाफ जहरीले भाषण दिए गए थे। उसके द्वारा कही गई बातों के आधार पर आतंकी समूहों में नए लड़कों की भर्ती हो रही थी। उन्हें पाकिस्तान में राष्ट्रपति पुरस्कार भी मिल चुका है। विस्फोट की घटना में असलम वजीर के साथ उनका बेटा और एक अन्य व्यक्ति भी मारा गया। इससे पहले पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का संस्थापक और भारत का मोस्ट वांटेड मौलाना मसूद अजहर का करीबी मौलाना रहीम तारिक उल्ला मारा गया था। 13 नवंबर को कराची में उसे अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी थी। सूत्रों का कहना है कि वह कराची में भारत के खिलाफ एकत्रित हुई लोगों की भीड़ को संबोधित करने जा रहा था। उससे पहले लश्कर ए तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद का करीबी अकरम खान उर्फ अकरम गाजी भी पाकिस्तान के बाजापुर में अज्ञात हमलावरों की गोली का निशाना बना था। पाकिस्तान में इस साल मारे जाने वाले आतंकियों की संख्या करीब डेढ़ दर्जन तक पहुंच गई है।

आतंकियों को कौन कर रहा है खत्म - केंद्रीय एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान में भारत के मोस्ट वांटेड एवं उनके सहयोगी लगातार मारे जा रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि आईएसआई, इन आतंकियों को महफूज रखने का प्रयास नहीं कर रही। इसके बावजूद आतंकी, अज्ञात हमलावरों का निशाना बन रहे हैं। हालांकि आईएसआई की तरफ से ऐसा आरोप लगाया जाता है कि इन सब हत्याओं के पीछे भारतीय एजेंसियों का हाथ है। दो तीन सप्ताह के अंतराल पर किसी न किसी आतंकी संगठन जैसे जैश-ए-मोहम्मद, डी कंपनी, लश्कर ए तैयबा, लश्कर-ए-जब्बर और लश्कर-आई-जांगवी आदि समूहों के सदस्य मारे जा रहे हैं। पाकिस्तानी आईएसआई ने हिज्बुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन, जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर और लश्कर ए तैयबा प्रमुख हाफिज सईद को सुरक्षा घेरा प्रदान किया है। इन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ियां मुहैया कराई गई हैं। उन्हें सतर्क किया है कि वे अपने ठिकाने से बाहर न निकलें।

अभी तक हुआ इन आतंकियों का खात्मा - पाक अधिकृत कश्मीर सेक्टर में मुजफ्फराबाद से लगभग 73 किलोमीटर दूर अथमुकाम तहसील में कुछ दिन पहले मियां मुजाहिद मारा गया था। मियां मुजाहिद के बारे में कहा जाता है कि जम्मू कश्मीर में 2018 के दौरान सेना के सुंजवान कैंप पर हुए आतंकी हमले का मास्टर माइंड ख्वाजा शाहिद था। आर्मी कैंप पर हुए हमले में तीन आतंकियों के शव बरामद किए गए थे। उस हमले को नाकाम बनाने में पांच जवान शहीद हुए थे। एक जवान के पिता की मौत और महिला एवं बच्चों समेत दस लोग घायल हो गए थे। आतंकियों के पास से एके56 राइफल, ग्रेनेड और भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किया गया था। पाकिस्तान में अभी तक अकरम खान उर्फ अकरम गाजी, ख्वाजा शाहिद उर्फ मियां मुजाहिद, मोहम्मद सलीम, दाऊद मलिक, शाहिद लतीफ, मुल्ला बाहौर उर्फ होर्मुज, बशीर अहमद पीर उर्फ इम्तियाज, अबु कासिम, परमजीत सिंह पंजवड़, जहूर मिस्त्री, खालिद रजा और अब्दुल सलाम भट्टावी जैसे आतंकी मारे जा चुके हैं।

डी कंपनी का गुर्गा भी हुआ ढेर - पाकिस्तान में भारत के वांटेड आतंकी दाऊद इब्राहिम की डी कंपनी का एक गुर्गा अक्तूबर में मारा गया था। मोहम्मद सलीम, कराची की दिल्ली कालोनी का रहने वाला था। सलीम की हत्या करने के बाद उसकी बॉडी, दरगाह अली शाह सखी सरमस्त के निकट ल्यारी नदी में फेंक दी गई।

पीएम मोदी के नेतृत्व में राज्य की जनता भाजपा को देगी प्रचंड बहुमत : अमित शाह

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान की जनता उन्हें प्रचंड बहुमत देने के लिए खड़ी है। यहां सभी रिकॉर्ड तोड़कर भाजपा की सरकार बनेगी। देशभर में प्रचलित ओल्ड पेंशन स्कीम पर वे बोले कि ओपीएस को लेकर भी कमेटी बनायी है। यहां पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि राजस्थान में पिछले पांच साल में प्रतिदिन 19 मामले सामने आए हैं। यहां 35 हजार से ज्यादा दुष्कर्म की घटनाएं दर्ज हुई हैं। देशभर में रेप के केसों में यहां 22 प्रतिशत मामले हैं, फिर भी अशोक गहलोत सरकार के कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। महिलाएं एकजुट होकर अशोक गहलोत के खिलाफ और नरेंद्र मोदी के साथ नजर आ रही हैं। साथ ही राजस्थान में 19 हजार से ज्यादा किसानों की भूमि को नीलाम किया। किसानों से कर्ज माफी का वादा करके आई गहलोत सरकार पांच साल में 5 प्रतिशत किसानों का भी कर्ज माफ नहीं कर पाई। किसान गहलोत सरकार के खिलाफ भाजपा के साथ लामबंद होकर खड़े हैं। यहां दर्जनों किसान आत्महत्या कर चुके हैं। इसके अलावा राज्य में भर्तियों में पेपरलीक के मामले में एक प्रकार से सारे रिकॉर्ड तोड़ गए। पूरे देशभर में 3 साल में 15 से ज्यादा पेपरलीक के मामले कहीं नहीं देखे गए। करीब 40 लाख से ज्यादा युवा अभ्यर्थी इन परीक्षाओं में बैठने वाले थे। उनके भविष्य को गहलोत सरकार ने बर्बाद किया है। यहां तक कि इन मामलों की सही जांच नहीं करवाई गई है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने यह भी कहा कि पीएम मोदी ने देश को सुरक्षित किया है, समृद्ध किया है, अर्थव्यवस्था को 5वें नंबर पर लेकर आएं, तिरंगा चंद्रमा पर लहराया। गृहमंत्री अमित शाह ने सचिन पायलट को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि गहलोत साहब का चश्मा ही जाति का है। मगर गहलोत साहब सचिन के लिए दो अच्छे वाक्य बोले दें बस। गुजराती राजस्थान में आकर मारवाड़ी को हराना चाहते हैं के सवाल पर कहा, यहां की सभी सीटों पर केवल राजस्थान के बेटे-बेटियां ही चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जब-जब मोदी जी का अपमान हुआ है, तब जनता ने कांग्रेस को जवाब दिया है। अशोक गहलोत की खुद की कोई गारंटी नहीं हैं वो क्या गारंटी देंगे। शाह ने कहा कि हमारे लिए तो बहुत अच्छा है कि अशोक गहलोत के चेहरे पर चुनाव हो, हमें ये सूट करता है। गहलोत साहब का एकमात्र एजेंडा वैभव गहलोत को मुख्यमंत्री के तौर पर लांच करने का है।

निहंगों की पुलिसकर्मियों पर फायरिंग, पुलिसकर्मी की मौत व तीन घायल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के ऐतिहासिक गुरुद्वारा सुल्तानपुर लोधी में निहंगों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई जिसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। तीन अन्य पुलिसकर्मी घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है। जानकारी के मुताबिक निहंगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस गुरुवार सुबह करीब 4 बजे घटनास्थल पर पहुंची थी। पुलिस ने दो दिन पहले गुरुद्वारे की जमीन पर कब्जा के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। इसी सिलसिले में पहुंचे पुलिसकर्मियों पर गुरुद्वारा के अंदर से निहंगों ने फायरिंग शुरू कर दी। गुरुद्वारा अकाल बुंगा में दोनों तरफ से फायरिंग जारी होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि गुरुद्वारे में संगत को ढाल बनाकर ऊपरी मंजिल से पुलिसकर्मियों पर फायरिंग की जा रही है।

हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और जैसा है कांग्रेस का घोषणा पत्र : राजे

झालवाड़(हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा है कि कांग्रेस का घोषणा पत्र हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और जैसा है। पिछले चुनाव के वादे पूरे नहीं हुए और फिर ये नए वादे लेकर आ गए। वे डग से भाजपा प्रत्याशी कालू राम मेघवाल के पक्ष में आयोजित चुनावी सभा में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 4 लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया है। जब पद ही ढाई लाख ख़ाली हैं तो कहां से देंगे 4 लाख नौकरी ? गहलोत कह रहे हैं कि उन्होंने 3 लाख युवाओं को नौकरी दी। तीन लाख तो दूर की बात, 20 हजार को भी सरकारी नौकरी नहीं दे पाये। पांच साल में 1 लाख 37 हजार सरकारी भर्तियां हुई। जिनमें 1 लाख 20 हजार तो भाजपा के समय की है। राजे ने राम मंदिर निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। पूर्व सीएम ने कहा कि किसानों को 2 लाख तक का ब्याज फ्री लोन देने का वादा भी 10 दिन में किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करने जैसा है। वे बोली झालावाड़ सहित विभिन्न जिलों के लिए हमारी सरकार ने ईआरसीपी योजना शुरू की, लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसे राजनीति में उलझा दिया। गहलोत ने 5 साल सिर्फ राजनीति की, विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस ने चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की राशि 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपए करने की घोषणा की है। जब एक मरीज पर औसतन 12 हजार भी खर्च नहीं हो रहे तो 50 लाख की घोषणा मूर्ख बनाने का प्रयास मात्र है।

जहरीली शराबकांड पर बोले मुख्यमंत्री

अब तक 35 गिरफ्तार, ढाई करोड़ का जुर्माना, छह एफआईआर

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में जहरीली शराब पीने से मरने वाले 11 परिजनों के बैंक खातों में 38 लाख रुपए से अधिक की वित्तीय सहायता राशि दी गई। दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और एल-13 लाइसेंस भी रद्द किए गए हैं। साथ ही उनपर 2.51 करोड़ का जुर्माना भी लगाया गया है। मुख्यमंत्री गुरुवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। मुख्यमंत्री लाल ने कहा कि जहरीली शराब पीने से मरने वाले 11 परिजनों को आर्थिक सहायता राशि दयालु योजना के तहत निर्धारित विभिन्न आयु वर्ग के अनुसार दी गई है। 11 लाभार्थियों में से 4 परिवारों को 5 लाख रुपए और 6 परिवारों को 3 लाख रुपए की राशि भेजी गई है। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब के कारण मौत होने की घटना बेहद दुखदायी है और इस पर सरकार ने कड़ा संज्ञान लेते हुए आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इस मामले में छह एफआईआर दर्ज की गई है और एल-13 लाइसेंस भी रद्द किए गए हैं। साथ ही उनपर 2.51 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में यमुनानगर में 3 एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया और अंबाला में भी 3 एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें 16 लोगों को पकड़ा गया है। इसके अलावा चार लाइसेंसधारी नामत: मांगेराम, अमरनाथ, सुशील कुमार और गौरव कंबोज को डिफॉल्टर घोषित किया गया है। साथ ही छह शहरी व छह ग्रामीण सहित कुल 12 वेंड जोन को भी रद्द किया गया है। इसके साथ ही 41 सब-वेंड के लाइसेंस भी रद्द कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने लोगों से भी आग्रह किया है कि इस प्रकार के वेंड से ऐसे उत्पाद न खरीदें।

सरकारी जमीनों पर किसी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा कब्जा : मूलचंद शर्मा

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने गुरुवार को बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ऊंचा गांव में आरएमसी से बनाई जाने वाली करीब 13 गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस कार्य पर लगभग 60 लाख की लागत आएगी। मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लबगढ विधान सभा क्षेत्र में सड़कों, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा, स्ट्रीट लाइटिंग, पेयजल सप्लाई से जुड़ी लाइनों और सीवरेज व्यवस्था तथा पार्कों के सौन्दर्यकरण सहित तमाम मूलभूत सुविधाओं के लिए विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ के ऊंचा गांव की जोहड़ को करीब 1 करोड़ की लागत से सुंदर पौंड बनाया जाएगा। बल्लभगढ़ ऊंचा गांव से साहूपुरा को जाने वाली रोड पर शीघ्र ही सीवर लाइन भी डाली जाएगी। उन्होंने कहा कि ऊंचा गांव के दो पुराने सामुदायिक भवनों का भी जीर्णोद्धार होगा। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र की एक इंच सरकारी जमीनों पर कब्जा नहीं होने दूंगा। कैबिनेट मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने कहा की भाजपा सरकार में सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास की नीति को क्रियान्वित करके सभी वर्गो का विकास हो रहा है। आज केंद्र की भाजपा सरकार और प्रदेश की भाजपा सरकार ने हरियाणा प्रदेश में चहुमुखी विकास कार्यों की झड़ी लगाई हुई है। उन्होंने कहा की देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से सरकार हर व्यक्ति को उनके द्वार पर लाभ पहुंचाने और सरकार की उपलब्धियों को लेकर घर-घर पहुंचाने का काम करेंगे। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने ऊंचा गांव में लोगों को संबोधित करते हुए कहा की आप मुझे काम बताएंगे में उन कार्यों को पूरा करने का काम करूंगा। यह मेरा यहां का जनप्रतिनिधि होने के नाते कर्तव्य है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश के अंदर जमकर विकास कार्य हो रहे हैं। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ के विकास को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर निवर्तमान पार्षद हर प्रसाद गोंड, पूर्व पार्षद दयाचंद यादव, बुद्धा सैनी, महावीर सैनी, टिपर चंद शर्मा, सुक्की प्रधान, सुनील सैनी प्रधान, डॉ. हेमंत शर्मा, महावीर बोहरे, मनोज सिसोदिया, पवन सैनी, मान सिंह, अमृत नंबरदार, उधम अधाना सहित ऊंचा गांव के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गन्ने की कीमतों को लेकर पंजाब में किसानों ने रोकीं रेलगाड़ियां

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में गन्ने की कीमतों की बढ़ोतरी की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों ने गुरुवार से रेलगाड़ियां रोकनी शुरू कर दी हैं, जिससे हजारों लोग परेशान हो रहे हैं। किसान पिछले दो दिनों से जालंधर में दिल्ली-जम्मू मार्ग को रोककर बैठे हुए हैं। सरकार के साथ वार्ता बेनतीजा रहने पर किसानों ने आज लुधियाना की तरफ जाने वाली रेल लाइन पर धन्नोवाली फाटक के पास ही रेलवे ट्रैक और नेशनल हाईवे को बंद कर दिया। रेलवे ट्रैक बंद होते ही शताब्दी एक्सप्रेस को कपूरथला के फगवाड़ा में रोक दिया है। इसके अलावा आम्रपाली एक्सप्रेस को जालंधर सिटी स्टेशन पर रोक दिया गया। रेलवे के मुताबिक इस ट्रैक से रोजाना चौबीस घंटे में 120 ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी। गुरुवार को जब किसानों ने ट्रेनें रोकनी शुरू की तब तक 40 ट्रेनें निकल चुकी थी, अब 80 ट्रेनों को जालंधर सिटी स्टेशन से डायवर्ट किया गया है। इस दौरान लुधियाना, अंबाला, पानीपत, दिल्ली के जरिए अन्य राज्यों में जाने वाली ट्रेनें नकोदर से फगवाड़ा होकर निकलेंगी। किसान संगठनों ने एलान किया है कि अगर सरकार ने उनकी मांगे नहीं मानी तो 26 नवंबर को चंडीगढ़ कूच किया जाएगा।

कांग्रेस को पराजय का रास्ता दिखाकर जनता भाजपा को लाएगी सत्ता में : सुधांशु त्रिवेदी

बीकानेर (हिंस)। राज्यसभा सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने गुरुवार को बीकानेर में कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने राज्य में साम्प्रदायिक माहौल बनाते हुए जिहादी मानसिकता को बढ़ावा दिया है। बीजेपी के संभाग मीडिया सेंटर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस पर जमकर जुबानी हमला बोलते हुए वे बोले कि कांग्रेस दोहरी बातें करती है। भ्रष्टाचार, पेपर लीक, महिला अत्याचार, बेरोजगार सहित अनेक मुद्दे ऐसे हैं कि अब चुनाव के समय में जनता कांग्रेस को पराजय का रास्ता दिखाकर उसका सफाया कर देगी और भाजपा को सत्ता में लाएगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी के सत्ता में आने पर ही विकास को बढ़ावा मिलेगा और कांग्रेस के आतंक से मुक्ति मिलेगी। त्रिवेदी ने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव में अन्य राज्यों के मुकाबले में राजस्थान जीत के मायने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। राष्ट्रीय नीति, राजनीतिक, सामाजिक मुद्दों और विशेष रूप से भाजपा के वैचारिक पहलुओं पर बेबाकी से राय रखने वाले त्रिवेदी ने राजस्थान में सीएम फेस को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि यहां सीएम ऐसा व्यक्ति बनेगा जो विकास देगा। प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री गहलोत की गारंटी में बहुत अंतर है। गहलोत की गारंटी भ्रष्टाचार, पेपर लीक, महिलाओं पर अत्याचार, अर्थव्यवस्था का नुकसान और कट्टरपंथी ताकतों के सिर उठाने से जुड़ी है। इस अवसर पर बीजेपी अध्यक्ष विजय आचार्य, महामंत्री मोहन सुराणा, अशोक प्रजापत, मुकेश आचार्य, ओम राजपुरोहित, सुरेंद्र सिंह शेखावत, मनीष सोनी सहित अनेक मौजूद थे। पनौती जैसे आपत्तिजनक शब्द के संदर्भ में राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस का नेतृत्व 138 साल के इतिहास में कभी नायक का रहा कभी खलनायक रहा मगर उपहास का पात्र कब बना यह देश जानता है। अपार बहुमत वाली कांग्रेस किसके नेतृत्व में 44 व 52 सीट पर आई यह भी देश की जनता जानती है। देश की विवेकपूर्ण जनता अच्छी तरह से जानती है कि कौन अपनी पार्टी के लिए पनौती साबित हुआ।

जाली हस्ताक्षर कर पासपोर्ट बनवाया और पहुंच गया विदेश

जींद (हिंस)। फर्जी कागजातों का सहारा ले जाली पासपोर्ट बनवाने पर उचाना थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ धोखाधड़ी, जाली कागजातों का सहारा लेने, अमानत में ख्यानत सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जाली पासपोर्ट बनवाने वाला युवक सवा साल से विदेश में है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। काब्रछा निवासी दिनेश कुमार ने थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है और 12वीं पास है। उसने विदेश में घूमने के लिए पासपोर्ट अप्लाई किया था। 9 फरवरी 2023 को उसे पासपोर्ट कार्यालय जयपुर द्वारा बुलाया गया था। जब वह वहां पहुंचा और उसके कागजातों की जांच हुई तो उसे बताया कि उसके नाम से पहले ही पासपोर्ट बना हुआ है। जबकि उसने पहले कभी पासपोर्ट बनवाया ही नही था। दिनेश ने बताया कि जब उसे कंप्यूटर में पासपोर्ट पर लगी फोटो को दिखाया गया तो वह उसके ताऊ के बेटे प्रदीप की थी। जबकि पासपोर्ट उसके नाम से बना हुआ था। उनका घर इकट्ठा होने के कारण प्रदीप ने उसके दस्तावेजों का प्रयोग कर अपनी फोटो लगवा कर पासपोर्ट बनवा लिया और वह इस पासपोर्ट पर लगभग सवा साल पहले ही विदेश गया हुआ है। इस बारे में परिवारिक स्तर पर बातचीत भी की गई लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिस गया। प्रदीप ने उसके दस्तावेज घर से ले जाकर उसके दस्तावेजों पर अपनी फोटो लगा उसके जाली हस्ताक्षर करके पासपोर्ट जारी करवाया है। जांच अधिकारी दिलबाग सिंह ने बताया कि जाली कागजातों के आधार पर फर्जी पासपोर्ट बनवाने की शिकायत मिली थी।

तीन दिसंबर को पांच राज्यों में कमल खिलेगा : शिवराज

बांसवाड़ा (हिंस)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि दोनों कांग्रेस के लिए ही नहीं वरन पूरे देश के लिए राष्ट्रीय मुसीबत बन गए हैं। चौहान ने यह भी कहा कि देश के प्रधानमंत्री कांग्रेस पार्टी, भ्रष्टाचार और आतंकवाद के लिए पनौती हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह बात गुरुवार को बांसवाड़ा जिले के बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी कृष्णा कटारा के समर्थन में आयोजित विजय संकल्प सभा के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि तीन दिसंबर को सभी राज्यों में कांग्रेस का सफाया हो जाएगा और पूरे देश में कमल ही कमल नजर आएगा।

सरकार हिंदू समाज का ध्यान रखें : तोगड़िया

जोधपुर (हिंस)। अंतरराष्ट्री विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि मणिपुर में बहुसंख्यक हिंदू है लेकिन उनको शरणार्थी शिविर में शरण लेनी पड़ रही है, सरकार को चाहिए कि हिंदू समाज का ध्यान रखें। राम मंदिर के लिए हजारों लोगों ने कुर्बानियां दी है। अब मथुरा काशी के लिए लोगों को कुर्बानियां ना देना पड़े इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। वे गुरुवार को जोधपुर में एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए और एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की थी। तोगड़िया ने राजनीति के चर्चा में पांच राज्यों के चुनाव को लेकर उन्होंने जवाब नहीं दिया मगर एनसीईआरटी पुस्तकों में रामायण अन्य धार्मिक कथाओं का समावेश होने पर खुशी जाहिर की और कहा कि राम मंदिर के लिए हजारों लोगों ने कुर्बानियां दी है, मथुरा काशी के लिए लोगों को कुर्बानियां ना देना पड़े इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए प्रस्तावित राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर उन्होंने बताया कि मंदिर का निर्माण किया जा रहा है खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में बहुसंख्यक हिंदू है लेकिन उनको शरणार्थी शिविर में शरण लेनी पड़ रही है यह बड़े दुख की बात है। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि हिंदू समाज का ध्यान रखें। इससे पहले जोधपुर आगमन पर उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

राजौरी-पुंछ में आतंकवाद के पुनरुत्थान पर ध्यान दे केंद्र : रतन लाल

जम्मू (हिंस)। जम्मू और कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस (जेकेएनसी) जम्मू के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने राजौरी आतंकवादी हमले की गुरूवार को कड़ी निंदा की और इस आतंकवादी हमले में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले कैप्टन और एक जेसीओ सहित चार बहादुर शहीदों को सलाम किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की और ईश्वर से प्रार्थना की कि वह परिवार के सदस्यों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। आज यहां मीडिया को जारी एक बयान में रतन लाल गुप्ता ने कहा कि यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ-साथ पूरे देश की विडंबना है कि केंद्र सरकार के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन भी आतंकवाद को खत्म कर जम्मू-कश्मीर में शांति बहाली के बड़े-बड़े दावे कर रहा है जबकि जमीनी हकीकत सरकारी दावों के बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसका प्रमाण इस तथ्य से मिलता है कि सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ एक अभियान के दौरान राजौरी जिले के कालाकोट के बाजीमल गांव में आतंकवादियों ने सेना के चार जवानों की हत्या कर दी। पिछली घटनाओं को याद करते हुए नेशनल कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि 5 मई 2023 को राजौरी में पांच जवान शहीद हुए थे; 1 जनवरी 2023 को ढांगरी में आतंकवादियों की गोलियों से कई बहुमूल्य जानें गई, एक अन्य आतंकवादी हमले में पुंछ में पांच सैनिक शहीद हो गए और अब आज की यह आतंकवादी घटना जिसमें सेना के चार जवानों ने शहादत को गले लगा लिया बिना किसी संदेह के सरकार के आतंकवाद को खत्म करने के दावों को झूठा साबित करता है। रतन लाल गुप्ता ने उल्लेख किया कि 15 साल की शांति के बाद राजौरी और पुंछ जिलों में सबसे घातक आतंकवादी हमले हुए हैं। इस चिंताजनक प्रवृत्ति ने इन क्षेत्रों में एक दशक से अधिक समय से चली आ रही सुरक्षा और शांति की भावना को समाप्त कर दिया है। अचानक भड़की हिंसा ने राजौरी और पुंछ जिलों के लोगों को भयभीत कर दिया है और शांतिपूर्ण परिदृश्य को धूमिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि इन हमलों की गंभीरता आतंकवाद से उत्पन्न खतरे और केंद्र में सरकार की विफलता के कारण इस क्षेत्र में शांति की कमजोरी की याद दिलाती है। प्रांतीय अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि ये सभी घटनाएं विभिन्न एजेंसियों की घोर लापरवाही की ओर इशारा करती हैं। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े दावे करने के बजाय सरकार को जागना चाहिए और इस गंभीर मुद्दे के समाधान के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज केंद्र सरकार को आतंकवाद को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने और जम्मू-कश्मीर की वास्तविक जमीनी स्थिति को जम्मू-कश्मीर के लोगों और पूरे देश के सामने पेश करने में पर्याप्त पारदर्शिता बरतने की सख्त जरूरत है।

ऑपरेशन *सुल्तानपुर लोधी* आठ घंटे बाद खत्म, गुरुद्वारा बुंगा साहिब खाली कराया गया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में कपूरथला जिले के अंतर्गत सुल्तानपुर लोधी में पुलिस का ऑपरेशन आठ घंटे बाद समाप्त हो गया है। विवादित गुरुद्वारे का प्रबंधन प्रशासन ने अपने हाथों में लेकर समूचे गुरुद्वारा परिसर को खाली करवा लिया है। परिसर में मौजूद निहंगों को हिरासत में लिया गया है। पंजाब सरकार ने इस ऑपरेशन के दौरान मारे गए होमगार्ड जवान के परिवार को एक करोड़ रुपए मुआवजा देने का एलान किया है। सुल्तानपुर लोधी स्थित गुरुद्वारा बुंगा साहिब की जमीन पर कब्जे को लेकर निहंगों के दो गुटों में विवाद चल रहा था। आज सुबह करीब चार बजे जब पुलिस निहंगों को गिरफ्तार करने के लिए पहुंची तो निहंगों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। इस फायरिंग में होमगार्ड के जवान जसपाल सिंह की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि डीएसपी समेत दस पुलिस कर्मी घायल हो गए। करीब आठ घंटे बाद पुलिस ने हालात पर काबू पाया और निहंगों के साथ बैठक के बाद गुरुद्वारा बुंगा साहिब को खाली करवा लिया गया। पंजाब के एडीजीपी लॉ एंड आर्डर गुरविंदर सिंह ने बताया कि गुरुद्वारे का संचालन प्रशासन ने अपने हाथ में लिया है। आगे के लिए रिसीवर नियुक्त कर दिया जाएगा। गुरुद्वारे की तलाशी के दौरान कुछ हथियार बरामद हुए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। इस संबंध में निहंगों से भी पूछताछ की जा रही है। कपूरथला के जिला उपायुक्त करनैल सिंह ने कहा कि अब हालात पूरी तरह से नियंत्रण में है। गुरुपर्व तक यहां पुलिस बल तैनात रहेगा। गुरुपर्व के अगले दिन निहंगों ने मोहल्ला निकालने की बात की है। यह निहंग मोहल्ला निकालने के लिए ही गुरुद्वारा बुंगा साहिब में जुटने शुरू हुए थे, लेकिन अब इसे खाली करवा लिया गया है।

पौराणिक एवं धार्मिक मान्यताओं का प्रतीक है कपालमोचन स्थल

भगवान शिव पर लगा ब्रह्म कपाली का दोष इसी सरोवर में स्नान से हुआ था दूर

यमुनानगर (हिंस)। हर वर्ष के कार्तिक माह में पूर्णिमा के अवसर पर पांच दिन तक लगने वाला उत्तर भारत का प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक कपाल मोचन मेला गुरुवार से शुरू हो गया। कपाल मोचन तीर्थ स्थल अपने आप में प्राचीन इतिहास समेटे हुए हैं। पुराणों के अनुसार कपाल मोचन तीर्थ तीनों लोकों के पाप से मुक्ति दिलाने वाला स्थल है। मान्यता है कि इसके पवित्र सरोवरों में स्नान करने से ब्रह्म हत्या जैसे पाप का भी निवारण हो जाता है। आदिकाल में कार्तिक पूर्णिमा की अर्द्धरात्रि के समय ही भगवान शिव पर लगे ब्रह्म कपाली का दोष इसी कपाल मोचन के सरोवर में स्नान करने से दूर हुआ था। प्राचीन कथा के अनुसार सिंधु वन का यह स्थान ऋषि मुनियों की यज्ञस्थली रहा है। इस भूभाग पर पंच तीर्थ कपालेश्वर महादेव तथा चंदडेश्वर महादेव स्थित है। इसमें कपालेश्वर तीर्थ प्रमुख रूप से केंद्र बिंदु है। कहा जाता है कि राजा परीक्षित के शासनकाल में कलयुग के आगमन पर यहां ऋषि मुनियों ने एक महायज्ञ का आयोजन किया था। यज्ञ में आहुति डालने के लिए भगवान ब्रह्मा, विष्णु, शिव को बुलाया गया था। पुराणों के अनुसार भगवान शिव पर ब्रह्म हत्या का दोष लगा था। जिससे माता पार्वती को बहुत दुख हुआ। इस दोष को दूर करने के लिए शिव भगवान ने माता पार्वती के साथ चारों धाम और 84 तीर्थ का भ्रमण किया। परंतु फिर भी वह दोष दूर नहीं हुआ। शिव भगवान यहां पार्वती के साथ पहुंचे और माता पार्वती के कहने पर इस सरोवर में स्नान करने पर उनकी ब्रह्म हत्या का दोष दूर हो गया। ऐसी मान्यता है कि शिव भगवान के दर्शन के पश्चात गाय व बछड़ा दोनों की मुक्ति पाकर बैकुंठ धाम चले गए। भगवान वेदव्यास की भी यह कर्म भूमि रही है। इसके साथ-साथ यहां नजदीक और कई पौराणिक व धार्मिक स्थल है। जिनका पुराणों में जिक्र मिलता है।

तकनीक तेज दौड़ने वाला जानवर ; इस पर लगाम जरूरी, साइबर धोखाधड़ी पर वित्त मंत्री ने दी ये सलाह

नई दिल्ली ।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साइबर धोखाधड़ी से बचने के तरीके पर अपनी राय रखते हुए तकनीक को ऐसा जानवर बताया जो आपसे तेज चलता और दौड़ता है। वित्त मंत्री ने कहा कि ऐसे में यह जरूरी है कि इसकी लगाम आपके हाथ में रहे। वित्त मंत्री ने कहा कि साइबर धोखाधड़ी के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने और घोटालेबाजों को सिस्टम से खिलवाड़ करने से रोकने के लिए तकनीक की बागडोर अपने हाथों में लेने की जरूरत है। डेट विद टेक कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि साइबर धोखाधड़ी के ऐसे मामलों जहां लोगों को फोन कॉल या एसएमएस के माध्यम से ठगा जाता है, को रोकने के लिए सरकार समय-समय पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की समीक्षा करती है। आरबीआई भी अपनी प्रणालियों की समीक्षा करता है। बीमा कंपनियां भी अपने सिस्टम की समीक्षा करती हैं। वित्त मंत्री ने कहा, हम लगातार वही कर रहे हैं जिसकी जरूरत है। जब तक जागरूकता नहीं आएगी, जब तक हम लोगों के मन में यह सतर्कता पैदा नहीं करेंगे कि उन्हें फोन पर कही गई किसी भी बात पर नहीं चलना चाहिए। तब तक खतरा रहेगा। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म स्तर पर इस बात को लेकर चिंता है कि लोगों को रैंडम कॉल आ रहे हैं, जिससे वे ऐसी स्थिति में फंस रहे हैं जहां उन्हें पैसे का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा, जो लोग सिस्टम के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे शायद तकनीक के इस्तेमाल और दुरुपयोग के मामले में हमसे एक पायदान आगे हैं। इस पर बहुत काम करने की जरूरत है। यह एक कभी न खत्म होने वाला खेल है क्योंकि तकनीक एक ऐसा जानवर है जो आपसे बहुत आगे चलता और दौड़ता है। ऐसे में आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि इसकी लगाम आपके हाथ में रहे। मंत्री ने कहा कि बड़े संस्थानों खासकर संवेदनशील संस्थानों के पास पर्याप्त तकनीक और टीमें होनी चाहिए जो रोजमर्रा के आधार पर पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित हों, और यह जांचते हों कि उनका फायरबॉल काम के लिए तैयार है या नहीं। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थान, बैंक और बीमा कंपनियां जागरूकता पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। वे लोगों को बता रही हैं कि कृपया किसी भी फोन करने वाले पर तब तक भरोसा न करें जब तक कि आपके पास यह सुनिश्चित करने का अपना तरीका न हो कि जो आपसे बात कर रहा है, वह सही व्यक्ति है।

न्यूज ब्रीफ

दिवाली सप्ताह के दौरान लगातार दूसरे वर्ष लोगों ने नकद लेनदेन से किया परहेज, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी ताजा इकोरैप रिपोर्ट में बताया है कि दिवाली सप्ताह के दौरान लगातार दूसरी बार चलन में मौजूद मुद्रा (सीआईसी) में गिरावट आई है और उपभोक्ताओं ने त्योहारी खरीदारी के लिए डिजिटल भुगतान का रुख किया। इकोरैप रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2023 के त्योहारी महीने में मूल्य के लिहाज से यूपीआई के जरिए 1,36,600 करोड़ रुपये के 85.3 करोड़ लेनदेन (मासिक आधार पर) की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपीआई की डिजिटल यात्रा की सफलता का मुख्य कारण अर्थव्यवस्था को सुगम बनाने के लिए सरकार की ओर से किए गए अथक प्रयास हैं। इसके अलावा, यूपीआई, वॉलेट और पीपीआई जैसी इंटरऑपरेबल भुगतान प्रणालियों ने डिजिटल रूप से पैसों का लेनदेन सरल और सस्ता बना दिया है। यह उन लोगों के लिए भी सुविधाजनक है जिनके पास बैंक खाते नहीं हैं। रिपोर्ट में पिछले 20 साल से दिवाली सप्ताह के दौरान चलन में मुद्रा के उतार-चढ़ाव का भी विश्लेषण किया गया है। सीआईसी में 2022 और 2023 दोनों में क्रमशः लगभग 7,600 करोड़ रुपये और 5,900 करोड़ रुपये की गिरावट देखी। कोविड महामारी के कारण वर्ष 2021 में इसमें वृद्धि दर्ज की गई थी। इससे पहले 2009 में वैश्विक वित्तीय संकट के कारण दिवाली सप्ताह के दौरान सीआईसी में मामूली गिरावट आई थी।

सात महीने में 27.7 फीसदी बढ़ा इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात, पांचवें स्थान पर देश

नई दिल्ली । देश से इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात चालू वित्त वर्ष की पहले सात महीनों यानी अप्रैल-अक्तूबर अवधि के दौरान 27.7 फीसदी बढ़कर 15.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया।विदेश व्यापार महानिदेशक संतोष कुमार सारंगी ने कहा, सैमसंग और एपल जैसी कंपनियों के मोबाइल फोन के बढ़ते निर्यात से इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद क्षेत्र को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा, भारत से निर्यात के मामले में कुछ साल पहले यह क्षेत्र 11वें या 12वें स्थान पर था। यह क्षेत्र अब वस्तु निर्यात में पांचवें स्थान पर आ गया है। सारंगी ने सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) निर्यात पर एक कार्यक्रम में कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स, मूल्य वर्धित कृषि उत्पाद, सौर पैनल और मॉड्यूल जैसे नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादों के साथ ई-वाहन जैसे क्षेत्र देश के वस्तु-सेवा निर्यात को 2030 तक दो हजार अरब डॉलर तक पहुंचाने में मदद करेंगे। 2022-23 में देश का वस्तु एवं सेवा निर्यात 776 अरब डॉलर रहा था।

पांचों आईपीओ को निवेशकों का जबरदस्त रिस्पांस, टाटा टेक पहले दिन 6.5 गुना भरा

नई दिल्ली । इस हफ्ते खुले पांच आईपीओ को अच्छा रिस्पांस मिला है। पांचों कंपनियां 7,000 करोड़ से ज्यादा रकम जुटाएंगी। 20 साल बाद आईपीओ लाने वाले टाटा समूह की तीन करोड़ से ज्यादा रकम जुटाने की योजना है। खुले फेडफिना, गांधार ऑयल और फ्लेयर में भी खरीदारी हुई। इस आईपीओ के शेयरों की पहले दिन अच्छी खरीदारी हुई है। खुदरा निवेशकों का हिस्सा 5.42 गुना भरा है। गैर संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) का हिस्सा सबसे ज्यादा 11.69 गुना भरा है। कर्मचारियों का हिस्सा 1.10 गुना भरा है। इसका दूसरा दिन था। इसे दो दिनों में 4.56 गुना अभिदान मिला है। खुदरा निवेशकों का हिस्सा 4.25 गुना भरा है। गैर संस्थागत निवेशकों का हिस्सा सबसे ज्यादा 7.74 गुना भरा है। इस आईपीओ में भी जमकर खरीदी हो रही है। पहले दिन 5.66 गुना भरा है। खुदरा निवेशकों ने 7.13 गुना पैसा लगाया है। एनआईआई के हिस्से को 7.96 गुना बोली मिली है। फेडरल बैंक की एनबीएफसी कंपनी के शेयरों की पहले दिन केवल 0.39 गुना खरीदी हुई है। इसमें खुदरा निवेशकों का हिस्सा 0.69 गुना भरा है। एनआईआई का हिस्सा 0.21 गुना भरा है। किसी भी सेगमेंट में पूरा हिस्सा नहीं भरा है।

गंगा नदी जलमार्ग के जरिये कार्गो पैकेज ट्रांसपोर्ट करेगी अमेजन, आईडब्ल्यूएआई के साथ किया करार

नई दिल्ली ।
ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन अब जलमार्गों के माध्यम से गंगा नदी से अपने सामान को ट्रासपोर्ट करेगी। इसके लिए भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और अमेजन सेलर सर्विसेज ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य गंगा नदी का उपयोग करके जलमार्गों के माध्यम से सामान की आवाजाही को बढ़ावा देना है। पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल इस महत्वपूर्ण समझौते के साक्षी बने। इस अवसर पर सोनोवाल ने कहा कि ई-कॉमर्स कार्गो के साथ पहला जहाज जल्द ही पटना से कोलकाता के लिए रवाना किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य जल परिवहन की दक्षता और स्थिरता का लाभ उठाना है। साथ ही लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करना, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देना है।

सोनोवाल ने आईडब्ल्यूएआई और अमेजन सेलर सर्विसेज के बीच करार को भारत में जलमार्गों के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में जलमार्गों को परिवहन का एक व्यापक और लोकप्रिय साधन बनाने के लिए हमेशा विशेष ध्यान दिया गया है।

पीएम मोदी के इस दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में सरकार अथक प्रयास कर रही है ताकि जलमार्गों का विकास सुनिश्चित किया जा सके। यह आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस सेवा की शुरुआत से कारीगरों, उद्यमियों और व्यापारियों को किफायती लागत पर अपने उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े बाजार में आसानी से बेचने का अवसर मिलेगा।

शिपमेंट की परिवहन लागत घटेगी

इस समझौते से अमेजन ग्राहकों को ऑनलाइन ऑर्डर की तेज, लागत प्रभावी, टिकाऊ और अधिक विश्वसनीय डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए रेल, वायु, जल और सड़क सहित देश में परिवहन के सभी संभावित तरीकों का उपयोग करने में सक्षम होगी।

इस साझेदारी से न सिर्फ अमेजन को शिपमेंट की परिवहन लागत कम करके लाभ होगा, बल्कि सभी ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए भारत में अंतर्देशीय जलमार्गों का लाभ उठाने की नई संभावनाएं भी खुलेंगी।

पर्यावरण अनुकूल साधन है जल परिवहन

विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, जल परिवहन की तुलना में रेल और सड़क परिवहन क्रमशः 18.5 प्रतिशत और 91.6 प्रतिशत अधिक ईंधन की खपत करते हैं। इसलिए जल परिवहन सबसे पर्यावरण अनुकूल साधन माना जाता है। देश में जल परिवहन में तेजी लाने के लिए सागरमाला परियोजना के तहत आरओआरओ/आरओपैक्स और अंतर्देशीय जल परिवहन से संबंधित 7,030 करोड़ रुपये की 113 परियोजनाएं शुरू की हैं। इन परियोजनाओं में से 1,100 करोड़ रुपये की 15 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 3,900 करोड़ रुपये की 32 परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

पोंजी स्कीम चलाकर 100 करोड़ रुपये का गबन, ईडी ने ज्वैलरी फर्म के ठिकानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली ।
ईडी ने त्रिची स्थित एक ज्वैलरी फर्म के तमिलनाडु और पुडुचेरी स्थित विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की है। आरोप है कि ज्वैलरी फर्म द्वारा पोंजी स्कीम चलाकर 100 करोड़ रुपये का गबन करने का आरोप है। ईडी ने ज्वैलरी फर्म के कई करीबियों के यहां भी छापेमारी की। बताया जा रहा है कि ज्वैलरी फर्म द्वारा चलाए जा रहे स्टोर अक्तूबर में बंद हो गए। इसके बाद जिन लोगों ने अपना पैसा लगाया था, इसकी शिकायत त्रिची स्थित आर्थिक अपराध शाखा में की।

छापेमारी में क्या हुआ बरामद

शिकायत मिलने के बाद आर्थिक अपराध शाखा ने ज्वैलरी फर्म के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की। आरोपी की पहचान मदन के रूप में हुई है। साथ ही इस महीने की शुरुआत में आरोपी मालिक और उसकी पत्नी के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी कर दिया गया है। ईडी ने बयान जारी कर बताया कि आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज मामले के आधार पर उन्होंने पीएमएलए कानून के तहत ज्वैलरी फर्म के खिलाफ छापेमारी की। आरोप है कि कुछ लोग पोंजी स्कीम चला रहे थे। ईडी की छापेमारी में 23 लाख नकदी और 11.6 किलो के आभूषण शामिल हैं। इनमें सोने और चांदी की ब्रिक और सिक्के भी शामिल हैं।

क्या हैं आरोप

आरोप है कि प्रणव ज्वैलर्स ने सोने में निवेश के नाम पर लोगों से 100 करोड़ रुपये इकट्ठे किए। ज्वैलर ने लोगों को अच्छे रिटर्न का वादा किया था लेकिन ज्वैलर द्वारा ना रिटर्न दिया गया और ना ही लोगों के पैसे वापस किए गए। जांच में पता चला है कि ज्वैलर द्वारा लोगों से इकट्ठे किए गए पैसों को शैल कंपनियों में डायवर्ट कर दिया गया। साथ ही खातों में भी धांधली कर टैक्स की चोरी की गई।

आयकर रिफंड मिलने में आई तेजी पांच वर्षों में वेटिंग अवधि भी घटी

नई दिल्ली ।
आयकर रिफंड में पिछले पांच वर्षों में तेजी आई है। कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के सर्वे में दावा किया गया है, कम से कम 89 फीसदी व्यक्तियों और 88 फीसदी कंपनियों का मानना है कि 2018-2023 के बीच आयकर रिफंड पाने के लिए वेटिंग अवधि में अधिक कमी आई है। सर्वे के मुताबिक, 75.5 फीसदी व्यक्तियों और 22.4 फीसदी फर्मों ने अपनी अनुमानित कर देनदारी से अधिक टीडीएस का भुगतान नहीं किया। कराधान व्यवस्था को सुव्यवस्थित, सरल व स्वचालित करने के लिए हाल के वर्षों में सरकार ने व्यापक उपाय किए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 87 फीसदी व्यक्तियों व 89 फीसदी कंपनियों को लगता है कि रिफंड का दावा करने की प्रक्रिया सुविधाजनक है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बोस ने कहा, यह रिफंड पाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के सरकार के प्रयासों को दर्शाता है।

आयकर विभाग के प्रति बढ़ा भरोसा

सीआईआई का सर्वेक्षण अक्तूबर, 2023 में 3,531 उत्तरदाताओं के बीच किया गया था। इनमें से 56.4 फीसदी व्यक्ति थे। 43.6 फीसदी फर्म या संगठन थे। इस सर्वे में देश के प्रमुख राज्यों को शामिल किया गया था। आईटीआर रिफंड प्रक्रिया में स्वचालन और सरलीकरण ने करदाताओं में टैक्स विभाग के प्रति विश्वास बढ़ा दिया है।

गौतम सिंघानिया के ट्रस्ट बनाकर क्षतिपूर्ति राशि देने का प्रस्ताव नवाज ने ठुकराया, 75 प्रतिशत मांगा था हिस्सा

मुंबई ।
रेमंड समूह के चेयरमैन गौतम सिंघानिया पत्नी नवाज मोदी से तलाक को लेकर सुर्खियों में हैं। 32 साल पहले प्रेम विवाह करने वाली नवाज मोदी ने अलग होने के लिए संपत्ति में 75 फीसदी हिस्सेदारी की मांग की है। गौतम सिंघानिया ने ट्रस्ट बनाकर यह रकम देने पर रजामंदी जताई थी लेकिन इसके लिए नवाज तैयार नहीं हैं। गौतम के करीबी ने बताया कि शादीशुदा जीवन से अलग होने के लिए नवाज ने जो शर्त रखी थी, उससे गौतम सहमत थे। गौतम संपत्ति की 75 फीसदी रकम सिंघानिया फैमिली ट्रस्ट बनाकर स्थानांतरित करना चाहते थे। गौतम की मृत्यु के बाद यह रकम नवाज की हो जाती, लेकिन नवाज ने इसे मानने से इन्कार कर दिया है।

पिटाई का आरोप नीता ने की मदद

नवाज ने पति गौतम पर उन्हें और बेटी को पीटने का आरोप लगाया है।उन्होंने मीडिया के सामने 10 सितंबर की सुबह की पिटाई से लेकर दीपावली की पार्टी में उन्हें आने से रोके जाने की कहानी बयां की है। नवाज ने दावा किया है कि मारपीट के बाद गौतम पुलिस में रिपोर्ट भी दर्ज नहीं होने देना चाहते थे, लेकिन रिलायंस फाउंडेशन की चेयरमैन नीता अंबानी और उनके बेटे अनंत अंबानी ने मदद की जिससे रिपोर्ट दर्ज करा सकीं।

निवेशकों के डूबे 18 करोड़ डॉलर

सूट फैब्रिक के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक रेमंड के शेयरों में सातवें दिन भी गिरावट रही। कंपनी के चेयरमैन गौतम सिंघानिया और उनकी पत्नी के बीच विवाद से कंपनी की पूंजी में 18 करोड़ डॉलर की कमी आई है। इस विवाद से निवेशकों में अनिश्चितता है, जिससे वे शेयरों की बिकवाली कर रहे हैं। रेमंड का शेयर 13 नवंबर के बाद से 12 फीसदी टूट चुका है। इसी दिन सिंघानिया ने पत्नी नवाज से अलग होने की घोषणा की थी। शेयर 4.4 फीसदी टूट गया, जो 25 अक्तूबर के बाद किसी एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है। अंत में 3.77 फीसदी गिरकर 1,676 रुपये पर बंद हुआ।

भारत में बनी कार बिकेगी अब जापान में

5 लोग कर सकते हैं शान की सवारी

नई दिल्ली ।
बहुत जल्द होंडा कार्स इंडिया अपनी एक नई एसयूवी का भारत से एक्सपोर्ट शुरू कर सकती है। कंपनी भारत में बनी इन एसयूवी का जापान में एक्सपोर्ट शुरू करेगी। बता दें कि भारत में बनाए जाने वाले होंडा एलिवेट को जापान में डब्ल्यूआर-वी के नाम से लॉन्च किया जाएगा। अगर होंडा डब्ल्यूआर-वी की बात करें तो, इसका पूरा डिजाइन एलिवेट के जैसा है। कार के इंटीरियर में भी पूरी तरह एलिवेट की झलक देखने को मिलती है। हालांकि, जापान बेस्ड डब्ल्यूआर-वी के इंटीरियर को पूरी तरह ब्लैक आउट थीम दिया गया है। इसके अलावा इसमें इंफोटेनमेंट सिस्टम भी नया लगाया गया है। कंपनी इस एसयूवी में 1.5 लीटर (1500सीसी) का नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दे रही है। यह वही इंजन है जिसका

इस्तेमाल एलिवेट में किया जा रहा है। यह इंजन सीवीटी गियरबॉक्स से लैस है। डब्ल्यूआर-वी का साइज एलिवेट के समान है और इसे भी 5 सीटर एसयूवी के तौर पर पेश किया गया है। कंपनी का कहना है कि यह रणनीतिक कदम भारतीय परिचालन की विनिर्माण क्षमताओं का एक मजबूत प्रतिबिंब है और देश को होंडा व्यवसाय में एक प्रमुख निर्यात केंद्र बनाने के दृष्टिकोण को भी मजबूत करता है। कंपनी अपने तापुकारा प्लांट से घरेलू और निर्यात आवश्यकताओं को पूरा करने के में सक्षम है। होंडा कार्स इंडिया ने इस साल सितंबर में घरेलू बाजार में एलिवेट को लॉन्च किया था। जापान के बाजार में होंडा एलिवेट जून-जुलाई 2024 में दस्तक दे सकती है। भारत में होंडा एलिवेट की कीमत 11 लाख रुपये से शुरू होकर 16.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। यह एसयूवी फॉरवर्ड व्हीलड्राइव फंक्शन के साथ आती है। कंपनी इसे 3 डुअल टोन और 7 मोनोटोन रंगों में बेच रही है। बता दें कि भारत में बनी कारें आज दुनिया भर में बेची जा रही हैं। कई कार कंपनियां भारत में बनी कारों को अलग-अलग देशों में एक्सपोर्ट कर रही हैं। भारत दुनिया भर की ऑटोमोबाइल कंपनियों का मैन्युफैक्चरिंग हब बन गया है।

स्विगी और जोमैटो को 750 करोड़ का जीएसटी नोटिस, डिलीवरी चार्ज पर टैक्स न भरने का आरोप

नई दिल्ली । ग्राहकों से डिलीवरी चार्ज के नाम पर कमाई करने और उस पर टैक्स न भरने के मामले में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने स्विगी और जोमैटो को 750 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा है। इसमें 400 करोड़ का नोटिस जोमैटो और 350 करोड़ का स्विगी को भेजा गया है। यह रकम जुलाई, 2017 से मार्च, 2023 के बीच की है। इनके डिलीवरी चार्ज पर 18 फीसदी का जीएसटी लगाया गया है। हालांकि, कंपनियों की सफाई है कि डिलीवरी चार्ज डिलीवरी पार्टनर्स की लागत है, जो घर-घर खाना देने जाते हैं। कंपनियां ग्राहकों से वह लागत वसूलती हैं और डिलीवरी पार्टनर्स को दे देती हैं। सूत्रों के मुताबिक, टैक्स अधिकारी इससे सहमत नहीं हैं। 2022 में स्विगी व जोमैटो को सभी ऑर्डर पर पांच फीसदी जीएसटी लेकर जमा करने का आदेश दिया था। इससे पहले केवल उन्हीं रेस्तरां को जीएसटी भरना होता था, जो इस कर दायरे के तहत पंजीकृत थे।

600 करोड़ का कारोबार करने में सफल रही फिल्म लियो

मुंबई (ईएमएस)। साउथ के सुपर स्टार थलापति विजय की हालिया प्रदर्शित और ब्लॉक बस्टर रही आगामी सप्ताह ओटीटी प्लेटफार्म पर फिल्म लियो प्रदर्शित होने जा रही है। फिल्म लियो वैश्विक स्तर पर 600 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है। नेटफ्लिक्स की दक्षिण भारत शाखा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ह्यह्यआखिरकार इंतजार खत्म हुआ। हमारे पास आपके लिए अच्छी खबर है। क्या आप तैयार हैं? लियो 24 नवंबर को भारत में और 28 नवंबर को दुनिया भर में तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में नेटफ्लिक्स पर आ रही है। लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने घरेलू तथा वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। लियो 2023 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म है। फिल्म में तृषा, संजय दत्त, अर्जुन सरजा, मंसूर अली खान, प्रिया आनंद और गौतम वासुदेव मेनन जैसे कलाकार हैं। बता दें कि अभिनेता विजय की तमिल एक्शन थ्रिलर फिल्म लियो 24 नवंबर से भारत में तथा 28 नवंबर से वैश्विक स्तर पर ओवर द टॉप (ओटीटी) मंच नेटफ्लिक्स पर प्रसारित की जाएगी।

सिद्धार्थ और वरुण ले रहे करण के मजे

– कॉफी विद करण शो का पांचवा एपिसोड जल्द होगा रीलिज

मुंबई (ईएमएस)। कॉफी विद करण शो का पांचवा एपिसोड गुरुवार को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगा, जिसमें होस्ट-फिल्म निमार्ता करण जौहर अपने मेहमानों के साथ मस्ती करते नजर आएंगे। प्रोमो में देखा जा सकता है सिद्धार्थ और वरुण मिलकर करण के मजे लेते दिखाई दे रहे हैं। दर्शक स्टूडेंट ऑफ द ईयर के बाद दोनों अभिनेताओं का ब्रोमांस देखने के लिए बेताब हैं। कॉफी विद करण सीजन 8 के 5वें एपिसोड के प्रोमो की शुरूआत करण जौहर से होती है, जो वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा का परिचय देते नजर आ रहे हैं। शो के होस्ट ने अपने इन दोनों मेहमानों के बारे में कहा, वे दुनिया के लिए आदर्श पति हैं, लेकिन आज रात मेरे सोफे पर, ये लड़के अपनी बार्बीज के बिना केन्स के अलावा कुछ नहीं हैं। इसके बाद वरुण ने ब्लैक कलर के कैजुअल कपड़ों में शो पर स्टाइलिश एंट्री मारी। वहीं, सिद्धार्थ ब्लू कलर के ब्लेजर-पैंट में शो पर आए। करण से मुलाकात के बाद काउच पर बैठते ही वरुण धवन ने करण से कहा, बस सुनिश्चित करें कि हमारे रिश्ते बरकरार रहें। सिर्फ इतना ही नहीं वरुण ने शो के होस्ट को घर तोड़ने वाले का टैग भी दिया। अभिनेता की इस बात को करण ने हंसकर टाल दिया। बता दें, शो के इस सीजन के पहले एपिसोड में दीपिका-रणवीर आए थे। उन्होंने शो पर अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में काफी बाते की थी, जिसके बाद अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर गंदे तरीके से ट्रोल किया गया और करण के इस शो को घर तोड़ने वाले का टैग दिया गया था। करण ने वरुण और सिद्धार्थ से उनके सहायक निर्देशक के रूप में काम करने के दिनों पर बात की। एक किस्सा याद करते हुए करण ने कहा, अमेरिका के लॉस एंजिल्स में माई नेम इज खान (2010) की शूटिंग कर रहे थे और वरुण लड़कियों के साथ तस्वीरें ले रहे थे। इस बात पर वरुण ने सिद्धार्थ की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसने भी तस्वीरें ली थी। फिर सिद्धार्थ ने जवाब दिया कि ये (वरुण) लड़कियों को शाहरुख खान की तस्वीरें बेच रहा था। बता दें, एक्टर्स बनने से पहले दोनों अभिनेताओं ने करण के साथ फिल्म माई नेम इज खान में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया है।

फिल्म 'डंकी' का गाना 'डंकी ड्रॉप 2 - लुट पुट गया...' रिलीज हुआ

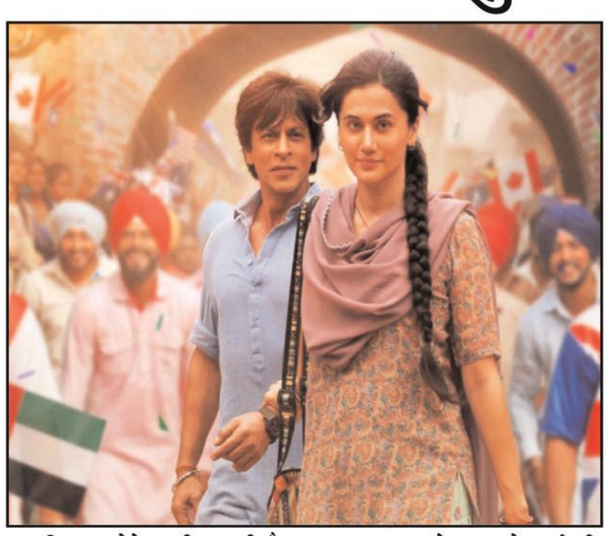

डंकी के मेकर्स ने राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म की म्यूजिकल यात्रा शुरू करते हुए फिल्म से पहला दिल छू लेने वाला गाना डंकी ड्रॉप 2 - लुट पुट गया... जारी कर दिया है। यह गाना हार्डी के उस अध्याय को खोलता है, जब वह मनु के प्यार में पड़ जाता है और वह दुनिया के खिलाफ उसके लिए खड़ी होती है। गाने में आप देखेंगे कि कैसे मनु के लिए उसकी भावनाएं उसे एक होपलेस रोमांटिक में बदल देता हैं। इस गाने को म्यूजिक मैस्ट्रो प्रीतम ने कंपोज किया है, जिसमें अरिजीत सिंह की दिल छू लेने वाली आवाज है। गाने के बोल स्वानंद किरकिरे और आईपी सिंह ने लिखे हैं। गाने के दिलकश डांस मूव्स मशहूर गणेश आचार्य ने कोरियोग्राफ किए हैं, जो इसे और भी मैजिकल बनाते है और इसमें प्यार का रंग खिलता है। वैसे एक मास्टर कहानीकार के रूप में पहचाने जाने वाले राजकुमार हिरानी के नाम सबसे ज्यादा देखी जाने वाली और आकर्षक फिल्में हैं और इस बार वह एक और दिलकश फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका टाइटल डंकी की है। यह फिल्म चार दोस्तों और विदेशी तटों तक पहुंचने की उनकी खोज की एक दिल छू लेने वाली कहानी है। यह उनके सपनों को साकार करने के लिए शुरू की जाने वाली मुश्किल, लेकिन जीवन बदलने वाली यात्रा को दशार्ती है। असल जीवन से इंस्पिरेशन लेते हुए डंकी प्यार और दोस्ती की एक गाथा है, जो अलग अलग कहानियों को एक साथ जोड़ती है और असंख्य भावनाओं को जगाते हुए हिलेरियस और दिल को छू लेने वाले जवाब देती है। फिल्म डंकी में कलाकारों की टोली है, जिसमें शाहरुख खान के साथ बोमन ईरानी, तापसी पन्नू, विक्की कौशल, विक्रम कोचर, अनिल ग्रोवर जैसे बेहद प्रतिभाशाली अभिनेताओं ने रंगीन किरदार निभाए हैं। जिओ स्टूडियोज, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स की प्रस्तुति, राजकुमार हिरानी और गौरी खान की निर्मित, अभिजात जोशी, राजकुमार हिरानी और कनिका ढिल्लों की लिखित डंकी दिसंबर 2023 में रिलीज होने वाली है।

सुशांत सिंह बहुत अच्छा इंसान था : अंकिता

–याद कर फूट के रो पड़ीं एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने स्वर्गीय एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को याद किया और कहा कि बहुत अच्छा इंसान था वो। वह एक अच्छा आदमी था। मैं ऐसे बोलती हूं ना कभी, था, मुझे इतना अजीब लगता है। मतलब अभी तो ठीक है नॉर्मल हो गया है। विक्की का भी दोस्त है ना सुशांत। आप जानते हैं कि अब वो नहीं रहा। इस दुनिया में, सबसे बुरा एहसास है। इसके बाद मुनव्वर फारुकी ने अंकिता लोखंडे से सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बारे में और पूछा। बिग बॉस 17 के लेटेस्ट एपिसोड में अंकिता लोखंडे ने सुशांत सिंह राजपूत के बारे में बात की। वह मुनव्वर फारुकी से बात कर रही थी जब टूटे हुए दिल पर उनकी शायरी ने उन्हें नॉस्टैल्जिक फील कराया। तब अंकिता ने मुनव्वर से कहा, मत बोल ये सारी चीज, वो हिट करती है बुरी तरीके से। लेकिन तूने जो कहा वह मुझे पसंद आया। फिर अंकिता ने फिल्म एमएस धोनीः द अटोल्ड स्टोरी का रोमांटिक सॉन्ग कौन तुझे गाया। इस मौके पर अंकिता ने कहा, अभी ये बात नहीं करना चाहती लेकिन ऐसा नहीं है। मुझे ये नहीं बताना तुझे कुछ भी। इस पर मुनव्वर ने कहा, लोगों के वर्जन है सबके। अलग-अलग लेकिन आप उनमें से एक हैं जिसे बिल्कुल सही पता है। अंकिता लोखंडे तब खुलासा किया कि वह सुशांत के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सकीं। सुशांत की मौत उनके लिए बहुत चौंकाने वाली थी। उन्होंने कहा, मैं तो उसके अंतिम संस्कार पर भी नहीं गई थी। मैं जा ही नहीं पाई। मुझे लगा मैं नहीं देख सकती ये। मैं ये देख ही नहीं सकती। विक्की ने बोला की तू जा कर आ। मैंने कहा नहीं। कैसे देख सकती हूं। मैंने वो अनुभव ही नहीं किया था कभी लाइफ में। अंकिता लोखंडे आगे कहती हैं, ह्लमैंने पहली बार मेरे पापा को देखा मुन्ना ऐसे। मुझे पता चला कि किसी का जाना क्या होता है। मेरे पापा बहुत आपकी याद आती है डैडी। मैं पापा को बार-बार बोलती थी, पापा बिग बॉस। हिट करती है यार बस। अंकिता इस पूरी बातचीत के दौरान इमोनशनल और रोते हुए दिखाई दीं। वहीं, मुनव्वर फारुकी भी थोड़ा दुखी हुए। बता दें कि फिल्म एमएस धोनीः द अटोल्ड स्टोरी साल 2016 में रिलीज हुई थी और दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत इसमें लीड रोल में थे। सुशांत और अंकिता लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे थे।

बीस साल बाद गोविंदा और डेविड साथ आए नजर

बालीवुड एक्टर गोविंदा और फिल्म निमार्ता डेविड धवन करीब बीस साल एक पार्टी में एक साथ नजर आए। बॉलीवुड की हिट जोड़ी कहे जाने वाली इस जोडी के बीच ऐसी दूरियां आईं कि दोनों ने साथ काम करना ही छोड़ दिया था। दोनों निमार्ता रमेश तुरानी की दीवाली पार्टी में एक दूसरे को गले लगाते नजर आए। वहीं, अब गोविंदा ने खुद भी यह कन्फर्म किया है उनका पैच-अप हो गया है एक इंटरव्यू में गोविंदा ने यह जानकारी दी कि वे करीबन 20 साल बाद किसी बॉलीवुड पार्टी में शामिल हुए। साथ ही उन्होंने कहा कि डेविड धवन के साथ उनका पैच अप हो गया है। एक्टर ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, मुझे खुशी है कि लोगों को आज भी लगता है कि हमें साथ में काम करना चाहिए। यह उनका प्यार है। हमारा पैच-अप हो चुका है। यह हमारी दूसरी मुलाकात थी। हमने एक दीवाली पार्टी में साथ में अच्छा वक्त बिताया। गोविंदा ने कहा, हम पास्ट को घसीटने पर यकीन नहीं रखते हैं।

बहुत कम समय में नागा चैतन्य ने जीता लोगों का दिल

साउथ के सुपर स्टार नागा चैतन्य अक्किनेनी ने 2009 में जोश के साथ अपना डेब्यू किया था, तो दर्शक और आलोचक उनके गुड लुक्स और टैलेंट से सरप्राइज हुए थे, जिसने उन्हें अपना पहला फिल्मफेयर पुरस्कार जिताया। नागा चैतन्य बहुत कम समय में अपने अभिनय के दमा पर लोगों का दिल जीता। रोमांस से लेकर एक्शन तक, और फिर फंतासी ड्रामा तक, अभिनेता ने सहजता से सभी किरदारों को निभाया हैं। अब एक्टर प्राइम वीडियो की अपकमिंग तेलुगु ओरिजिनल सीरीज, धूथा , जो एक सुपरनैचुरल सस्पेंस-थ्रिलर है, के साथ अपनी स्ट्रीमिंग डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। इसमें नागा एक महत्वाकांक्षी और सफल पत्रकार सागर के रूप में दिखाई देंगे, जो खुद को सुपरनैचुरल घटनाओं से घिरा हुआ पाता है, जो कई रहस्यमय और बुरी मौतों से जुड़ी हैं, और अब उनके परिवार पर उसकी छाया पड़ रही है।

ये सीरीज न सिर्फ एक बेहद दिलचस्प थ्रिलर होने का वादा करती है, बल्कि चैतन्य की बहुमुखी प्रतिभा का सबूत भी है, जो दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ती है। वैसे नागा चैतन्य का जन्मदिन भी बेहद करीब हैं।

सलमान ने महिला जर्नलिस्ट को किया किस

हाल ही में भाईजान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई 2023) में हिस्सा लेने गोवा पहुंचे, जहां उन्हें देख फैंस की भारी भीड़ जमा हो गई। इस दौरान एक्टर ने अचानक एक महिला को किस कर लिया, जिसका वीडियो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गया।

दरअसल, फिल्म फर्रे के साथ सलमान खान की भांजी अलिजेह अग्निहोत्री बॉलीवुड में एक्टिंग डेब्यू करने जा रही हैं। रिलीज से पहले फिल्म के प्रीमियर के लिए आईएफएफआई 2023के मंच को चुना गया, जहां सलमान अपनी भांजी का हौसला बढ़ाने पहुंचे। इसी दौरान भाईजान एक महिला को किस करते नजर आए। वीडियो में देखा जा सकता है कि इवेंट में सलमान खान अचानक ही एक महिला के पास जाते हैं और उसे गले लगाते हुए माथे पर किस करते हैं। इवेंट में सलमान का ये अंदाज देख हर कोई हैरान रह गया। सलमान ने जिस महिला को किस किया, वो एक सीनियर जर्नलिस्ट हैं और एक्टर की अच्छी दोस्त हैं।

बेटी मालती मैरी संग घूमने निकली प्रियंका

अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जितनी बेहतरीन एक्ट्रेस हैं उतनी ही परफेक्ट एक मां भी हैं। एक्ट्रेस अपने काम में कितनी भी बिजी क्यों ना हो वह मालती के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करना कभी नहीं भूलती। हाल ही में प्रियंका की बेटी मालती मैरी संग कुछ तस्नीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में मां-बेटी की जोड़ी आउटिंग का मजा उठाती दिख रही हैं। कैजुअल डे आउट के लिए, प्रियंका ने व्हाइट शर्ट और ग्रे जॉगर्स पेयर किए थे। हसीना ने अपने लुक को ओपन हेयर्स,कैप और शेड्स से कंप्लीट किया है। वहीं उनकी नन्हीं प्रिंसेसव्हाइट लाअर, कलरफुल फ्राक स्टाइल टाप और डेनिम जैकेट में प्यारी लग रही हैं। मालती मैरी ने आउटिंग के लिए कलरफुल कैप भी पेयर की थी। प्रियंका कुछ तस्वीरों में अपनी दोस्त से बात करती हुई नजर आ रही हैं। प्रियंका की बेटी संग ये तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि देसी गर्ल यानि एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अपनी पर्सनल और प्रोफैशनल लाइफ को हमेशा से साथ-साथ लेकर चलती हैं।

बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही 'जवान' ने ओटीटी पर भी बनाया नया रिकॉर्ड

साल 2023 शाहरुख खान के लिए बेहद अहम रहा। पहले पठान और फिर जवान ने सचमुच बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया। दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। शाहरुख की ह्यजवानह्ण उनके जन्मदिन यानी 2 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा, बल्कि अब शाहरुख की जवान ने ओटीटी जगत में भी रिकॉर्ड कायम कर दिया है। शाहरुख खान की जवान ने ओटीटी पर भी धमाल मचा रखा है। फिल्म का एक विस्तारित संस्करण नेटफ्लिक्स पर जारी किया गया था। रिलीज होते ही फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। अब जवान नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बन गई है। इस बात की पुष्टि खुद नेटफ्लिक्स ने की है। नेटफ्लिक्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने पोस्ट में लिखा, विक्रम राठौड़ अब हमारे दिलों और रिकॉर्ड्स पर राज कर चुके हैं। जवान अपनी रिलीज के बाद से नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म को नेटफ्लिक्स पर भारत से 3.7 मिलियन व्यूज मिले हैं। शाहरुख की इस फिल्म को एक करोड़ छह लाख से ज्यादा घंटे तक देखा जा चुका है। ओटीटी पर फिल्म का रिस्पॉन्स देखकर फैंस ने शाहरुख की तारीफ की है। मीडिया से बात करते हुए शाहरुख ने अपने फैंस का शुक्रिया भी अदा किया। अब हर तरफ शाहरुख की आने वाली फिल्म डंकी की चर्चा हो रही है। पहला टीजर रिलीज हो चुका है और इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। डंकी में शाहरुख खान और राजकुमार हिरानी पहली बार साथ काम करेंगे। यह फिल्म दिसंबर में रिलीज होगी।

सूडोकु नवताल- 6621

★★★☆☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6620 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7368

भा	क	ल	पा	कि	स्ता	न	धी	द	ल	ज
र	र	ल	दे	श्री	लं	का	इं	क्षि	ट	वा
त	स	त	ल	र्म	छ	रा	रा	ण	ख	द
आ	स्ट्रे	लि	या	पु	र	न्यू	प	अ	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	जी	तू	फ्री	झ	र्नि
बां	ग	ला	दे	श	न	लैं	ना	का	घ	हा
ल	अ	स	त	या	प	ड	श	ज	ला	लैं
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ड
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	के	न्या	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	इं	ग्लैं	ड	त

शब्दजाल में क्रिकेट खेलने वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

श्रीलंका,बांग्लादेश,भारत,इंग्लैंड,पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया,दक्षिण अफ्रीका, केन्या, हालैंड

शब्दजाल - 7367 का हल

मं	ग	ल	पां	डे	प	र	तू	ग	झ	सु
ज	अ	ल	म	आ	भ	ग	त	सिं	ह	भा
चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द	र	ला	ष
ज	कु	अ	उ	बे	ला	क	ल	रि	श	चं
स	ति	श	ध	व	दा	ल	क्ष्मी	बा	ई	द्र
र	रं	ल	म	व	लि	र्त	अ	ती	प	बो
दा	गा	ल	सिं	गा	प	म	श	कौ	या	स
र	बा	जीं	ह	त	क	छ	फा	ग	श	थ
प	स	म	हा	त्मा	गां	धी	क	शा	जू	द
टे	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
ल	औ	ता	त्या	टो	पे	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6321

		4	6		1	2
2	33		36		27	5
7		5		3		
	42		25	1	22	6
	6			2		4
6	36		32		34	
1		3	4	5		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6320 का हल

3	7	6	1	2	4	5
2	33	1	23	6	33	6
5	7	2	4	1	6	3
4	40	4	27	4	24	4
7	6	5	4	3	2	1
6	37	7	38	7	33	2
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

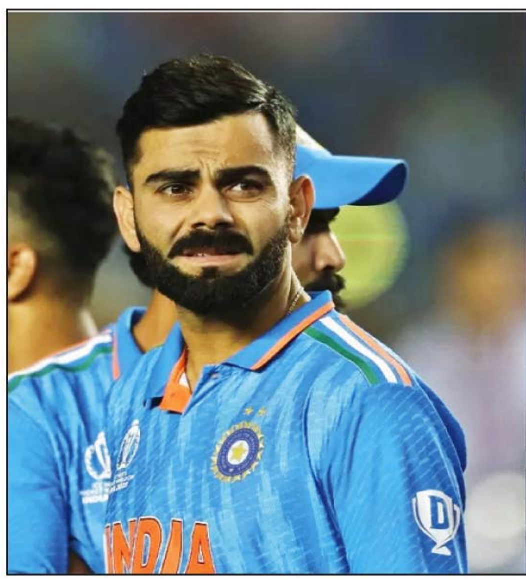

ऐश्वर्या राय के बारे में बुरा बोलने वाला पाकिस्तानी क्रिकेटर अपनी हरकतों से नहीं आ रहा बाज, अब भारतीय टीम पर साधा निशाना

नई दिल्ली।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर अब्दुल रज्जाक ने वर्ल्ड कप 2023 फाइनल के बाद भारतीय टीम पर निशाना साधा है। अब्दुल रज्जाक ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के हाथों वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में भारत की हार का मतलब है कि क्रिकेट जीत गया।

अब्दुल रज्जाक से हाल ही में वर्ल्ड कप फाइनल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने भारत पर घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने का आरोप लगाया और कहा कि अगर भारत फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हरा देता तो यह क्रिकेट का दुखद पल होता। अब्दुल रज्जाक अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। इससे पहले वो बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय के बारे में भी विवादित बयान दे चुके हैं।

ऐश्वर्या राय पर विवादित बयान देने के बाद रज्जाक की काफी आलोचना हुई थी, जिस पर पूर्व पाकिस्तानी ऑलराउंडर ने माफी मांगी थी। रज्जाक ने पाकिस्तान के टीवी शो हंसना मना है पर अपने विचार व्यक्त किए।

खुशी इस चीज की है कि अगर इंडिया जीत जाती ना तो हमें बहुत ज्यादा अफसोस होता इस सेंस में कि वो कंडिशंस का उपयोग कर रही थी। कुछ न कुछ तो है कंडिशंस में। बिलकुल फेयर पिच होनी चाहिए। बिलकुल फेयर पर्यावरण होना चाहिए। दोनों टीमों का संतुलन होना चाहिए। आज भी भारत ने फायदा लिया। अगर 100 कर जाते तो भारत ये वर्ल्ड कप जीत जाती।

भारत ने गंवाया कप

बता दें कि भारतीय टीम को वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 6 विकेट की शिकस्त सहनी पड़ी थी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी के आमंत्रण को स्वीकारा और पूरी टीम 50वें ओवर की आखिरी गेंद पर 240 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया था। ऑस्ट्रेलिया ने छठी बार वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया।

न्यूज ब्रीफ

लक्ष्य और किदांबी हार के साथ बाहर, प्रिंयाशु को जापान के केंटा ने हराया

शेनझेन । भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत यहां सत्र के अंतिम बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट चीन मास्टर्स में हारकर बाहर हो गए। दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी सेन को चीन के सातवें वरीय शि युकी से 19-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जबकि श्रीकांत (24वें नंबर के खिलाड़ी) को थाईलैंड के विश्व चैंपियन कुनलावुत विदितसवर्ण से 15-21 21-14 13-21 से पराजय मिली। श्रीकांत विश्व टूर पर लगातार तीसरी बार पहले दौर में बाहर हुए। वह इस सत्र में चार बार क्वार्टरफाइनल में पहुंचे। सेन और श्रीकांत पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने के लिए अगले साल 28 अप्रैल तक शीर्ष 16 में रहने की कोशिश में जुटे हैं। युवा भारतीय प्रिंयाशु राजावत भी हार गए। उन्हें जापान के केंटा निशिमोतो से 46 मिनट में 17-21 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

अमेरिकी अदालत ने रोनाल्डो के खिलाफ याचिका खारिज की, 2009 में लगा था दुष्कर्म का आरोप

नई दिल्ली । अमेरिका की एक अदालत ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो का पक्ष लेते हुए एक महिला के वकील की याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में फुटबॉल स्टार पर 375,000 अमेरिकी डॉलर (करीब तीन करोड़ 12 लाख रुपये) से अधिक की राशि का भुगतान करने के लिए दबाव डालने की कोशिश कर रही थी। महिला ने रोनाल्डो पर 2009 में दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। सैन फ्रांसिस्को स्थित अपीलीय अदालत के तीन-न्यायाधीशों की समिति ने असहमति जताई। रोनाल्डो विश्व के अमीर खिलाड़ियों में से एक हैं। वह राष्टीय फुटबॉल टीम पुर्तगाल के लिए खेलते हैं। इसके अलावा वह क्लब स्तर पर स्पेनिश टीम रियल मैड्रिड, युवेंटस और मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए भी खेल चुके हैं। वह अभी सऊदी अरब लीग की टीम अल नासेर के लिए खेल रहे हैं। लास वेगास क्षेत्र की पूर्व शिक्षिका और मॉडल मेयोर्गा 25 वर्ष की थीं, जब वह 2009 में एक नाइट क्लब में रोनाल्डो से मिलीं और उनके और अन्य लोगों के साथ उनके होटल में गईं। उसने लगभग एक दशक बाद दायर अपने मुकदमे में आरोप लगाया कि उस समय 24 साल के फुटबॉल स्टार ने बेडरूम में उसका यौन उत्पीड़न किया था।

पूरी टीम होटल लौटती थी, मैं इंजेक्शन लगवाने हॉस्पिटल जाता था, वर्ल्ड कप के बाद मोहम्मद शमी ने किया भयंकर दर्द से जूझने का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने खुलासा किया है कि वर्ल्ड कप के दौरान वे भयंकर दर्द से जूझ रहे थे। बावजूद इसके उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। बता दें कि वर्ल्ड कप के शुरुआती चार मैच से बाहर रहने के बावजूद सात मुकाबलों में 24 विकेट चटकाने वाले शमी 2015 वर्ल्ड कप में इंजेक्शन लगवाकर खेलते थे। करियर दाव पर लगाकर मैच के बाद हॉस्पिटल जाते अपना इलाज करवाते और फिर अगले मैच के लिए तैयार होते। ये खुलासा खुद 33 वर्षीय पेसर ने हाल ही में किया। दरअसल, बीते रविवार अहमदाबाद में भारत पर छह विकेट की जीत के साथ कंगारुओं ने छठी बार वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीती। 240 रन का बचाव करने उतरी भारतीय टीम के लिए मोहम्मद शमी ने अपनी पहली ही बॉल पर डेविड वार्नर को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को करारा झटका दिया, लेकिन इसके बावजूद वह टीम को फाइनल नहीं जीता सके। टूर्नामेंट में उन्होंने तीन बार पांच विकेट भी शामिल झटके। बता दें कि साल 2015 के बाद से शमी का सफर किसी फिल्मी स्किप्ट की तरह ही लगता है। स्पोर्ट्स ब्रांड पुमा के ब्रांड एंबेसडर शमी ने वर्ल्ड कप के बाद बेंगलुरु में दिल खोलकर बातचीत की। शमी ने कहा, कोई नहीं जानता था कि मैं किस दर्द से जूझ रहा था 2015 टूर्नामेंट से पहले मेरे घुटने में सूजन थी। मेरे पास दर्द सहन करने की क्षमता है और मुझे दो विकल्प बताए गए थे या सर्जरी करवाऊं या फिर टूर्नामेंट खेलूं। टीम हर मैच के बाद होटल लौटती थी, मैं इंजेक्शन लेने के लिए अस्पताल जाता था। जब आप देश के लिए खेलते हैं तो आप सब कुछ भूल जाते हैं। 2015 वर्ल्ड कप के बाद हुई सर्जरी से तो शमी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। शमी की कमबैक जरनी प्रेरणादायक रही है। वह न केवल वर्ल्ड कप के 18 मैचों में 55 विकेट लेकर दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट में देश के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए बल्कि सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7-57 का बेस्ट बॉलिंग फिगर निकालकर इतिहास भी रचा। 33 वर्षीय शमी ने अपनी सफलता का राज खोलते हुए बताया कि, आम तौर पर गेंदबाज मैदान पर पहुंचने के बाद पिच का मुआयना करता है।

भारत ने जीते चार स्वर्ण ; राकेश की स्वर्णिम हैट्रिक, शीतल ने दो स्वर्ण सहित जीते तीन पदक

बैंकॉक ।

विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज राकेश कुमार ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई जिसके दम पर भारत ने एशियाई पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में बुधवार को नौ पदक जीतकर दक्षिण कोरिया जैसे दिग्गज पर बढ़त बनाई। वहीं, बिना भुजाओं वालीं 17 साल की महिला तीरंदाज शीतल देवी ने महिला कंपाउंड ओपन टीम में ज्योति के साथ मिलकर कोरिया की जिन यंग जियोंग और ना मि चोइ को 148-137 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

शीतल ने मिश्रित टीम में वर्ग में राकेश के साथ इंडोनेशिया के टी आडी आयुडिया फेरेली और केन एस को 154-149 से हराकर मिश्रित टीम वर्ग में भी स्वर्ण हासिल किया। शीतल को एक रजत भी मिला जब वह फाइनल में सिंगापुर की नूर सियाहिदाह से शूट ऑफ में हार गईं। दोनों 142-142 से बराबरी पर थी। शूट ऑफ में भी टाई रहा लेकिन चूंकि नूर के तीर सेंटर के ज्यादा नजदीक थे, इसलिए उन्हें विजेता घोषित किया गया।

भारत ने नौ पदकों के साथ दक्षिण कोरिया को पछाड़ा

भारत को चार स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक मिला। वहीं दक्षिण कोरिया तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य जीतकर दूसरे स्थान पर रहा। हांगझोऊ पैरा एशियाई खेलों में रजत जीतने वाले 38 साल के राकेश ने अपने दो अन्य स्वर्ण पुरुषों के कंपाउंड वर्ग में इंडोनेशिया के केन एस को 145-144 से हराया। वहीं टीम स्पर्धा में सूरज सिंह के साथ ताइवान के पुंग हुंग वू और चिह चियांग चांग को 147-144 से हराया। महिला रिकर्व टीम फाइनल में भारत टाईब्रेकर में 4-5 से हारकर रजत पदक का हकदार बना। पुरुष रिकर्व युगल टीम फाइनल में हरविंदर और विवेक चिकारा को दक्षिण कोरिया से 2-6 से हार मिली। आदिल और नवीन की जोड़ी को पुरुष रिकर्व डब्ल्यू वन युगल में दक्षिण कोरिया से 122-137 से पराजय मिली। सरिता ने महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य जीता।

हजारिका-इलावेनिल 7वें स्थान पर, स्कीट में गनीमत ने कायम रखीं उम्मीदें

दोहा । भारतीय निशानेबाज आईएसएसएफ विश्वकप फाइनल में बुधवार को कोई पदक नहीं जीत सके और राइफल वर्ग में हृदय हजारिका और इलावेनिल वालारिवान अपने अपने वर्ग में सातवें स्थान पर रहे। युवा स्कीट निशानेबाज गनीमत सेखों ने पहले दिन क्वालीफिकेशन में दूसरे स्थान पर रहकर पदक की उम्मीदें बरकरार रखी है। हजारिका ने पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल क्वालिफिकेशन में 629.4 स्कोर करके आठवां स्थान हासिल किया। फाइनल में उन्होंने 10.6 के साथ आगाज किया और पांच शॉट की पहली सीरिज के बाद 51.9 अंक के साथ पांचवें स्थान पर थे। उनका आठवां शॉट 10 . 9 था लेकिन इसके बाद खराब शॉट के कारण वह नीचे खिसक गए। वह 12वें शॉट के बाद छठे स्थान पर पहुंचे लेकिन 13वें और 14वें शॉट पर चूकने से बाहर हो गए। हंगरी के जालान पेकलेर ने स्वर्ण पदक जीता। विश्व चैंपियन रूद्रांक्ष पाटिल आठ निशानेबाजों के फाइनल में प्रवेश नहीं कर सके और 13वें स्थान पर रहे। ओलंपियन इलावेनिल महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में आठवें स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचीं। चार साल पहले विश्वकप फाइनल में स्वर्ण जीत चुकीं इलावेनिल 14 शॉट के बाद सातवें स्थान पर रहकर बाहर हो गईं। पोलैंड की अनेता स्टानकीविज ने स्वर्ण जीता। रमिता जिंदल और मेहुली घोष क्वालीफिकेशन दौर से आगे नहीं बढ सकीं और क्रमश: नौवें तथा दसवें स्थान पर रहीं। महिलाओं की स्कीट स्पर्धा के क्वालिफिकेशन में गनीमत ने तीन दौर में 25 में से 24 अंक बनाए और दूसरे स्थान पर रही । पुरुषों के ट्रैप वर्ग में पृथ्वीराज टोंडाइमैन शीर्ष छह में जगह नहीं बना सके।

क्रिस गेल का 44 की उम्र में जलवा बरकरार, बल्ले के हुए 2 टुकड़े, गेंद बाउंड्री पार

नई दिल्ली ।

वेस्टइंडीज के विस्फोटक ओपनर क्रिस गेल का जलवा 44 की उम्र में भी बरकरार है। गौरतलब है कि गेल इस समय लीजेंड्स लीग क्रिकेट में खेल रहे हैं। गुजरात जॉयंट्स की ओर से खेल रहे गेल के नाम टी20 में सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने का विश्व कीर्तिमान दर्ज है। उन्होंने भीलवाड़ा किंग्स के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में गेल ने एक ऐसा चौका जड़ा, जिसके बाद उनके बल्ले के दो टुकड़े हो गए। इस मैच में गुजरात की जीत से ज्यादा चर्चा गेल के टूटे बल्ले की हो रही है। रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्पलेक्स में खेले गए लीजेंड्स लीग क्रिकेट के चौथे मुकाबले में गुजरात जॉयंट्स ने भीलवाड़ा किंग्स के खिलाफ 3 रन से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में छठे ओवर में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज रेयान बॉटन की एक गेंद पर क्रिस गेल ने करारा प्रहार किया। गेंद दनदनाती हुई बाउंड्री के बाहर 4 रन के लिए चली गई लेकिन इस दौरान गेल का बल्ला टूट गया। हैंडल से बल्ले के दो टुकड़े हो गए।

जानकारी के अनुसार क्रिस गेल ने इस मुकाबले में 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। एक समय गेल 18 गेंदों पर 26 रन बनाकर खेल रहे थे लेकिन इसके बाद उन्होंने गियर बदला और साइडबॉटन के खिलाफ 5 गेंदों पर 24 रन ठोक डाले। गेल ने पहले साइडबॉटन की दो गेंदों पर दो छक्के जड़े। इसके बाद लगातार गेंदों पर 3 चौके जड़ दिए। इस ओवर में कुल 25 रन बने। वह 27 गेंदों पर 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। भीलवाड़ा किंग्स की कप्तानी कर रहे इरफान पठान की टीम को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। 173 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भीलवाड़ा किंग्स 169 रन ही बना सकी।

वर्ल्ड नंबर-1 टी20 गेंदबाज राशिद खान हुए चोटिल, दुनिया की प्रमुख टी20 लीग में नहीं खेलने का लिया अहम फैसला

नई दिल्ली।

अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने पीठ में चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया की टी20 बिग बैश लीग से अपना नाम वापस ले लिया है। राशिद खान को छोटी सर्जरी की जरुरत है। दुनिया के नंबर-1 टी20 इंटरनेशनल रैंक वाले गेंदबाज राशिद खान को बीबीएल में लगातार सातवें साल एडिलेड स्ट्राइकर्स का प्रतिनिधित्व करना था। बीबीएल के सीजन की शुरुआत अगले महीने होगी।

स्ट्राइकर्स का आया बयान

एडिलेड स्ट्राइकर्स के महाप्रबंधक टिम नीलसन ने राशिद खान को सीजन से खोने पर निराशा जाहिर की है। नीलसन ने अपने बयान में कहा, राशिद खान स्ट्राइकर्स के चहेते सदस्यों में से एक हैं और उनकी फैन फॉलोइंग जबरदस्त है। वो हमारे साथ सात सालों से हैं, तो इस सीजन में उनकी काफी कमी खलेगी।

राशिद का बीबीएल में प्रदर्शन

2017 में 19 साल की उम्र के राशिद खान ने बीबीएल में खेलना शुरू किया। उन्होंने स्ट्राइकर्स के लिए 69 मैचों में 98 विकेट चटकाए। राशिद खान का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17/6 रहा। राशिद खान का बाहर होना एडिलेड स्र्टाइकर्स के साथ-साथ बीबीएल के लिए बड़ा झटका है। इससे पहले हैरी ब्रूक भी अपना नाम वापस ले चुके हैं

भारतीय खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई पर शोएब अख्तर ने की पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली ।

विश्व कप फाइनल हारने के बाद भारतीय टीम की हौसलाअफजाई के लिए पीम मोदी ने खिलाड़ियों से मुलकात की। इसकी पाकिस्तानी खिलाड़ी शोएब अख्तर ने जमकर तारीफ की है। गौरतलब है कि उस समय पीएम नरेंद्र मोदी भी स्टेडियम में थे। वह मैच में हार से निराश टीम इंडिया के पास ड्रेसिंग रूम पहुंचे और खिलाड़ियों से बात की। उन्होंने टीम का उत्साह बढ़ाया और हौसला दिया। पीएम मोदी के इस रूप की पाकिस्तान क्रिकेट टीम के महान तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने तारीफ की। बता दें कि एक ओर जहां शाहिद अफरीदी सहित तमाम पाकिस्तानी पीएम मोदी की खिलाफत करते हैं और विवादित बयान देते रहते हैं ऐसे में शोएब अख्तर का बयान उनके दिलों में तीर सा लगा होगा। क्रिकेट विश्व कप 2023 की हार के बाद ड्रेसिंग रूम में भारतीय क्रिकेट टीम के सितारों से मिलने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पीएम ने बताया कि वह खिलाड़ियों के साथ खड़े हैं। पीएम मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका मनोबल बढ़ाया।

इसके बाद रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी जैसे कई खिलाड़ियों ने विश्व कप फाइनल के बाद मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। अख्तर ने बताया कि पीएम मोदी से इस मुश्किल वक्त में मिलना क्रिकेटरों के लिए कितना मायने रखता होगा, क्योंकि यह उन सभी के लिए एक कठिन दौर था। दिल तोड़ने वाली हार के बाद उन्हें उस समर्थन की जरूरत है। शोएब अख्तर ने एक शो में कहा- आपके प्रधानमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि वह खिलाड़ियों के साथ हैं। यह एक बड़ा इशारा था। यह एक संदेश था कि भारत एक राष्ट्र के रूप में भारतीय क्रिकेट टीम के साथ खड़ा है। यह बहुत ही शानदार बात है। यह वास्तव में उनके लिए एक भावुक समय है। उन्होंने उन्हें (खिलाड़ियों को) अपने बच्चों के रूप में लिया और उन्होंने उनका मनोबल बढ़ाकर उन्हें बताया कि उन्होंने अच्छा खेला।

जो हम चाहते हैं वह नहीं मिल रहा

कतर से हार के बाद फूटा टीम इंडिया के कोच स्टिमैक का गुस्सा

नई दिल्ली ।

भारतीय फुटबॉल टीम को फीफा विश्व कप 2026 के क्वालिफायर के दूसरे राउंड में कतर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। भुवनेश्वर में टीम इंडिया 0-3 से हार गई। भारत को अब एशियन कप में उतरना है। वहां उसका पहला मुकाबला मजबूत ऑस्ट्रेलिया की टीम से होना है। एशियन कप की तैयारी के बारे में जब कोच इगोर स्टिमैक से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम जो मांग रहे हैं वह नहीं मिल रहा है। ऐसे में हमसे नतीजों के बारे में बात पूछिए।

स्टिमैक ने कहा कि वह दोहा में आगामी एशियाई कप को एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट नहीं मानेंगे क्योंकि टीम उचित राष्ट्रीय शिविर के बिना इस टूर्नामेंट में उतरेगी। स्टिमैन की यह टिप्पणी अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को परेशान कर सकती है। स्टिमैक 12 जनवरी से शुरू होने वाले एशियन कप से पहले कम से कम से चार सप्ताह का राष्ट्रीय शिविर चाहते थे, लेकिन इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का पहला चरण 29 दिसंबर तक चलने के कारण ऐसा होना मुश्किल है। क्लब अपने खिलाड़ियों को लंबे प्रशिक्षण के लिए टीम से बाहर नहीं जाने देना चाहते हैं। भारत का सामना 13 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया से होगा। टीम इंडिया के ग्रुप में उज्बेकिस्तान और सीरिया भी है।

भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए गर्व के साथ जाऊंगा

स्टिमैक ने स्पष्ट रूप से कहा, हमें वह नहीं मिला जो हम चाहते थे। मैं बहुत स्पष्ट था, आप मुझे समय दें और मैं आपके लिए परिणाम दे सकता हूं। समय के बिना परिणाम या उसके जैसी किसी भी चीज के बारे में न पूछें। बस इसे भूल जाएं। मैं अपने खिलाड़ियों के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए गर्व के साथ दोहा जाऊंगा। हम सब कुछ करने जा रहे हैं लेकिन हमारे पास काम करने के लिए समय नहीं है, तैयारी के लिए 12-13 दिन कुछ भी नहीं हैं।

स्टिमैक ने कहा कि ज्यादातर देश एशियाई कप के लिए लंबे शिविरों के साथ अच्छी तरह से तैयार होकर आएंगे। उन्होंने कहा, हम उज्बेकिस्तान का सामना करने जा रहे हैं जो छह सप्ताह तक तैयारी करेगा। मैं ऑस्ट्रेलिया को ऐसी टीम नहीं मानता जिसे हम हरा सकते हैं, वे कतर से बेहतर हैं। वे हमारी लीग से बाहर हैं, लेकिन हम कोशिश करने जा रहे हैं।

फीफा विश्व कप 2026 का क्वालिफायर ज्यादा महत्वपूर्ण

राष्ट्रीय टीम को एशियाई कप की तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल रहा है। ऐसे में स्टिमैक ने कहा कि एशियन कप अब उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण टूर्नामेंट नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज विश्व कप क्वालीफायर है। यह जानते हुए कि हमें एशियाई कप के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलेगा और मैं एशियाई कप को हमारे लिए इतना महत्वपूर्ण टूर्नामेंट नहीं मानता। मैं वहां अपने खिलाड़ियों को घायल नहीं करना चाहता। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि हम विश्व कप क्वालिफायर में अपने ग्रुप में ज्यादा से ज्यादा अंक प्राप्त करें। इससे हमें तीसरे दौर में पांच-छह घरेलू मैच मिलेंगे और यभारतीय फुटबॉल के लिए बहुत बड़ी बात होगी।

क्षमता और रुचि का रखें ध्यान...

12वीं के बाद करियर की दिशा को लेकर विद्यार्थियों के मन में कई सवाल होते हैं। मसलन-कौन-सी स्ट्रीम चुनें, प्रोफेशनल कोर्सेज में दाखिला लें या पारंपरिक डिग्री हासिल करें आदि। काउंसलर की मानें तो कैरियर की दिशा चुनते वक्त आपको दो बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए-क्षमता और रुचि। यदि आप इन बातों की तह तक पहुंच गए, तो आप अपने क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर सकते हैं। नजर डालते हैं बारहवीं के बाद के उन प्रमुख कैरियर विकल्पों पर, जिनमें से कोई एक क्षेत्र चुन कर आप मंजिल तक पहुंच सकते हैं, बशर्ते आपने क्षेत्र का चुनाव अपनी क्षमता और रुचि का आकलन करने के बाद किया हो।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

जो छात्र 10+2 में वाणिज्य लेते हैं, उनकी पहली प्राथमिकता चार्टर्ड अकाउंटेंसी होती है। आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी की मांग कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देशों में है। अंतरराष्ट्रीय अवसरों के कारण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी युवाओं के लिए अग्रिम कैरियर विकल्प बन गया है। द इंस्टीट्युट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, जो भारत सरकारके अधीन पंजीकृत संस्था है, को भारत में इस क्षेत्र में पाठ्यक्रम चलाने का एकाधिकार प्राप्त है। विशेष जानकारी के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएआइ डॉट ओआरजी पर संपर्क करें।

कंपनी सेक्रेटरीशिप

वाणिज्य से 10+2 पूरा करने वाले छात्रों का एक बड़ा वर्ग कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहता है। आज हर उस कंपनी में, जिसका पेड-अप पूंजी 1 करोड़ से अधिक है, एक कंपनी सेक्रेटरी होना अनिवार्य है। तीन स्तरों में होने वाले इस पाठ्यक्रम सह परीक्षा की विस्तृत जानकारी के लिए आपइंस्टीट्युट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएस आइ डॉट इडीयू पर संपर्क करें।

कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंट

फाइनेंस के क्षेत्र में एक नया क्षेत्र उभर कर आया है, जिसे कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंसी के नाम से जाना जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंसी या कंपनी सेक्रेटरीशिप की तरह तीन स्तरों-फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा को उत्तीर्ण कर कॉस्ट अकाउंटेंट की योग्यता प्राप्त कर सकता है। कॉस्टअकाउंटेंट किसी कंपनी का वह पदाधिकारी होता है, जिसे अपनी तकनीकी दक्षता से कंपनी की पूंजी व लागत का उचित इस्तेमाल करना होता है। विस्तृत जानकारी के लिए आपइंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंसी ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएमएआइ डॉट इन पर संपर्क करें।

लॉ का क्षेत्र

वाणिज्य से बारहवीं के बाद छात्रों का एक बड़ा तबका लॉ के क्षेत्र में जाता है. 10+2 के बाद 5 वर्षीयलॉइंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम पूरा करकानून के क्षेत्र में कैरियर को एक नई दिशा दी जा सकती है। पहले इस इंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम में केवल बीएएलएलबी पाठ्यक्रम ही होता था। परंतु समय की मांग को देखते हुए बीएएलएलबी के अतिरिक्त व्यापार प्रबंधन की चाह रखने वाले छात्रों के लिए बीबीएएलएलबी, विज्ञान के छात्रों के लिए बीएससीएलएलबी या कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉमएलएलबी पाठ्यक्रमों की भी घोषणा कर दी गयी है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आपको एक विशेष प्रवेश जांच परीक्षा देनी होगी, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट यानी क्लैट कहा जाता है। इस प्रवेश जांच परीक्षा के माध्यम से आपको देश के प्रतिष्ठित लॉ विश्वविद्यालय में दाखिले का अवसर प्राप्त होगा। विशेष जानकारी के लिए आप वेबसाइट पर विजिट करें।

बैंकिंग का क्षेत्र

यदि हम यह कहें कि आनेवाले कुछ वर्ष बैंकिंग के क्षेत्र में नई नौकरियों की चाह रखने वाले छात्रों के नाम होंगे, तो कुछ गलत न होगा। आगामी कुछ वर्षो में लगभग 1 लाख से अधिक छात्रों के लिए बैंकिंग सेक्टर के दरवाजे खुले रहेंगे। यदि आप 10+2 के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो क्लर्क लेवल के लिए आवेदन करें। हालांकि कई बैंकों में अब क्लर्क के लिए भी स्नातक आवश्यक योग्यता के रूप में मांगी जाती है, परंतु कुछ विकल्प अभी भी 10+2 के बाद इस पद के लिए उपलब्ध हैं। यदि आप प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो वाणिज्य से स्नातक करें और प्रवेश जांच परीक्षा में बैठने की रणनीति बनायें। बैंकों की रिक्तियों की अधिसूचना निरंतर अखबारों में निकलती रहती हैं।

बिजनेस मैनेजमेंट

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था ने जहां एक ओर कॉरपोरेट दुनिया को नया आयाम प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर बिजनेस मैनेजरों की भारी मांग ने युवाओं के लिए कैरियर द्वार खोल दिया।10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम आपको बिजनेस मैनेजमेंट की दुनिया में प्रवेश दिला सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों को अलग-अलग विश्वविद्यालय में कई बार अलग-अलग नाम से जाना जाता है, परंतु इनके कोर्स कंटेंट लगभग एक जैसे होते हैं। कहीं इसे बीबीए यानी बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कहा जाता है, तो कहीं इसे बीबीएमयानी बैचलर इन बिजनेस मैनेजमेंट कहा जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में इसे बैचलर इन बिजनेस स्टडीज का नाम दिया गया है। इन पाठ्यक्रमों में स्नातक करने के बाद किसी अच्छे संस्थान से एमबीए करने वाले छात्रों को पीछे मुड़ कर देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

पत्रकारिता का क्षेत्र

एक समय था जब इस विषय को हिंदी या अंग्रेजी विभाग के साथ जोड़कर पढ़ाया जाता था, लेकिन हाल के वर्षो में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चकाचौंध ने युवाओं के एक बड़े वर्ग का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। 10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय बैचलर्स इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन या बीए (जेएमसी) जैसा पाठ्यक्रम आपको मीडिया के क्षेत्र में प्रवेश करने का अवसर दे सकता है, परंतु इस क्षेत्र में संघर्ष है, आपके स्थापित होने की समय सीमा भी निश्चित नहीं है। इस जोखिम को ध्यान में रखकर ही आप इस क्षेत्र में जाने की योजना बनायें। इस क्षेत्र में सफलता के लिए आपकी भाषा पर मजबूत पकड़ बेहद जरूरी है, चाहे बात प्रिंट मीडिया की हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की। वाणिज्य से पढाई करने के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सपना देखने वाले छात्र बिजनेस स्टैंडर्ड, इंडियन इकनोमी, सीएनबीसी आवाज जैसे चैनलों और अखबारों में रोजगार खोज सकते हैं। इन चैनलों में वाणिज्य के जानकार को आर्थिक या बिजनेस पेज या प्रोग्राम का उत्तरदाई बनाया जाता है।

कंप्यूटर साइंस

एक समय था जब केवल गणित के छात्र ही इस क्षेत्र में प्रवेश करते थे। समय के साथ बढ़ती मांग को देखते हुए कई विश्वविद्यालय वाणिज्य या आर्ट्स के छात्र को भी इस क्षेत्र में प्रवेश देते हैं। बीसीए यानी बैचलर इन कंप्यूटर अप्लीकेशन के लिए 10+2 पर आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन इसी प्रकार के अन्य पाठ्यक्रम जैसे बीएससी (कंप्यूटर साइंस) या बीएससी (आइटी) में प्रवेश के लिए ज्यादातर विश्वविद्यालय 10+2 में गणित मांगते हैं। रुचि कंप्यूटर साइंस में है, तो नि:संकोच बीसीए पाठ्यक्रम को चुन सकते हैं। ध्यान रखें कि पाठ्यक्रम रेग्युलर हो,अन्यथा पूरा व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिल पाएगा, जो क्षेत्र में सफल होने का आधार है।

मेडिकल

बायो के साथ 10+2 लेने वाले छात्रों का पहला कैरियर विकल्प मेडिकल होता है। एक बात समझना आवश्यक है। कई छात्र मेडिकल में कैरियर बनाने की चाह में चीन, रूस इत्यादि से मेडिकल की डिग्री लेकर आते हैं। ध्यान रहे, भारत में केवल वही मेडिकल डिग्री मान्य है, जो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्य है। यदि आप देश से बाहर से कोई मेडिकल की डिग्री लेकर आते हैं, तो आपको पुन: मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग टेस्ट पास करना होगा, अन्यथा आपकी डिग्री अवैध हो जाएगी। कहने की आवश्यकता नहीं कि भारतीय मेडिकल संस्थानों में दाखिले के लिए सीबीएससी द्वारा प्रत्येक वर्ष ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट का आयोजन किया जाता है, जिसके आधार पर सरकारी-पोषित व निजी मेडिकल संस्थानों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में दाखिला लिया जा सकता है।

डेंटिस्ट्री

बायो के साथ 10+2 उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए डेंटिस्ट्री (दांतों का डॉक्टर) भी एक उत्तम कैरियर विकल्प है। चार वर्षीय बैचलर इन डेंटल सर्जरी करने के बाद यदि आप इसमें मास्टर्स कर लें तो फिर पीछे मुड़कर देखने की आवश्यकता नहीं होगी। मान्य संस्थानों की अद्यतन जानकारी डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के वेबसाइट पर उपलब्ध है। निजी संस्थानों के अतिरिक्त सरकारी संस्थानों में बीडीएस में दाखिले के लिए भी सीबीएससी द्वारा आयोजित ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट को उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

बायोटेक्नोलॉजी

रिसर्च और तकनीक से यदि आपका लगाव हो, तो बायोटेक्नोलॉजी का क्षेत्र आपको एक स्थायी कैरियर विकल्प दे सकता है। फार्मा कंपनियों में निरंतर बायो तकनीक विशेषज्ञों के लिए रिक्तियां निकलती रहती हैं। इस विषय को लेकर दो प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं- तीन वर्षीय बीएससी इन बायोटेक्नोलॉजी और चार वर्षीय बीटेक इन बायोटेक्नोलॉजी। कैरियर के लिहाज से इनमें से किसी पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद एमबीए करना बेहतर होगा, ताकि आपको तकनीकी ज्ञान के साथ साथ प्रबंधन कौशल भी आ सके।

अल्टरनेटिव मेडिसिन

एमबीबीएस के अतिरिक्त होमियोपैथी, यूनानी, आयुर्वेद जैसे अन्य कैरियर विकल्प भी हैं, जो आपको एक डॉक्टर के रूप में स्थापित कर सकते हैं। बैचलर इन आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी, बैचलर इन होमियोपैथी मेडिसिन एंड सर्जरी के अतिरिक्त नेचुरोपैथी, योग, फिजियोथेरपी जैसे पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनको आप अपनी रुचि के अनुसार चुन सकते हैं।

नर्सिंग का क्षेत्र

नर्सिंग का क्षेत्र उन चुनिंदा क्षेत्रों में है, जिन में कभी भी रोजगार के अवसर कम नहीं होंगे। इस क्षेत्र में कई पाठ्यक्रम हैं, जैसे एक वर्षीय ऑक्जिलियरी नर्सिंग मिडवाइफरी यानी एएनएम से लेकर चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग तक। मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची काउंसिल की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट इंडियन नर्सिंग काउंसिल डॉट ओआरजी पर उपलब्ध हैं।

इंडियन आर्मी

देश के युवाओं का एक तबका ऐसा भी है, जो अपने रोजगार के साथ-साथ देश की सेवा भी करना चाहता है। तो आर्ट्स के छात्र के रूप में आपके लिए यहां भी इंडियन आर्मी के दरवाजे खुले हुए हैं। जब आप स्नातक के अंतिम वर्ष में हों, तो संयुक्त लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सीडीएस यानी कंबाइंड डिफें स सर्विस में प्रवेश की योजना बनाएं।

सही रोडमैप तैयार करें...

दिल में हजारों सपने और मन में जीत का जज्बा लिए युवा निकल पड़ते हैं अपने ड्रीम करियर की ओर। मगर कई बार सही रोडमैप तैयार न होने से उन्हें मंजिल तक पहुंचने में कठिनाई होती है। संबंधित कोर्स आदि करने के बाद भी कामयाबी मिलने वालों का प्रतिशत बहुत कम देखा गया है। अधिकतर युवा पढ़ाई के दौरान ही अपने लक्ष्य तय कर लेते हैं, मगर सही रोडमैप तैयार न होने के कारण वे मंजिल तक नहीं पहुंच पाते और हताश हो जाते हैं। आइए जानते हैं ड्रीम करियर तक पहुंचने का क्या हो रास्ता।

खुद को परखें

सभी व्यक्ति एक जैसे नहीं होते। सबकी ताकत, कमजोरी, इच्छाएं, महत्वाकांक्षाएं और सपने सभी कुछ एक-दूसरे से बिल्कुल अलग होते हैं। साथ ही हर किसी में कोई न कोई खूबी जरूर होती है, जो उस व्यक्ति को अन्य लोगों से अलग बनाती है। सबसे पहले अपनी इस खूबी को पहचानिए। इससे खुद की पहचान में मदद मिलेगी और आपको अंदाजा हो जाएगा कि आप अपने बाकी साथियों के मुकाबले किस स्तर पर हैं? इसके बाद आप अपनी परफॉर्मेंस में सुधार के लिए सही तरीके अपना सकेंगे। अपनी ताकत के ईद-गिर्द ही अपना करियर बनाइए। इससे आप न सिर्फ अपने करियर में बेस्ट परफॉर्मेंस दे सकेंगे, बल्कि आपका आंतरिक विकास भी होगा और आप हमेशा खुश रह सकेंगे।

व्यक्तित्व को पहचानें

ऐसा काम न चुनें, जो आपके व्यक्तित्व के अनुरूप न हो। अगर आपकी कम्युनिकेशन स्किल अच्छी नहीं है तो मार्केटिंग के क्षेत्र में आपका भविष्य बहुत सुनहरा नहीं होगा। हम जिस चीज से संतुष्ट होते हैं और जो काम करने में सहजता महसूस करते हैं, वही बेहतर रूप से कर सकते हैं। जिस काम को हम रुचि के साथ आनंद लेकर करते हैं, उस काम में सफलता मिलना आसान होता है, लेकिन जो काम हमें असहज या कठिन लगते हैं, जिन्हें करने से आत्मसंतुष्टि नहीं मिलती, उनमें सफलता मिलना बहुत मुश्किल होता है।

लक्ष्य तय करें

एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी द्वारा करवाए गए सर्वे में यह बात निकल कर सामने आई है कि किसी भी करियर के प्रति रुझान उम्र के साथ-साथ बदलता है। वही लोग अंत तक एक करियर से किसी न किसी रूप में जुड़े रहे, जिन्होंने लक्ष्य तय किया हुआ था और उन्हें अपने करियर से प्यार था। पहली ही नौकरी का चयन अगर सही नहीं हुआ तो करियर में तरक्की की राहें मुश्किल हो सकती हैं। ऐसे में बार-बार नौकरी बदलने में आपका कीमती वक्त बर्बाद होगा। यह पहले से तय कर लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है या किन कंपनियों में काम करना चाहते हैं। अमेरिका के ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स ने नई रिपोर्ट में आंकड़ों के आधार पर 20 सबसे अच्छी नौकरियों की एक सूची पेश की है। इनमें इंजीनियर और विश्लेषक की नौकरियों को सबसे ऊपर रखा गया है। आंकड़ों का परीक्षण ग्लासडोर ने किया है।

क्षमताएं बढ़ाएं

ग्लासडोर डॉट कॉम वेबसाइट द्वारा करवाए गए सर्वे के मुताबिक जिन 63 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्किल्स को बढ़ाने पर काम किया, उन्हें बेहतर पदोन्नति के साथ अच्छी सैलरी भी मिली। सर्वे में 74 प्रतिशत ने माना कि उन्हें खुद को आगे बढ़ाने के लिए स्किल्स सीखनी होंगी। 48 प्रतिशत कर्मचारियों के मुताबिक उनकी डिग्री उनके काम के साथ कहीं मेल नहीं खाती यानी इससे साफ हो गया कि शुरुआत में भले ही आप अपनी डिग्री की बदौलत कोई नौकरी पा लेते हैं, मगर उसमें टिके रहने व तरक्की पाने के लिए आपको अपनी मौजूदा क्षमताओं में इजाफा करना होगा। उन स्किल्स को पहचान कर सीखना होगा, जो आपके काम में सहायक हैं।

पाएं कार्यानुभव

किसी कंपनी में की गई इंटर्नशिप आपको आपके ड्रीम करियर तक पहुंचने में सहायक हो सकती है। इंटर्नशिप के दौरान आप क्लास रूम की थ्योरी क्लासेज से निकल कर जॉब मार्केट और पेशवर कार्यों की दुनिया से परिचित होते हैं। आपने जो शिक्षा हासिल की है, उसका वास्तविक प्रयोग कैसे करना है और आपकी शिक्षा आपके ड्रीम करियर में रास्ता बनाने में किस हद तक सहायक होगी, इसे इंटर्नशिप के दौरान परखा और जांचा जा सकता है।

रेज्यूमे हो दमदार

किसी भी कंपनी में अपना रेज्यूमे भेजने से पहले यह निश्चित कर लें कि इसमें कहीं कोई भाषाई अशुद्धि तो नहीं है, कोई योग्यता बढ़ा-चढ़ा कर तो नहीं लिखी गई है। इसके बाद ध्यान दें कि उसका डिजाइन, फॉन्ट साइज, आकर्षक हो, ताकि पढ़ते समय बोरियत न हो। जो भी कहना चाहते हैं, वह संक्षेप में प्रभावी ढंग से लिखा होना चाहिए।

रिसर्च करें

जिस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उसके बारे में जानकारियां एकत्र करें। उस क्षेत्र में काम कैसे होता है, काम करने की शैली कैसी है, वेतन कितना मिलता है, आने वाले समय में उस क्षेत्र में विकास की क्या संभावनाएं हैं, सरकार की नीति सेक्टर के लिए क्या है, क्षेत्र में काम करने के दौरान किस तरह की चुनौतियां सामने आ सकती हैं।

प्रेग्नेंसी में कैसा भोजन खाना करना चाहिए?

आपको जरूरत है अपने आहार का ध्यान रखने की। क्या खाना है और क्या नहीं। क्या मैं नॉन-वेज खाऊं या नहीं। क्या मुझे पूरी तरह वेजिटेरियन रहना चाहिए। इसे लेकर कई महिलाएं दुविधा में रहती हैं। मांसाहारी भोजन में सब्जियों और फलों की तुलना में ज्यादा आयरन होता है। यदि आपको नॉन वेज खाने में कोई दिक्कत नहीं है तो यह आपके और आपके गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों के लिए अच्छा होगा। यदि आपके शरीर में आयरन पहले से ही उचित मात्रा में मौजूद है तो आप नॉनवेज का इस्तेमाल 10 से 11 हफ्तों में भी कर सकती हैं।

नॉनवेज खाने में आपके लिए मछली का सेवन सबसे अच्छा रहेगा। मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और यह गर्भ में पल रहे बच्चे के दिमाग के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं। हालांकि ओमेगा 3 फैटी एसिड के लिए आप भोजन में अलसी के बीजों का भी यूज कर सकती हैं, लेकिन इसके लिए मछली के सेवन से बेहतर कुछ नहीं। गर्भावस्था के दौरान आपको आम दिनों की ही तरह ही हेल्दी खाना खाना चाहिए। महिलाएं अपनी और गर्भस्थ शिशु की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने से खुशी का अनुभव करती है। इसलिए नॉन वेज उन सभी जरूरतों को पूरा करता है जो आपको और आपके नन्हें मेहमान के लिए जरूरी हैं। इस दौरान आपकी दिनभर की दिनचर्या में ब्रेकफास्ट, पास्ता, चावल और रोटी सभी कुछ होना चाहिए। यदि आप नॉनवेज हैं तो आपको प्रोटीन युक्त फल और सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए। आपको खाने से संबंधित सभी चीजें थोड़ी-थोड़ी मात्रा में नियमित अंतराल पर लेनी चाहिए। एक बार में ज्यादा खाना आपको नुकसान दे सकता है। ऐसी कुछ नॉन वेज डिश जिन्हें आप प्रोटीन और आयरन के लिए यूज कर सकती है।

चिकन स्वीट कोर्न सूप: चिकन स्वीट कोर्न सूप प्रोटीन के लिए बहुत ही अच्छा विकल्प है। इसे तैयार करने के लिए आपको 250 ग्राम बोन लैस चिकन, आधा कप स्वीट कोर्न क्रीम की जरूरत पड़ेगी।

स्टीम्ड लैमन फिश सैलड: स्टीम्ड लैमन फिश सैलड में प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा के साथ ही आयरन और विटामिन सी होता है। यह गर्भावस्था के दौरान आपके और आपके यहां आने वाले नन्हें मेहमान के लिए फायदेमंद रहेगा। इसे तैयार करने के लिए 300 ग्राम बिना हड्डी वाली मछली, 2 हरी मिर्च, नींबू का रस और धनिया पत्ती चाहिए।

फिश फिंगर: फिश फिंगर को आप अपनी दिनचर्या में स्नैक्स की तरह यूज कर सकती हैं। इसमें न केवल प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा है बल्कि विटामिन ई, विटामिन ए, विटामिन डी, ओमेगा 3 फैटी एसिड के साथ ही कैल्शियम भी है। इसे तैयार करने के लिए आपको 300 ग्राम बोन लैस फिश के पीस, धनिया पत्ती, नींबू का रस, जीरा पाउडर और फैट किया हुआ छोटे अंडे की जरूरत होगी।

चिकन टिक्का चाट: चिकन टिक्का चाट को भी आप फिश फिंगर की ही तरह बतौर स्नैक्स यूज कर सकती हैं। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर और विटामिन सी की भरपूर मात्रा है।

स्पाइसी स्पागेटी और मीटबॉल्स: इसका इस्तेमाल आप अपने खाने के दौरान कर सकती हैं। स्पाइसी स्पागेटी और मीटबॉल्स का सेवन आपको प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन सी सब कुछ देगा। इसे तैयार करने केक लिए 150 ग्राम स्पागेटी, 300 ग्राम मटन, मशरूम, प्याज, अदरक, दूध, अंडा और मिर्ची पाउडर की जरूरत होगी।

चिकन पीस पुलाव: चिकन पीस पुलाव में विटामिन ए, सी और के साथ ही फोलेट भी उचित मात्रा में होता है। टेस्टी चिकन पीस पुलाव का सेवन आप अपने भोजन में करें।

रेसिपी

ब्रेड कोफ्ता करी

सामग्री

ब्रेड कोफ्ते के लिए: 6 ताजे ब्रेड के स्लाईस, 5 स्पून ताजा दही, 2 स्पून मैदा, 2 स्पून बेसन, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 स्पून कटी हुई हरी मिर्च, एक चुटकी बेकिंग सोडा **अन्य सामग्री:** 1 कप लौकी के टुकड़े, 3 स्पून तेल, 1/2 कप उबले और छिले हुए छोटे आलू, आधे कटे हुए, 1/2 कप कसा हुआ प्याज, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 स्पून ताजा दही, 3/4 कप ताजा टमाटर का पल्प, 1/2 कप उबले हुए हरे मटर.

सजाने के लिए: 1 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

ब्रेड कोफ्ते के लिए: ब्रेड स्लाईस के कीनारे निकाल लें। ब्रेड स्लाईस को बाउल मे रखकर चुरा कर लें, दही, मैदा, बेसन, धनिया, हरी मिर्च, बेकिंग सोडा और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 20 बराबर भाग मे बांटकर प्रत्येक भाग के गोल आकार बना लें। कढ़ाई मे तेल गरम करें और एक बार मे थोड़े कोफ्ते डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज ने निकालकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधि:** एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में लौकी और 1 कप पानी मिलाकर, बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर लौकी के नरम होने तक या 8-10 मिनट के लिए पका लें। मिश्रण को पुरी तरह ठ़डा कर मिक्सर मे पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें। गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में 2 टेबल-स्पून तेल गरम करें और आलू डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या आलू के सुनहरे होने तक भून लें। छानकर एक तरफ रख दें। उसी कढ़ाई में, बचा हुआ 1 टेबल-स्पून तेल गरम करें, प्याज डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या प्याज के पारदर्शी होने तक भून लें। हल्दी, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पकाएं। ताजा दही और टमाटर का पल्प डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट के लिए पकाएं। लौकी का पेस्ट, 1/2 कप पानी, नमक, हरे मटर और भुने हुए आलू डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट के लिऐ पकाएं। परोसने के तुरंत पहले ब्रेड कोफ्ता डालें और हल्के हाथों से मिलाकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक पकाएं। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

हान्डी खिचड़ी

सामग्री

3/4 कप चावल, 15 मिनट के लिए भिगोकर छाने हुए, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 स्पून लहसुन का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप छिले हुए आलू के टुकड़े, 1/4 कप हरे मटर, 1/2 कप फूलगोभी के फूल, 2 स्पून तेल, 2 इलायची, 25 मिलीमीटर दालचीनी का टुकड़ा, **परोसने के लिए:** छाछ, पापड़

विधि

धनिया, प्याज, धनिया-जीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, लहसुन का पेस्ट और नमक को एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिला लें। आलू, हरे मटर, फूलगोभी, तेल, चावल, इलायची और दालचीनी डालकर अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को हान्डी में डालकर, 11/2 कप गरम पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढक्कन से ढक कर, धीमी आंच पर 25-30 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। छाछ और पापड़ के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**